05 अगस्त 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

चक्की महाजी डेरा के पास गंगा में डूबकर युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

2

बिहार के बाद अब असम राज्य में बनेगी नई वोटर लिस्ट

एजेंसी/नई दिल्ली

बिहार के बाद अब असम में भी चुनाव आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के जरिए वोटर लिस्ट अपडेट करने की तैयारी में है, लेकिन मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ही इस कदम पर सवाल उठा दिए हैं। सरमा का कहना है कि असम में अवैध घुसपैठ की समस्या को एसआईआर से हल नहीं किया जा सकता। इसके बजाय सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में तैयार नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स की फाइनल लिस्ट का इंतजार करना चाहिए। 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और बूथ लेवल ऑफिसर्स की ट्रेनिंग भी गर्मी की छुट्टियों में शुरू की जा चुकी हैं। रिपोर्ट के अनुसार रक्क़ के लिए शिक्षकों को बीएलओ नियुक्त

- असम में अवैध घुसपैठ की समस्या को एसआईआर से हल नहीं किया जा सकता
- जन्म प्रमाणपत्र, फोटो, माता-पिता की वोटर आईडी और निवास प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेजों की जांच का प्रशिक्षण दिया जा रहा

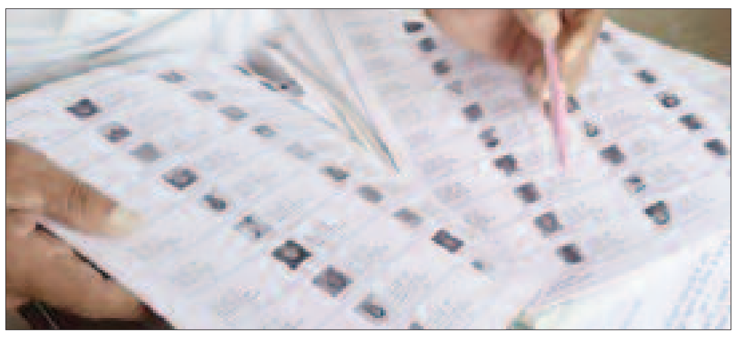

किया गया है, जिन्हें जन्म प्रमाणपत्र, फोटो, माता-पिता की वोटर आईडी और निवास प्रमाणपत्र जैसे दस्तावेजों की जांच का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मृत्यु प्रमाणपत्र के आधार पर नाम हटाए जाएंगे। लेकिन सरमा का तर्क है कि बिहार जैसी प्रक्रिया असम की अनूठी समस्या को हल नहीं कर सकती। उन्होंने जोर दिया कि ठप्फ्ठ को दस्तावेजों में शामिल करना चाहिए और उसकी अंतिम सूची के बिना रक्क़का कोई औचित्य ही नहीं है।असम में ठप्फ्ठ की प्रक्रिया 2015 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर शुरू हुई थी। 31 अगस्त 2019 को जारी ड्राफ्ट सूची में 3.3 करोड़ आवेदकों में से 19.6 लाख लोगों को बाहर रखा गया था। हालांकि, केंद्र सरकार ने इसे अधिसूचित करने से इनकार कर दिया, क्योंकि इसमें स्वदेशी लोगों को छोड़ा गया और अवैध प्रवासियों को शामिल किया गया। सरमा ने कहा कि 29 लाख लोगों का बाहर होना अपर्याप्त है और पुनर्सत्यापन जरूरी है।अब विपक्षी दल एसआईआर को लेकर सवाल उठा रहे हैं, जैसा कि बिहार में भी देखा गया जहां 65 लाख नाम कटने पर जमकर विवाद हुआ। असम में भी विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर से खास समुदायों को निशाना बनाया जा सकता है। सरमा ने स्पष्ट किया कि असम की समस्या का हल केवल एनआरसी की अंतिम सूची से संभव है जो अवैध प्रवासियों को चिह्नित करेगी। चुनाव आयोग ने 1 सितंबर तक दावे-आपत्तियां दर्ज करने का समय दिया है, लेकिन एनआरसी की अनिश्चितता के बीच एसआईआर को लेकर तनाव लगातार बना हुआ है।

आंतरिक सुरक्षा पर अमित शाह की उच्च स्तरीय बैठक

एजेंसी/नई दिल्ली

अनुच्छेद 370 के रद्द किए जाने के छह साल पूरे होने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने के साथ बैठक की। माना जा रहा है कि इस बैठक में उन्होंने देश की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका ने सोमवार को संसद भवन परिसर स्थित उनके कक्ष में गृह मंत्री से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि बैठक का विवरण अभी ज्ञात नहीं है, लेकिन समझा जाता है कि उन्होंने देश की मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। बता दें कि 5 अगस्त 2019 को नरेंद्र मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था। जिसके तहत जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था। दो केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

भागलपुर के बेलथू के महतो स्थान के पास ऑटो रिक्शा ओवरटेक करने के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा

कांवड़ियों की गाड़ी में दौड़ा करंट, 5 मौतें

एजेंसी/भागलपुर

बिहार के भागलपुर में सुल्तानगंज के करीब रविवार 3 अगस्त की देर रात हुए एक हादसे में 5 कांवड़ियों की मौत हो गई। चार लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है. घायल कांवड़िए अभिषेक ने बताया कि वे 9 लोग पिकअप से गंगा स्नान के लिए सुल्तानगंज जा रहे थे। वहां से जल भरकर जेठौर नाथ मंदिर में पूजा करने वाले थे। शाहकुंड-सुल्तानगंज सड़क पर बेलथू के महतो स्थान के पास ऑटो रिक्शा को ओवरटेक करते समय पिकअप में करंट फैल गया। बचने के लिए वे 30 फीट नीचे पानी में कूद गए। ऊपर से उनके ऊपर गाड़ी गिर गई। सभी मृतक एक ही गांव के रहने वाले थे। हादसे के बाद लोगों ने सड़क जाम कर दिया। शाहकुंड थाने के मेन गेट पर शवों को रखकर जाम कर दिया है। परिजन सीनियर ऑफिसर को बुलाने की मांग कर रहे हैं, वहीं पुलिस कर्मी थाने से बाहर नहीं निकल रहे हैं। मृतकों के परिजनों का आरोप है कि युवकों की मौत करंट लगने हुई है। बिजली का तार नीचे था, जो गाड़ी से लगा और हादसा हुआ। मुआवजे की मांग को लेकर मृतकों के परिजन ने शाहकुंड-असरगंज मुख्य रास्ते को जाम कर दिया है। शाहकुंड थानेदार जगन्नाथ शरण ने बताया, घटना लापरवाही की वजह से हुई है। विरोध में लोग

सड़क पर जुट रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधि और शांति समिति के लोगों के साथ परिजन को समझाने की कोशिश की जा रही है। सुल्तानगंज से ज्येष्ठगौर नाथ ले जा रही थी इस दौरान रास्ते में अचानक हाईटेंशन लाइन की चपटे मे आ गई। वाहन पर सवार सभी अपनी जान बचाने के का प्रयास करने लगे। तेज बारिश के कारण स्थिति स्पष्ट नहीं हो रही थी। इस हादसे की सूचना तुरंत पुलिस-प्रशासन को दी गई, जिसके बाद सभी घायल युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतकों की पहचान मनोज कुमार (24), संतोष कुमार (18), विक्रम कुमार (23), रवीश कुमार उर्फ मुन्ना (18), और अंकुश कुमार (18) के रूप में हुई है। मृतकों के परिजनों को इस हादसे की सूचना दे दी गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो युवा कांवरियों की मौत

धमतरी । सावन के अंतिम सोमवार को एक दर्दनाक हादसे ने दिल दहला दिया है। धमतरी जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। अज्ञात वाहन के ठोकने से दो युवा कांवरियों की मौत हो गई जबकि एक युवक घायल है जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही ग्राम पीपरछेड़ी में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलने पर महापौर भी जिला अस्पताल पहुंचे और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। सावन माह में भक्तों का उत्साह चरम पर है। खासकर अंतिम सावन सोमवार में भक्तों का जन सैलाब उमड़ता हुआ दिखाई दिया। लेकिन इसी बीच एक बड़ा हादसा हुआ, जिससे पीपरछेड़ी गांव में मातम छा गया। बताया गया कि अजुर्नी थाना क्षेत्र के ग्राम पीपरछेड़ी से तीन युवक जल चढ़ाने पैदल रुद्री स्थित रुद्रेश्वर मंदिर आ रहे थे। तभी ग्राम तेलीनसत्ती के पहले अज्ञात वाहन ने ठोकर मार कर फरार हो गया। इस हादसे में तीन युवक घायल हो गए। तीनों घायलों को मसीही अस्पताल लाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने राहुल साहू और कन्हैया साहू को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं मोक्ष साहू का इलाज जारी है। तीन युवक लगभग साढ़े 10 बजे ग्राम पीपरछेड़ी से रुद्रेश्वर मंदिर जल चढ़ाने निकले हुए थे। आगे-आगे तीन लोग चल रहे थे। एक किलोमीटर पीछे 10-12 लोगों का और जत्था चल रहा था। तेलीनसत्ती के पास लगभग 11 बजे अज्ञात कार ने पीछे से ठोकर मार दी। जिसमें तीनों युवक घायल हो गए।

मंडी में भीषण सड़क हादसा में तीन की मौत व 2 घायल

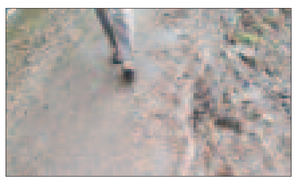

थुनाग (मंडी)। हिमाचल के मंडी जिले के सराज विधानसभा के मगरुगला में एक गाड़ी रविवार देर रात को खाई में गिर गई। हादसे में 3 लोगों की मौत होने की सूचना है। गाड़ी में 5 लोग सवार थे। घायलों को सुबह 108 एम्बुलेंस से जंजैहली अस्पताल लाया जा रहा है। बताया जा रह है कि ये गाड़ी देर रात को गिरी सुबह लोगों ने इसे गिरे हुए देखा तो इसकी सूचना 108 एम्बुलेस और पुलिस को दी। इसके बाद सभी को खाई से निकाला गया। कार में सवार देवदत, यशपाल और मंगल चंद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गुमान सिंह और लूदर सिंह घायल हैं। सराज में आपदा के बाद से सड़कों की स्थिति भी ठीक नहीं है। गाड़ी में सवार स्थानीय बताए जा रहे है। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर जांच आरंभ कर दी है। ये लोग कहां से आ रहे थे और हादसा किस कारण हुआ है पुलिस इसकी जांच कर रही है।

एसएससी परीक्षा के दौरान रहा कुप्रबंध पर नहीं होगा एजाम रद्द : गोपालकृष्णन

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में एसएससी की चयन पद चरण 13 भर्ती परीक्षा के दौरान कुप्रबंधन को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी बीच एसएससी के अध्यक्ष एस गोपालकृष्णन ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि कर्मचारी चयन आयोग हाल ही में हुई चयन पद चरण 13 की परीक्षा रद्द नहीं करेगा, बल्कि उन प्रभावित उम्मीदवारों के लिए दोबारा परीक्षा आयोजित कर सकता है जो उचित अवसर से वंचित रह गए थे। अध्यक्ष एस गोपालकृष्णन का यह बयान सोमवार को परीक्षा के दौरान कुप्रबंधन को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है। अध्यक्ष ने कहा कि हम आंकड़ों का विश्लेषण कर रहे हैं। अगर हमें एक भी उम्मीदवार ऐसा मिलता है जिसके साथ अन्याय हुआ है, तो हम उसके लिए दोबारा परीक्षा आयोजित करेंगे। संगठन ने परीक्षा विक्रेता एडुक्विटी करियर टेक्नोलॉजीज को भी पत्र लिखकर 24 जुलाई से 1 अगस्त तक की परीक्षा अवधि के दौरान सामने आई सभी समस्याओं का समाधान करने का अनुरोध किया है। 24 जुलाई से 1 अगस्त के बीच 142 शहरों के 194 केंद्रों पर आयोजित चरण 13 की परीक्षा अचानक रद्द होने, सॉफ्टवेयर क्रैश होने, बायोमेट्रिक सत्यापन में विफलता और गलत केंद्र आवंटन जैसी समस्याओं से जूझती रही। परीक्षा के दौरान लगभग 5 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी। इन व्यवधानों के कारण पिछले सप्ताह दिल्ली भर में विरोध प्रदर्शनों की लहर दौड़ गई, जिससे हजारों उम्मीदवार सड़कों पर उतर आए और सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

अध्यक्ष ने स्वीकारी कुप्रबंधन की बात

अध्यक्ष ने तकनीकी गड़बड़ियों और उम्मीदवारों को दूर-दराज के केंद्र दिए जाने सहित कुप्रबंधन की बात स्वीकार की। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले महीनों में सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम आने वाले महीनों में सुधार करेंगे और योजना बनाएंगे। उम्मीदवारों की तत्काल चिंता को दूर करने के लिए 2 अगस्त को तीन पालियों में अतिरिक्त

परीक्षाएं आयोजित की गईं। 2 अगस्त को लगभग 16,600 अभ्यर्थियों को पुनः परीक्षा देनी थी, लेकिन केवल 8,048 अभ्यर्थी (60 प्रतिशत) ही उपस्थित हुए। अध्यक्ष ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो एसएससी प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए पुनः परीक्षा आयोजित करेगा।

तकनीकी समस्याओं की बात भी स्वीकारी

अध्यक्ष गोपालकृष्णन ने नए विक्रेता के साथ शुरूआती समस्याओं की बात स्वीकार की और कहा कि सिस्टम हैंग होने और माउस की खराबी जैसी खामियों के लिए दंड लगाया जाएगा। हालांकि, उन्होंने अभ्यर्थियों और शिक्षकों द्वारा विक्रेता को हटाने की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने पूछा कि एक परीक्षा के आधार पर, मैं उन्हें नहीं हटा सकता। आने वाले हफ्तों में मैं परीक्षाएं कैसे आयोजित करूंगा। मुझे एक नया टेंडर जारी करना होगा, और कंपनी तय होने में दिसंबर तक का समय लगेगा। तब तक मैं क्या करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि हमने एक हफ्ते में कंपनी के कामकाज में सुधार देखा है। शुरूआती कुछ दिनों में कुछ समस्याएं थीं और फिर उन्होंने उन्हें सुलझा लिया।

प्रश्न रीपीट होने की बात पर क्या बयान आया

प्रश्नों के चयन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर चिंताओं का जवाब देते हुए, एसएससी ने स्पष्ट किया कि दोहराव से बचने के लिए केवल एक प्रारंभिक एआई प्रणाली का उपयोग किया जाता है, जिसमें प्रत्येक प्रश्न मेटाडेटा से टैग किया जाता है। छात्रों ने आरोप लगाया कि एआई के इस्तेमाल से प्रश्न रिपीट हुए।

बिहार के अगले मुख्य सचिव होंगे प्रत्यय अमृत

एजेंसी/पटना

बिहार सरकार ने मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा के रिटायरमेंट से पहले ही नए मुख्य सचिव की नियुक्ति कर दी है। 1991 बैच के कअर अधिकारी प्रत्यय अमृत 1 सितंबर 2025 से नए मुख्य सचिव होंगे। सरकार ने 27 दिन पहले ही अधिसूचना जारी कर दी थी। राज्य के मौजूदा मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की जगह नये मुख्य सचिव की नियुक्ति की गयी है। राज्य सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। दिलचस्प बात ये है कि 27 दिन पहले ही राज्य सरकार ने मुख्य सचिव पद पर पोस्टिंग का आदेश जारी कर दिया है। बता दें कि मौजूदा मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा 31

अगस्त को रिटायर हो रहे हैं। उनके रिटायरमेंट को देखते हुए नये मुख्य सचिव की नियुक्ति होनी थी। लेकिन राज्य सरकार ने नई परंपरा की शुरूआत कर दी। अमूमन मुख्य सचिव या किसी दूसरे पदाधिकारी के रिटायरमेंट के एक-दो दिन पहले उस पद पर किसी दूसरे अधिकारी की नियुक्ति की जाती रही है। अमृत लाल मीणा के रिटायरमेंट के 27 दिन पहले ही नये मुख्य सचिव की नियुक्ति का ऐलान कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को लगायी फटकारा

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भारतीय सेना और 2020 में चीन के साथ हुए गलवान घाटी संघर्ष को लेकर दिए गए बयानों पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने राहुल गांधी की टिप्पणियों को अनुचित ठहराते हुए तीखे सवाल पूछे। राहुल गांधी ने कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। कोर्ट ने इस पर गहरी नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट में राहुल गांधी के बयान को लेकर दर्ज मुकदमे पर सुनवाई करते हुए जस्टिस दीपांकर दत्ता ने राहुल गांधी के वकील से पूछा है कि आपको यह कैसे पता

चला कि चीन ने 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। क्या आप वहां मौजूद थे। आपके पास कोई विश्वसनीय सबूत है। आप इस तरह के बयान बिना किसी ठोस आधार के क्यों देते हैं। अगर आप सच्चे भारतीय होते, तो इस तरह की बातें नहीं कहते। जब सीमा पर संघर्ष होता है, तो दोनों पक्षों को नुकसान होना असामान्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी राहुल गांधी के उस बयान को लेकर आई जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन ने गलवान घाटी में 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय जमीन पर कब्जा कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह के बयानों को गैर-जिम्मेदाराना करार दिया है और पूछा कि क्या इस तरह की टिप्पणी करना देश के सैनिकों के बलिदान का अपमान नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इन टिप्पणियों को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज आपराधिक मानहानि मामले की कार्यवाही पर तीन सप्ताह के लिए रोक लगा दी है। यानी फिलहाल राहुल गांधी को इस मामले में राहत मिल गई है।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली योग्य महिलाओं का किया जा रहा है पंजीकरण

पीएम मातृ वंदना योजना: 4 करोड़ से अधिक महिलाएं होगी लाभुक

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत महिलाओं को मिलने वाली लाभ की बात पर जोर दिया। इसके तहत महिला और बाल विकास मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत अब तक देशभर में चार करोड़ से ज्यादा महिलाओं को कम से कम एक किस्त का लाभ मिल चुका है। योजना के तहत अब तक 19,028 करोड़ से अधिक की राशि महिलाओं को दी जा चुकी है। मंत्रालय ने इसे सरकार की मातृ और बाल स्वास्थ्य के प्रति लगातार प्रतिबद्धता का

उदाहरण बताया है। इसके साथ ही योजना के तहत एक विशेष पंजीकरण अभियान को 15 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। इस समय देशभर में आंगनवाड़ी और आशा कार्यकताओं द्वारा घर-घर जाकर गर्भवती और स्तनपान कराने वाली योग्य महिलाओं का पंजीकरण किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि यह अभियान सिर्फ आर्थिक लाभ देने के लिए नहीं है, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए भी है।बता दें कि पीएमएमवीवाई मिशन शक्ति के 'समर्थ्य' उप-योजना के तहत चल रही एक केंद्र प्रायोजित योजना है। इसके तहत पहली बार मां बनने पर महिलाओं को ?5,000 की नकद सहायता दो किस्तों में मिलती है। वहीं दूसरी संतान अगर बेटी हो, तो 6,000 की राशि एक किस्त में दी जाती है। मार्च 2023 में लॉन्च हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पीएमएमवीवाई सॉफ्ट के जरिये योजना को पूरी तरह ऑनलाइन किया गया है। इसमें आधार आधारित सत्यापन और एनपीसीआई वेरिफिकेशन के माध्यम से लाभार्थी के खाते में सीधा पैसा ट्रांसफर किया जाता है। नई प्रणाली में शिकायत निवारण के लिए एकीकृत मॉड्यूल, कई भाषाओं में टोल-फ्री हेल्पलाइन (14408), चेहरा पहचानने वाली तकनीक और संभावित लाभार्थियों की पहचान के लिए ऑटोमैटिक सूची जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं।

डीएम ने किया प्रारूप निर्वाचक सूची के विशेष कैंप का निरीक्षण ससमय कार्य निष्पादन का दिया निर्देश

बक्सर प्रखंड में दो दिन में करें शत प्रतिशत प्रारूप सूची का लिंकेज : डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को प्रारूप निर्वाचक सूची के विशेष कैंप का निरीक्षण एवं समीक्षा कार्य जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। यह निरीक्षण भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के तहत किया गया, जिसमें मतदाता सूची के अद्यतन और दावों-आपत्तियों की प्रक्रिया की प्रगति की गहराई से समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वर्ष 2003 की मतदाता सूची के साथ वर्तमान प्रारूप सूची के लिंकेज की स्थिति का अवलोकन किया। समीक्षा में यह तथ्य सामने आया कि बक्सर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बक्सर प्रखंड में अब तक लगभग 35 प्रतिशत लिंकेज का कार्य पूर्ण हो चुका है। इस प्रगति को संतोषजनक नहीं मानते हुए जिलाधिकारी ने सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया कि दो दिनों के भीतर शत-प्रतिशत लिंकेज की प्रक्रिया पूरी कराना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के क्रम में सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि विशेष कैंप के दौरान दावा या आपत्ति से संबंधित कोई आवेदन अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। इस पर जिलाधिकारी ने गहरी चिंता प्रकट करते हुए कहा कि यह स्थिति जन-जागरूकता की कमी को दर्शाती है। उन्होंने निर्देश दिया कि इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार की व्यवस्था की जाए ताकि अधिक से अधिक नागरिक मतदाता सूची के प्रारूप की जांच कर सकें और यदि कोई त्रुटि या चूक है तो दावा या आपत्ति प्रस्तुत कर सकें।

डॉ. सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची की शुद्धता एक निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव की आधारशिला है। अतः निर्वाचन से संबंधित सभी अधिकारियों की यह नैतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी है कि वे हर स्तर पर गुणवत्ता और समयबद्धता का पालन करें। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी पंचायतों और वार्ड स्तर तक जानकारी पहुँचे और जनता इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाए।

इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी बक्सर समेत कई अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान आवश्यक बिंदुओं पर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए और कार्य में पारदर्शिता एवं गंभीरता बरतने की बात दोहराई गई।

राजस्व महा अभियान को लेकर तैयारी तेज सभी विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में राजस्व महा अभियान 2025 के सफल संचालन को लेकर प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी क्रम में समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वयक बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य राजस्व महा अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु आवश्यक तैयारियों और समन्वय को अंतिम रूप देना था। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह अभियान पूरी तरह समयबद्ध है और इसके अंतर्गत सभी संबंधित विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि अभियान की कार्य योजना के तहत अंचल स्तर पर छह से नौ अगस्त तक प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 6 अगस्त को बक्सर, चौसा, राजपुर और इटाढ़ी; 7 अगस्त को नावानगर, डुमरांव, केसठ और चौगाई; जबकि 8 अगस्त को ब्रह्मपुर, चक्की और सिमरी अंचलों के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में अंचलाधिकारी, प्रभारी अंचलाधिकारी, बीडीओ, राजस्व अधिकारी, पंचायत राज पदाधिकारी, ग्रामीण विकास पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, मनरेगा के कार्यक्रम पदाधिकारी, पंचायत सचिव, राजस्व कर्मचारी, अमीन, सर्वेक्षण अमीन, डाटा इंट्री ऑपरेटर एवं विकास मित्र भाग लेंगे। यह प्रशिक्षण विभागीय निदेशानुसार हल्का शिविरों के संचालन, घर-घर जमाबंदी वितरण एवं प्राप्त आवेदनों के ऑनलाइन निष्पादन के लिए आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत आवश्यक भौतिक संसाधनों जैसे कम्प्यूटर, स्कैनर, लैपटॉप आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने का जिम्मा संबंधित अंचलाधिकारी एवं बीडीओ को सौंपा गया है। शिविर संचालन में पंचायत स्तर पर मौजूद सभी विभागीय कर्मियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है, ताकि नागरिकों को एक ही स्थान पर बहुविध सेवाएं सुलभ हो सकें। पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को भी अहम मानते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड सदस्यों के लिए 13 व 14 अगस्त को संयुक्त प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाए। इसमें अभियान की जानकारी देने के साथ-साथ आवश्यक प्रपत्र, माइक्रो प्लान की प्रतियां और पंपलेट वितरित किए जाएंगे। बैठक में निर्देश दिया गया कि राजस्व महा अभियान की सूचना अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे इसके लिए जिला जन संपर्क कार्यालय की ओर से स्थानीय स्तर पर होर्डिंग, पैंपलेट और अखबारों के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराया जाएगा। माइक्रो प्लान को 10 से 12 अगस्त के बीच विभागीय पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई जाने पर संबंधित समन्वयक व सदस्य की सीधी जवाबदेही तय होगी। डॉ. सिंह ने कहा कि यह अभियान जनता से सीधे जुड़ा है और इसकी सफलता के लिए विभागीय अनुशासन, पारदर्शिता, तकनीकी समन्वय और जनभागीदारी बेहद जरूरी है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे समय पर प्रशिक्षण प्राप्त कर अभियान के क्रियान्वयन में पूरी तत्परता दिखाएं।

चक्की महाजी डेरा के पास गंगा में डूबकर युवक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

- प्रशासन की लापरवाही से ग्रामीण आक्रोशित, जवही गांव का रहने वाला था मृतक, ग्रामीण गोताखोरों ने एक घंटे बाद निकाला शव

केटी न्यूज/चक्की

चक्की प्रखंड अंतर्गत ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के जवही दियर के महाजी डेरा के समीप सोमवार सुबह एक युवक की गंगा नदी में डूबकर मौत हो गई। बघटना मृतक की पहचान 22 वर्षीय गणेश शर्मा उर्फ बिट्टू शर्मा, पिता अशोक शर्मा के रूप में हुई है। यह घटना सुबह करीब 8 बजे की है, जब बिट्टू अपने खेत की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि रास्ते में पैर फिसलने के कारण वह उफनाई गंगा में गिर गया और देखते-देखते गहरे पानी में डूब गया।

घटना की खबर मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की मदद से करीब एक घंटे के बाद स्थानीय गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक के शव को बाहर निकाला, लेकिन तबतक बहुत देर हो गई थी। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया है। मृतक के घर में कोहराम मच गया है। परिजन रो-रोकर बेसुध हो गए हैं। गांव में शोक का माहौल है और हर कोई प्रशासन की उदासीनता पर आक्रोशित नजर आ रहा है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने तुरंत स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी दी, लेकिन घंटों बीत जाने के बावजूद कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। जवही पंचायत के मुखिया ओमप्रकाश यादव ने बताया कि सुबह से ही प्रशासन के विभिन्न अधिकारियों को कई बार फोन किया गया, लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं किया। अंततः कई प्रयासों के बाद पुलिस अधीक्षक शुभम आर्या ने फोन उठाया और मामले को गंभीरता से लेने की बात कही। बावजूद इसके, दोपहर एक बजे तक कोई भी अधिकारी या आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर नहीं पहुंची थी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बाढ़ग्रस्त इलाकों में प्रशासन की लापरवाही लगातार सामने आ रही है। हर साल गंगा के पानी से इस क्षेत्र में खतरा बना रहता है, लेकिन प्रशासन की ओर से न तो सुरक्षा इंतजाम किए जाते हैं और न ही आपदा के वक्त त्वरित कार्रवाई होती है। लोगों ने कहा कि अगर समय रहते राहत टीम या प्रशासनिक अधिकारी पहुंचते तो शायद युवक की जान बचाई जा सकती थी।

गांव में पसरा है मातमी सन्नाटा

लोग गणेश शर्मा के अचानक यूं चले जाने को अभी तक स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। युवा उम्र में एक होनहार बेटे की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को शीघ्र आर्थिक सहायता दी जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि वह काफी होनहार था तथा पढ़ाई के साथ ही महाजी डेरा के समीप कोलईवर तटबंध पर बाइक की मरम्मत कर अपने परिवार के भरण पोषण में सहायक था। उसकी मौत की खबर के बाद से ही परिवार पर मानो गम का पहाड़ टूट गया है।

मौके पर पहुंची ब्रह्मपुर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए बक्सर अनुमंडलीय अस्पताल भेजी। ब्रह्मपुर पुलिस का कहना है कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजे की अनुशंसा की जाएगी।

वहीं, घटना की सूचना मिलते ही बक्सर जिला परिषद के चेयरमैन सरोजा देवी के प्रतिनिधि परमानंद यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। चेयरमैन ने बताया कि उन्होंने स्वयं जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह से बात कर पीड़ित परिवार को सरकारी मुआवजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से यह भी मांग की कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई जाए और आपदा प्रबंधन दल को सक्रिय किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। इस घटना ने प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर कर दिया है। जब एक आम ग्रामीण संकट में होता है, तो मदद पहुंचने में घंटों लग जाते हैं। नतीजा यह होता है कि किसी का बेटा, भाई या पिता असमय काल के गाल में समा जाता है। ग्रामीणों की मांग है कि सरकार इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से ले, बाढ़ग्रस्त इलाकों की नियमित निगरानी करे, साथ ही आपदा प्रबंधन तंत्र को बेहतर बनाए।

डुमरांव में चरितार्थ हुई लालच बुरी बला रिटायर्ड फौजी को खानी पड़ी जेल की हवा...

- सेना में नौकरी दिलाने के लिए रिश्तेदार को बनाया बेटा, उसी ने संपति पर ठोका दावा
- जांच में खुलासा होने के बाद वादी को ही पुलिस ने भेजा जेल, प्रतिवादी फरार

केटी न्यूज/डुमरांव

लालच इंसान को अंधा बना देती है। लालच में लोगों को अच्छे-बुरे व अपने-पराए का ख्याल नहीं रह जाता है। डुमरांव थाने में लालच की एक ऐसी ही कहानी सामने आई है, जिसमें एक रिटायर्ड फौजी को जेल की हवा खानी पड़ी है। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के कुशलपुर गांव निवासी राधा कृष्ण सिंह रिटायर्ड फौजी है। वे अपनी बेटी की शादी सिमरी थाना क्षेत्र के कुशलपुर गांव में किए है। बेटी के देवर रविशंकर यादव उर्फ अमन को फौज में नौकरी लगाने के लिए उन्होंने उसे कागजों में हेराफेरी कर अपना बेटा बना लिया था, ताकी उसे सेना की बहाली में वेटेज मिले, लेकिन संयोग खराब था कि उसे फौज में नौकरी नहीं मिल पाई। हालांकि, रिश्तेदार को नौकरी दिलाने के लालच में रिटायर्ड फौजी ने उसे अपना बेटा बना लिया था। इधर नौकरी नहीं होने पर अब अमन की नजर रिटायर्ड फौजी के संपति पर गड़ गई तथा उसने अपने भाई के ससुर के संपति में अपना दावा ठोक दिया। इससे परेशान राधाकृष्ण ने वर्ष 2022 में उसके खिलाफ डुमरांव थाने में शिकायत दी और बताया कि वह मेरा पुत्र नहीं है, जबकि मेरे संपति में वह हिस्सा मांग रहा है, लेकिन पुलिस ने जब जांच का दायरा बढ़ाया तो सच्चाई परत-दर-परत खुलती चली गई। जिलाधिकारी कार्यालय में मिले दस्तावेजों से यह साफ हो गया था कि राधाकृष्ण ने ही उसे फर्जी तरीके से सेना की नौकरी में एक्स मैन के पुत्र को मिलने वाले आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए अपना पुत्र बना लिया था। इसका खुलासा होने के बाद पुलिस ने इस केस के वादी (शिकायतकर्ता) बने रिटायर्ड फौजी को प्रतिवादी (आरोपित) बना गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि रविशंकर उर्फ अमन फरार हो गया है। डुमरांव के प्रभारी थानाध्यक्ष अमन कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उसे भी जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बहरहाल डुमरांव थाने के पुलिसकर्मियों में पूरे दिन इस घटना की चर्चा होते रही। इस घटना ने लालच बुरी बला कहावत को चरितार्थ कर दिया है।

सिकरौल पुलिस ने हत्या आरोपित को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

केटी न्यूज/नावानगर

एसपी शुभम आर्य के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सोमवार को इटाढी गुमटी बक्सर से एक फरार हत्या आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिकरौल थाना क्षेत्र के मिश्रवलिया गांव निवासी रामएकबाल यादव के रूप में हुई है, जो बीते पांच माह से फरार चल रहा था। बताया जा रहा है कि जमीन विवाद को लेकर पांच माह पूर्व मिश्रवलिया गांव में मुरारी यादव उर्फ मुरली यादव और रामाज्ञा यादव के परिजनों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान मारपीट में 64 वर्षीय रामाज्ञा यादव को गंभीर चोटें आई थीं। घायलावस्था में उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद मृतक की पत्नी ने सिकरौल थाना में आवेदन देकर रामएकबाल यादव, मुरली यादव समेत आठ लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। तभी से रामएकबाल यादव फरार चल रहा था। इस बीच पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य को गुप्त सूचना मिली कि फरार हत्या आरोपित रामएकबाल यादव अपने गांव से बक्सर की तरफ जा रहा है। सूचना मिलते ही एसपी के नेतृत्व में सिकरौल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बक्सर स्थित इटाढी रेलवे फाटक से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में सिकरौल थानाध्यक्ष रिकेश कुमार ने बताया कि हत्या के नामजद आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अन्य आरोपितों की भी तलाश कर रही है।

नो एग्रीमेंट, नो वोट का नारा दे रही डुमरांव की जनता : रवि उज्ज्वल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की राजनीति में बदलाव की नई बयार बहाने की तैयारी कर रहे जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने एक अनोखी पहल की घोषणा की है।

उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि आगामी 17 अगस्त से डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के सभी 35 वार्डों में जनता एग्रीमेंट पद यात्रा निकाली जाएगी, जिसका उद्देश्य जनता से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं जानना और समाधान का ठोस वादा करना है।

यात्रा की शुरूआत पुराना भोजपुर से की जाएगी, और इसके तहत नया भोजपुर, शक्ती द्वारा, डुमरांव बाजार जैसे प्रमुख स्थानों पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान में जदयू के अन्य नेता, समाजसेवी, महिलाएं तथा विभिन्न वर्गों के सामाजिक लोग शामिल होंगे। रवि उज्ज्वल ने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से वे न केवल लोगों की समस्याएं सुनेंगे, बल्कि उन्हें लेकर कानूनी रूप से प्रतिबद्ध भी होंगे।

सबसे अनोखी बात यह है कि रवि उज्ज्वल ने घोषणा की है कि जो भी समस्याएं विधायक के अधिकार क्षेत्र में आती हैं, उनके समाधान के लिए वह जनता के साथ स्टांप पेपर पर एग्रीमेंट करेंगे। इस समझौते में स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि यदि जनता उन्हें विधायक के रूप में चुनती है, तो वे चार साल छह महीने के भीतर उन समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे। यदि वे इसमें विफल रहते हैं तो जनता उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी ऐलान किया कि विफलता की स्थिति में वे जीवन में फिर कभी कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगे, चाहे वह विधानसभा या संसद का चुनाव हो।

रवि उज्ज्वल ने जनता से आह्वान किया है कि इस बार वोट विकास और समस्याओं के समाधान के मुद्दों पर दिया जाए, जिससे डुमरांव जिले का नाम पूरे देश में राजनीतिक बदलाव की मिसाल बन सके। उन्होंने कहा, ह्लअगर जनता एक स्वर में श्नो एग्रीमेंट, नो वोटश का नारा दे दे, तो कोई भी जनप्रतिनिधि जनता की उपेक्षा करने की हिम्मत नहीं कर पाएगा। उन्हें मजबूरन स्टांप पेपर पर वादा करना होगा।ह्व

रवि उज्ज्वल की यह पहल डुमरांव की राजनीति को एक नई दिशा और जवाबदेही की ओर ले जाती दिख रही है, जिससे न केवल स्थानीय लोगों की उम्मीदें जुड़ी हैं, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर एक मिसाल भी बन सकती है।

बनारपुर में बढ़ती बाढ़ से हाहाकार, दलित बस्ती हुआ प्रभावित, अंबेडकर भवन बना शरणस्थल

- गंगा व कर्मनाशा के रौद्र रूप से सहमे है लोग, चौसा मोहनिया पथ के तीन फीट उपर बह रहा है पानी, परिचालन ठप, घिरे सैकड़ो परिवार

केटी न्यूज/बक्सर

गंगा और उसकी सहायक नदी कर्मनाशा का लगातार बढ़ता जलस्तर चौसा प्रखंड के बनारपुर गांव के लिए तबाही का सबब बनता जा रहा है। गांव में बाढ़ की स्थिति दिन-ब-दिन भयावह होती जा रही है। पहले जहां कुछ वार्ड सुरक्षित माने जा रहे थे, अब वहां भी पानी तेजी से फैलता जा रहा है। खासकर गांव के अनुसूचित जाति बस्ती व अतिपिछड़ा इलाका इसकी चपेट में आ गया है, जिससे दर्जनों परिवारों को अपना घर-द्वार छोड़कर सुरक्षित स्थानों की तलाश में पलायन करना पड़ा है। वहीं, चौसा-मोहनिया पथ के तीन फीट उपर बाढ़ का पानी बह रहा है। प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग करा परिचालन ठप करा दिया गया है।

सोमवार को कर्मनाशा नदी का पानी तेजी से बढ़ते हुए बनारपुर के नए हिस्सों तक पहुंच गया। वार्ड संख्या 12 के अनुसूचित जाति बस्ती में पानी घुसने से दर्जनों घर बाढ़ में डूब गए हैं। इससे लोगों का सामान्य जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। बाढ़ के चलते ग्रामीण श्यामबिहारी राम, बबन राम, लाल बिहारी राम, जीतन राम, रामचंद्र राम, भूखन राम, सुखारी राम, जोगिंदर राम, बृज बिहारी राम समेत कई परिवार अब बेघर हो गए हैं।

अंबेडकर भवन बना अस्थायी शरणस्थल

स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मदद से पीड़ितों को अंबेडकर भवन में शरण दी गई है। अब यही भवन बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए एकमात्र सहारा बन चुका है। भवन परिसर में न सिर्फ लोग रह रहे हैं, बल्कि अपने पालतू मवेशियों को भी वहीं बांध रखा है। प्रशासन ने राहत के रूप में कुछ आवश्यक सामग्रियां उपलब्ध कराई हैं, लेकिन पीड़ितों की मांग है कि राहत कार्य में तेजी लाई जाए और खाद्य सामग्री, पीने का पानी, दवाइयां और चिकित्सा सुविधा समय पर दी जाए।

चौसा-मोहनिया पथ पर ठप हुआ परिचालन

कर्मनाशा नदी का पानी अब मुख्य सड़कों तक पहुंच गया है। चौसा-मोहनिया मुख्य मार्ग पर करीब तीन फीट पानी भर जाने से प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से रास्ते पर बैरिकेडिंग कर दी है। इससे चौसा और मोहनिया के बीच आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। दोनों ओर बेरिकेड्स लगाए गए हैं ताकि कोई वाहन या व्यक्ति गलती से इस क्षेत्र में प्रवेश न कर जाए। एहतियात के तौर पर वहां पुलिस टीम को तैनात किया गया है।

सीओ ने किया दौरा, राहत का भरोसा दिलाया

चौसा के अंचलाधिकारी उद्धव मिश्र ने सोमवार को प्रभावित इलाकों का दौरा किया और हालात की समीक्षा की। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। साथ ही बताया कि प्रशासन की ओर से राहत सामग्री पहुंचाने का काम जारी है।

प्रशासन व जन प्रतिनिधियों के खिलाफ बढ़ रहा है आक्रोश

बनारपुर गांव इस वक्त बाढ़ की भीषण मार झेल रहा है। दलित और गरीब परिवार सबसे अधिक प्रभावित हैं। प्रशासन की कोशिशें जारी हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि राहत अब भी नाकाफी है। वहीं, जलस्तर के लगातार बढ़ने से लोगों की चिंता भी बढ़ गई है। ऐसे में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति लोगों में आक्रोश बढ़ते जा रहा है।

एक नजर

ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता की अनदेखी, बीडीओ को सूचना के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के कतिकनार गांव में निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन में अनियमितता और लापरवाही के आरोप तेज हो गए हैं। भवन निर्माण कार्य में घटिया सामग्री और मानकों की अनदेखी को लेकर भाजपा नेताओं ने विरोध जताते हुए प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की है।बीजेपी के प्रखंड मंडल अध्यक्ष सह बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष चंद्रकांत तिवारी ने बताया कि भवन निर्माण में बीम ढलाई, ईंट की गुणवत्ता सहित कई तकनीकी स्तरों पर गंभीर खामियां देखने को मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में बीडीओ लवकुश सिंह को मोबाइल के माध्यम से वीडियो भेजकर शिकायत दी गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। श्री तिवारी ने सवाल उठाया कि जब निर्माण के दौरान ही गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है तो भवन भविष्य में कैसे टिक पाएगा। उन्होंने कहा कि यह भवन सरकार की करोड़ों रुपये की योजना के तहत बन रहा है, लेकिन निर्माण में ठेकेदार द्वारा मापदंडों की खुलकर अवहेलना की जा रही है। भाजपा महामंत्री अभय सिंह, ग्रामीण रजनीश कुमार समेत दर्जनों ग्रामीणों ने भी निर्माण कार्य पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रशासन को मामले में हस्तक्षेप कर गुणवत्ता जांच करानी चाहिए और मापदंडों के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों का आरोप है कि अगर निर्माण कार्य की समय रहते जांच नहीं हुई, तो यह भवन कुछ वर्षों में जर्जर हो सकता है, जिससे सरकारी राशि का दुरुपयोग होगा। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जिला प्रशासन जल्द से जल्द तकनीकी टीम भेजकर निर्माण कार्य की जांच कराए, ताकि पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

गंगा ने बदल दिया दियारे का भूगोल, कोईलवर तटबंध तक पहुंचा बाढ़ का पानी, घिरे कई गांव

- बाढ़ से घिर टापू बन गया है रामदास राय का डेरा गांव, बेनीलाल के डेरा, लाल सिंह के डेरा, धरातल पर नहीं दिख रहा है प्रशासन का दावा
- जल स्तर लगातार बढ़ने से बढ़ी तटवर्तीय इलाके के लोगों की चिंता

केटी न्यूज/डुमरांव

गंगा के लगातार बढ़ते जल स्तर से अनुमंडल के दियारा क्षेत्र का भूगोल बदल गया है। बाढ़ का पानी अब कोईलवर तटबंध तक नजर आ रहा है। सोमवार को आलम यह था कि गंगौली गांव के समीप कोईलवर तटबंध से जहां तक नजर जा रही थी, सिर्फ पानी ही पानी दिखाई पड़ रहा था। बीच-बीच में पानी में डूबी मक्का की फसल या चारों तरफ से पानी में घिरे मंदिर या कुछ झोपड़ियां ही दिखाई पड़ रही थी।

कोईलवर तटबंध से करीब एक किलोमीटर अंदर स्थित रामदास राय का डेरा गांव पूरी तरह से टापू में तब्दील हो गया है। हालांकि, उंचाई पर होने के कारण गांव के घरों में अभी तक पानी नहीं गया है, लेकिन गांव पूरी तरह से घिर चुका है।

श्रीकांत के डेर के बगल में स्थित बेनीलाल के डेरा गांव भी बाढ़ के पानी से घिरने लगा है। सोमवार को इस गांव के पैक्स गोदाम सहित अनुसूचित जाति बस्ती के दर्जन भर गांव बाढ़ के पानी से घिर चुके है।

-- बेनीलाल के डेरा गांव में तेजी से फैल रहा है बाढ़ का पानी

सोमवार को राजापुर पंचायत के बेनीलाल के डेरा गांव में बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा था। खासकर अनुसूचित जाति बस्ती के दर्जनों घर घिर चुके है।

इस गांव के लोगों की चिंता का सबसे बड़ा कारण है कि उनके गांव के मुख्य पथ में भी कटाव शुरू हो गया है। कोईलवर तटबंध से गांव में प्रवेश करने वाले मुख्य पथ में कटाव शुरू होने से ग्रामीणों का आशंका सताने लगी है कि उनके गांव का संपर्क टूट सकता है।

वहीं, गांव में स्थित पैक्स गोदाम के अलावे बृज राम, महेन्द्र राम, हरेन्द्र राम, रामाकांत राम, चंदन, अशोक, करिया राम, अतीरजिया देवी, ज्योतिष राम समेत दर्जन भर लोगों के घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है। लोग कोईलवर तटबंध के पास सुरक्षित ठिकाना बनाने लगे है। जहां, बाढ़ के दौरान वे खुद तथा अपने पालतू मवेशियों को भी रखेंगे। वहीं, लाल सिंह के डेरा, तवक्कल राय के डेरा, टेकमन के डेरा, नैनीजोर के तटीय इलाके तथा ढाबी जैसे गांवों में हालात तेजी से खराब हो रहे है।

तटबंध की सुरक्षा में तैनात किए गए है जवान

दूसरी तरफ कोईलवर तटबंध की सुरक्षा में पुलिस लाइन से अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है, जो कोईलवर तटबंध पर मुश्तैदी से अपनी ड्यूटि निभा रहे है। गंगौली के पास प्रतिनियुक्त जवान पूरे दिन लोगों खासकर बच्चों को तटबंध से नीचे उतरने से रोकते रहे। वहीं, नये नियम के मुताबिक नाव पर बाइक तथा अन्य भारी सामानों को ले जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिसकी निगरानी वहां तैनात जवान पूरी निष्ठा से करते देखे गए।

चुनौतीपूर्ण स्थिति में जान की बाजी लगा डटे है पुलिसकर्मी

दियारा क्षेत्र के महत्वपूर्ण थाना में शामिल रामदास राय के डेरा थाने के पुलिसकर्मी इस मुश्किल स्थिति में भी अपनी जान की बाजी लगा ड्यूटि बजा रहे है। आलम यह है कि क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेवारी संभालने वाले पुलिसकर्मी खुद मुश्किल से गुजारा कर रहे है। प्रशासन द्वारा उनके आवागमन या गश्त के लिए एक नाव मुहैया कराया गया है। बावजूद लगतार बढ़ते जल स्तर के बीच उनकी चुनौतियां बढ़ते जा रही है। रामदास राय के थानाध्यक्ष संजीत शर्मा का कहना है कि सभी पुलिसकर्मी मुश्तैदी से अपनी ड्यूटि कर रहे है। हालांकि, उन्होंने भी माना कि यह कठिन चुनौती है। खासकर रात के अंधेरे में विधि व्यवस्था का संधारण काफी मुश्किल बन गया है। बता दें कि जल स्तर बढ़ने के साथ ही इन इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है। जिस कारण शाम ढलते ही दियारा इलाका घुप अंधेरे में डूब जा रहा है।

बारिश ने शहर की सफाई व्यवस्था की खोली पोल, डूबा सड़क और गली

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर की सफाई व्यवस्था की पोल बारिश ने खोल कर रख दिया है। शहर का कोई ऐसी गली और सड़क नहीं है, जहां जलजमाव से लोगों की परेशानी नहीं हो रही है। नगर का मुख्य सड़क स्टेशन रोड पूरी तरह से गड्ढों में तब्दिल हो चूकी है। रोड में उभरे गड्ढे में पानी जमा हो जाने से उसकी गहराई का पता नहीं चलता और छोटे वाहन उसमें आकर पलट और फंस जा रहे हैं, जिससे जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस समस्या को सही नहीं कर उसे छोड़ दिया गया है।

उसी तरह से चाणक्यापुरी कॉलोनी, बाईपास रोड कॉलोनी, टैक्सटाइल्स कॉलोनी, पुराना थाना रोड, सफाखाना रोड, गोला रोड, लाला टोली रोड, चारमोटिया इनार रोड पूरी तरह से जर्जर होकर गड्ढों में तब्दिल हो चुकी है। तीन दिनों से लगातार जहां बारिश होने से किसानों के चेहरे पर खुशी है, वहीं प्रभावित नगरवासियों के चेहर मुर्झाए हुए हैं। पुराना थाना रोड में नाली जाम हैं, जो नाली से तीन महीना पहले कचरा निकाला गया है, उसे उठाया नहीं गया है, लिहाजा सारा कचरा बहकर नाली में समा गया है, जिससे नाली जाम हो गया है। इसी तरह से अन्य मोहल्लों की स्थिति भी बनी हुई है। रोड पर जमा पानी से उसको ज्यादा परेशानी है, जिसका रोड से नीचे दरवाजा है। जमा पानी बहकर उनके घरों में प्रवेश कर रहा है, जिससे उन्हें रात जागकर बितनी पड़ रही है। सफाखाना रोड जो कई पंचायतों को जोड़े हुए हैं, लोग बाजार करने के लिये आते हैं और शहर में आते ही फंस जाते हैं। ग्रामीण जब जलजमाव की समस्या को देखते हैं तो कहते हैं कि यह नाम का शहर है, गांव से भी खराब स्थिति है। स्टेशन रोड पूरी तरह से गड्ढों में तब्दिल हो चुका है, सबसे भयावह स्थिति राज हाईस्कूल के मुख्य गेट पर की है। इस स्थान पर नाली का पानी रोड पर ही गिरता है। नाली का नामोनिशान नहीं है, जिससे पानी को निकाला जा सके। नप केवल समस्या को देखता रह जाता है, फिर शहर के नौजवान खड़े होकर पानी के निकास के लिये उपाय करते नजर आते हैं।

डिजिटल क्राफ्ट सर्वे से किसानों को योजनाओं का मिलेगा लाभ

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले के किसानों को फसलों बुआयी, रोपनी और फसल बबार्दी को लेकर योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जाता है। केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ देने के लिये किसानों को डिजिटल क्राप सर्वे कराना जरूरी होता है। रबी फसल का पहले हो चुका है, अब खरीफ का करना है। इसके लिये एटीएम, बीटीएम, किसान सलाहकार, किसान समन्वयकों को खरीफ फसलों के डीजिटल क्राप सर्वे कराने का आदेश दे दिया गया है।

विदित हो कि रबी फसल के लिये जिस किसान का डीजिटल क्राप सर्वे हुआ था, उनको केन्द्र सरकार की योजनाओं का भरपूर लाभ मिला था। उसी तरह से खरीफ फसल का लाभ देने के लिये डीजिटल क्राप सर्वे कराना जरूरी है। सर्वे करने के बाद किसानों को लाभ पहुंचाने के लिये योजनाएं बनती है, जिसका लाभ उन्हें दिया जाता हैक। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी विभागीय कर्मी फिल्ड में जाकर किसानों का डीजिटल सर्वे कराने के लिये किसानों को उत्प्रेरित कर रहे हैं। छोटे किसान हो या संभ्रांत सभी को इसका फायदा मिलता है। वैसे किसान जिनके पास कम जमीन है और खेती करने में असमर्थ हैं, उन्हें इसका लाभ देते हुए खेती करने के लिये उत्प्रेरित किया जाता है। डीजिटल क्राप्ट सर्वे करने के बाद उसी के अनुसार योजनाओं को तैयार किया जाता है। इसकी जानकारी देते हुए किसान समन्वयक राजीव कुमार ने बताया की हर फसल के एक-एक प्लाट का सर्वे होगा, तभी किसानों को लाभ पहुंच पाएगा। कृषि विभाग की तरफ से योजनाओं का लाभ मिलने से किसान काफी उत्साहित रहते हैं और खेती के प्रति उकना रूझान भी बढ़ता है। मालूम हो कि प्रखंड में 26 हजार किसान हैं। इस वर्ष 12 हजार 500 एकड़ में धान की खेती का लख्य निर्धारित किया गया है। उसी के अनुसार योजनाओं का लाभ किसानों दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री बिजली योजना तहत 1433 उपभोक्ताओं का बिल आया जीरो, लोगों में हर्ष

केटी न्यूज/रोहतास

मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना तहत प्रति माह 125 यूनिट तक पूर्ण अनुदान पर बिजली उपलब्ध कराने की योजना का लाभ दिखने लगा है । प्राप्त सूचना के अनुसार विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गांवों एवं शहरों में उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली पूर्ण अनुदान पर मिलने के कारण जिन उपभोक्ताओं के घरेलू परिसर का ऊर्जा खपत 125 यूनिट तक है,जिसको जीरो रुपए का बिजली बिल निर्गत किया जा रहा है । उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली योजना की पूर्ण जानकारी मुहैया

कराने के मद्देनजर मीटर रीडर एवं बिजली कर्मियों के द्वारा विपत्र निर्गत करने के कार्य के दौरान बिजली बिल के साथ मुख्यमंत्री बिहार सरकार का संदेश एवं 125 यूनिट बिजली मुफ्त मिलने से संबंधित हैंड बिल का भी वितरण किया जा रहा है । विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम अंतर्गत रविवार तक कुल 1433 उपभोक्ताओं का विद्युत विपत्र शून्य रुपये का प्राप्त हुआ ।जिसमे बिक्रमगंज से 440,कोचस से 337 व सासाराम (ग्रामीण) से 656 शामिल है । उपभोक्ताओं को मिल रहे इस लाभ को लेकर उपभोक्ताओं में हर्ष व्याप्त है । कई उपभोक्ताओं ने इसे मध्यम एवं निम्न वर्गीय परिवारों के लिए राज्य सरकार का अति महत्वपूर्ण सौगात बताया है । इस संबंध में जानकारी देते हुए विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम ने बताया कि राज्य सरकार के अति महत्वाकांक्षी योजना के तहत सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक की बिजली पूर्णतः निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है । यह लाभ सभी घरेलू स्मार्ट मीटर उपभोक्ता एवं पोस्टपेड मीटर उपभोक्ता को समान रूप से मिलेगा ।इसके लिए किसी भी उपभोक्ता को किसी प्रकार के निबंधन या आवेदन देने की आवश्यकता नहीं है । उक्त लाभ माह जुलाई के बिजली खपत के आधार पर माह अगस्त में निर्गत होने वाले बिजली बिल में स्पष्ट रूप से दिखेगा ।

एक नजर

स्वतंत्रता दिवस 2025 समारोह की तैयारी को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित

आरा। आज जिलाधिकारी भोजपुर श्री तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस समारोह 2025 की तैयारियों को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने समारोह की सुव्यवस्थित रूप से आयोजन सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। इसमें विशेष रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराने की तैयारी एवं समय निर्धारण, विधि व्यवस्था संधारण,अतिथियों के बैठने की समुचित व्यवस्था,वीर कुंवर सिंह मैदान की घेराबंदी, कार्यक्रम स्थल पर एम्बुलेंस एवं मेडिकल टीम की उपलब्धता, अग्निशामक वाहन की व्यवस्था, मैदान एवं सड़कों की सफाई, झांकी प्रदर्शन, यातायात प्रबंधन तथा पार्किंग की सुव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य,गरिमामय एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। इस बैठक में उप विकास आयुक्त,अपर समाहर्ता,जिला भू अर्जन पदाधिकारी,नगर आयुक्त, नगर निगम,सिविल सर्जन, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी (आरा सदर) सहित अन्य वरीय जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आरा-सासाराम मुख्य पथ पर बैरी मठिया के समीप हुई घटना

दुर्घटना : कार और बाइक की जोरदार टक्कर में दो युवकों की मौत, परिवार में पसरा मातम

केटी न्यूज/रोहतास

संझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत बैरी मठिया के समीप सोमवार को एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दरअसल इस घटना में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई,जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में 19 वर्षीय गोपाल कुमार बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के मतुली गांव निवासी पप्पू कहार का पुत्र बताया जाता है,जबकि दूसरे की पहचान उसी गांव के विमलेश कुमार के पुत्र 20 वर्षीय पवन कुमार के रूप में हुई है। हादसे के संदर्भ में बताया जाता है कि आरा-सासाराम मुख्य पथ पर बैरी मठिया के समीप सासाराम से बिक्रमगंज की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रहे एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दोनों के बीच टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि घायल युवक को आनन-फानन की स्थिति में स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक उपचार के बाद सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया,लेकिन सासाराम में इलाज के दौरान घायल युवक ने भी दम तोड़ दिया। सूत्रों के अनुसार घटना के बाद जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। इधर सड़क हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई और कुछ देर के लिए आरा-सासाराम मुख्य पथ जाम हो गया। घटना के तुरंत बाद सूचना पर पहुंची संझौली थाने की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए सदर अस्पताल सासाराम पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद यातायात सामान्य रूप से बहाल हो गया। वहीं पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष शिव कुमार मंडल ने दी।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। मौके पर काफी संख्या में लोग जमा हो गए और उन्होंने सड़क पर आवागमन को कुछ देर के लिए बाधित भी कर दिया। संझौली पुलिस को सूचना मिलने के बाद वे त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है। इस हादसे के बाद मतुली गांव में मातम का माहौल है। गांव के दो होनहार युवकों की असमय मौत से पूरा गांव स्तब्ध है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में शोक की लहर है और लोगों की भीड़ मृतकों के घरों पर जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि कार की पहचान की जा रही है और चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और गैर इरादतन हत्या के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। स्थानीय प्रशासन ने शोकाकुल परिवार को आपदा राहत कोष के तहत मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है।

माननीय मंत्री ने जन संवाद कर सैकड़ों सड़क का किया शिलान्यास

केटी न्यूज/रोहतास

राजपुर प्रखंड के महिला कॉलेज में नोखा विधानसभा स्तरीय जन संवाद का कार्यक्रम जनता के बीच किया गया जिसकी अध्यक्षतापूर्व जदयू जिला अध्यक्ष सह पूर्व एनडीए प्रत्याशी नागेंद्र चंद्रवंशी एवं जदयू जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा द्वारा संचालन में कार्यक्रम किया गया जिला अध्यक्ष द्वारा बतायाकी 2005 के पहले की सरकार और अब की सरकार में कितनी भिन्नता है इसके बारे में उन्होंने बताया इस जन संवाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री अशोक चौधरी जी द्वारा अपने भाषण में बताएं कि 2005 के पहले हमारी बिटिया 5 या 6 क्लास जाते ही पढ़ाई छोड़ देती थी लेकिन हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा अनेक योजनाओं चलाकर इस स्थिति को उन्होंने बदलाऔर इन्होंने पहले की सरकार और अब की सरकार में बिजली पर बातचीत करते हुए बताया कि पहले 24 घंटा में सिर्फ दो घंटा मुश्किल से बिजली मिलती थी लेकिन अब की क्या स्थिति है आप लोग से छुपी नहीं है हमारे मुख्यमंत्री जी द्वारा गरीबों को भलाई के लिए 125 यूनिट पूरे बिहार में मुफ्त बिजली देने का कार्य की हमारे मुख्यमंत्री जी द्वारा नई-नई योजनाओं को लाने का काम किया जैसे की नल जलयोजना शौचालय योजना स्कूल ड्रेस योजना साइकिल

वितरण योजना स्कॉलरशिप योजना और अनेक तरह के योजना एनडीए सरकार में हमारे मुख्यमंत्री लाने में सफल रहे मंत्री जी द्वारा अपने भाषण में बोले कि कुछ नए नेता बिहार में आ गए हैं उनको माननीय मुख्यमंत्री जी का विकास की रफ्तार दिखाई नहीं दे रही है कि पहले की सरकार में क्या स्थिति थी और अब की सरकार में क्या स्थिति है पहले की सरकार में चोरी ,डकैती ,अपहरण ,मर्डर चरण सीमा पार कर गई थी लेकिन एनडीए की सरकार आते ही वही जनता वही प्रशासन ने आकर बिहार की स्थिति को बदला और उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की प्रशंसा करते हुए बोले कि हमारी डबल इंजन की सरकार में जब भी प्रधानमंत्री जी का दौरा बिहार में होता है तो उनके द्वारा बिहार को जब भी आते हैं तो बिहार के विकास के लिए उनको चिंता रहती है देश की विकास तभी संभव है जब बिहार का विकास होगा और अपने भाषण में उन्होंने बताया कि नोखा विधानसभा के सैकड़ो गांव में नए एवं पुराने रोड का इनके द्वारा शिलान्यास करने का कार्य माननीय मंत्री जी द्वारा किया गया इस सभा को पूर्व प्रत्याशी नागेंद्र चंद्रवंशी जी द्वारा सभा को समापन कर सभा को अपने भाषण में नोखा विधानसभा के सभी प्रखंडों से आए हुए सभी एनडीए पदाधिकारी को एवं जनता एवं बहनो को बधाई एवं शुभकामनाएं दी कि आप लोगों की इतनी जनसंख्या काफी है कि मैं अंगीभूत हूं इस सभा में बिहार प्रदेश के नागरिक परिषद महासचिव श्री छोटू सिंह जी बिहार नागरिक परिषद के सदस्य श्री अमरेश चौधरी जी प्रदेश महासचिव ओम प्रकाश सेतु जीश्रीमती सरिता जी जो हमारे रोहतास का जिला अभिभावक नंद कुमार सिंह जी जदयू प्रखंड अध्यक्ष नवनीत राय ,बड़न सिंह ,सुनील चौधरी ,अनिल चौधरी ,एवं भाजपा के मंडल अध्यक्ष पप्पू राय पूर्व मंडल अध्यक्ष कुंदन सिंह निर्वतमान मंडल अध्यक्ष दीपक गुप्ता को मंत्री जी द्वारा बधाई दी।

बड़हरा विधायक ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए दिशा-निदेश

केटी न्यूज/आरा

गंगा नदी जलस्तर बढ़ने से बड़हरा विधानसभा के विभिन्न गाँव जलमग्न हो गया है। बहुत से गाँवो का जनसंपर्क टुट गया है और ग्रामीण जनता को परेशानी हो रहा है। सोमवार को बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के बखोरापुर, नेकनामटोला, बड़हरा से बबुरा तक बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण बाढ़ नियंत्रण पदाधिकारियों के साथ किया। बाढ़ निरीक्षण उपरांत बड़हरा विधायक ने बड़हरा प्रखंड कार्यालय मे प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी दिप्ती कुमारी, अंचलाधिकारी,बाढ़ नियंत्रण कार्यपालक अभियंता,सड़क कार्यपालक अभियंता, सड़क सहायक अभियंता, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं विभिन्न पंचायतों के मुखिया और बीस सूत्री अध्यक्ष के साथ बैठक कर बाढ़ की स्थिति, तैयारी, समस्या और समाधान को ले कर बैठक किए। बड़हरा विधायक द्वारा संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया। अंचलाधिकारी को पाँलीथीन

की संख्या बढाने,नाव की उपलब्धता,सामुदायिक किचेन की व्यवस्था सहित अन्य निर्देश दिया गया। विभिन्न पंचायतों के मुखिया द्वारा बाढ को ले कर सभी सामग्री प्रचुर मात्रा मे उपलब्ध, बाढ प्रभावितों की सूची तैयार करने एवं अन्य सुविधा की बात विधायक से किया गया। बड़हरा विधायक ने कहा कि भोजपुर जिलाधिकारी से बात कर पाँलीथीन बढाने सहित अन्य सामग्री यथाशीघ्र उपलब्ध कराने को कहा है।एसडीआरएफ टीम,मेडिकल शिविर का भी निर्देश दे दिया गया है। सड़क की मजबुती के लिए सड़क विभाग और बाढ़ का लगातार निरीक्षण करने के लिए बाढ नियंत्रण को बोल दिया है। क्षेत्र की कोई भी समस्या हो उसका तुरंत निदान होगा। बाढ प्रभावित गाँवो मे कोई भी असुविधा न हो,इसकी व्यवस्था कर दी गई है। मै खुद लगातार क्षेत्र मे आए हुए बाढ और उत्पन्न हुई समस्या पर ध्यान रख रहा हूँ। मै प्रखंड से जिला और राज्यस्तर पर लगातार संपर्क मे हूँ।

सावन महोत्सव के पावन अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज । सोमवार को डीएवी स्कूल सेमरा बिक्रमगंज के प्रांगण में सावन महोत्सव के पावन अवसर पर मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई । इसे चार वर्गों में बाटकर यह प्रतियोगिता कराई गई ।क्रमशः प्रथम भाग में कक्षा प्रथम से

चतुर्थ वर्गों में प्रथम पुरस्कार सोनल,द्वितीय पुरस्कार माहिरा तथा तृतीय पुरस्कार दीप्ति कुमारी को मिला । द्वितीय भाग में कक्षा पांचवीं से छठवीं वर्ग में पहला पुरस्कार शांभवी,द्वितीय पुरस्कार रिया कुमारी तथा तृतीय पुरस्कार आद्रिका कुमारी को मिला। तृतीय भाग में कक्षा सप्तम से आठवीं वर्ग में प्रथम पुरस्कार साक्षी,द्वितीय पुरस्कार प्रियांशु तथा तृतीय पुरस्कार सोनाक्षी कुमारी को मिला। चतुर्थ भाग में कक्षा नौवीं से दसवीं में पहला पुरस्कार आस्था नंदिनी,द्वितीय पुरस्कार प्रज्ञा तथा तृतीय पुरस्कार दिव्या को मिला। उक्त विद्यालय की प्राचार्या प्रमिला सिंह के दिशा-निर्देशन में प्रतियोगिता संपन्न हुई । विद्यालय की शिक्षिका कुसुम तिवारी,संध्या तिवारी,नेहा कुमारी ने इस आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। विद्यालय की प्राचार्य ने बच्चों के कलात्मक क्रिया को देखकर उसे सराहा और आगे भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामना दी और उनका उत्साह बढ़ाया।

तेज रफ्तार थार चालक ने चार को रौंदा,एक महिला की मौके पर मौत

- जानलेवा घटना में तीन नामजद सहित चार अज्ञात लोगों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट (रोहतास) काराकाट थाना क्षेत्र के जमुआ पेट्रोल पंप पर रविवार को देर शाम एक अनियंत्रित थार गाड़ी ने चार लोगों को कुचल दिया। मृत महिला जमुआ गांव निवासी 47 वर्षीय इंदु देवी पति हृदयानंद पंडित बताई जाती है। घायलों में ढाई वर्षीय बच्चा सैफ, 30 वर्षीय सलामुदिन अंसारी जिसके सिर में गंभीर चोट है। जबकि 32 वर्षीय सलीम अंसारी जिसका दाहिना पैर फ्रैक्चर हो गया है। घायलों का इलाज बिक्रमगंज के निजी अस्पताल में चल रहा हैं । सूत्रों के अनुसार हादसे के बाद थार का चालक मौके से फरार हो गया,जबकि वाहन के मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसी दौरान जब वाहन मालिक का रिश्तेदार घटनास्थल पर पहुंचा,तो वहां मौजूद दो लोग जिनका घटना के पीड़ितों से कोई

संबंध नहीं था,उसने उसपर हमला कर दिया।

इस हमले में उक्त युवक के सिर पर गंभीर चोट आई। घायल युवक की पहचान औरंगाबाद जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र के अन्नछा गांव निवासी विजेंद्र कुमार सिंह के पुत्र अमन कुमार के रूप में हुई है ।उसने इस संबंध में काराकाट थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है,जिसमें तीन नामजद और चार अज्ञात लोगों पर मारपीट और जानलेवा हमले जैसी संगीन धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने लिखित आवेदन के आधार पर भारतीय न्याय संहिता बीएनएस तहत हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया हैं। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जमुआ निवासी विश्वनाथ सिंह के पुत्र रिंटू सिंह और जमुआ टोला निवासी स्व.मनोज पांडेय के पुत्र अंशु कुमार पांडेय को पूछताछ के उपरांत गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और फरार थार चालक की तलाश जारी है।

महाश्रद्धा का प्रतीक बनी महाजलाभिषेक जलयात्रा

सैकड़ों कांवरियों का जत्था बक्सर के लिए रवाना

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट । काराकाट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकरिया बंगला महादेव धाम के बैनर तले आयोजित महाजलाभिषेक जलयात्रा के लिए रविवार को श्रद्धा और उत्साह से परिपूर्ण वातावरण में सैकड़ों कांवरियों का जत्था बक्सर के लिए रवाना हुआ । इस जलयात्रा का उद्घाटन ग्राम पंचायत काराकाट के मुखिया सह मुखिया संघ रोहतास जिलाध्यक्ष सह काराकाट विधानसभा के भावी प्रत्याशी योगेंद्र सिंह,जयश्री मुखिया प्रतिनिधि रितेश सिंह,अमौना मुखिया प्रतिनिधि चिंटू सिंह और काराकाट जिला पार्षद डॉ रितेश सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया । उद्घाटन के बाद भावी प्रत्याशी योगेंद्र सिंह ने कांवरियों के जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । मौके पर स्थानीय मुखिया समेत कई जनप्रतिनिधि तथा सैकड़ों शिवभक्त मौजूद रहे । प्रधान कांवरियां सेवा दल के अनुसार इस महाजलाभिषेक जलयात्रा में करीब छह बसों से सवार होकर शिवभक्त मां गंगा का पवित्र जल लेने बक्सर पहुंचे । सावन माह के अंतिम सोमवारी के पावन अवसर पर ये सभी कांवरियां अहले सुबह बक्सर से जल लेकर सिकरिया बंगला महादेव धाम पर बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे । जत्थे के प्रस्थान के दौरान कांवरियों के चेहरों पर उत्साह चरम पर था और "हर-हर महादेव" के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा । श्रद्धा,उमंग और भक्ति की यह अद्भुत तस्वीर प्रखंड क्षेत्र में लंबे समय तक स्मरणीय रहेगी ।

गंगा के जलस्तर से प्रभावित भोजपुर के जवइनिया गांव में नहीं पहुंच सके मंत्री, छलका में पानी देख लौटे वापस

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर और कटाव की मार झेल रहे ज्वइनिया गांव की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री सह भोजपुर प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता बीच रास्ते से ही लौट गए। सोमवार को उन्होंने बहोरनपुर स्थित गौरा बाजार तक का दौरा किया, लेकिन गौरा गांव के छलका में घुटने तक पानी देख आगे बढ़ने की बजाय लौटने का फैसला लिया। मंत्री के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद, तरारी विधायक विशाल प्रशांत, पूर्व विधायक संजय सिंह टाइगर, तथा जिला प्रशासन से डीएम तनय सुल्तानिया, एसपी राज सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और भाजपा के पदाधिकारी मौजूद थे। ज्वइनिया गांव में रहने वाले सैकड़ों लोग प्रभारी मंत्री से मिलने के लिए इंतजार कर रहे थे। गांववासियों को उम्मीद थी कि मंत्री खुद हालात देखेंगे और राहत एवं बचाव कार्यों की दिशा में कोई ठोस कदम उठाएंगे। लेकिन छलका में जलभराव देखकर मंत्री ने हंसते हुए भाजपा नेता भुअर ओझा को निगरानी की जिम्मेदारी देकर स्वयं लौटने का निर्णय ले लिया। मौके पर मौजूद भाजपा की पूर्व विधायक मुन्नी देवी के पति ने मंत्री से आग्रह किया कि वे किसी तरह गांव तक पहुंचें, लेकिन मंत्री ने यह कहते हुए मना कर दिया कि "नेता आप ही है,विधायक आप ही है हमारे,आपको देखना है। जहां एक ओर मंत्री पानी देखकर लौट गए, वहीं ज्वइनिया गांव के ग्रामीण किसी तरह छलका में घुटनों तक भरे पानी को पार कर गांव पहुंच रहे हैं। गौरतलब है कि गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण ज्वइनिया समेत आस-पास के कई गांवों में भूमि कटाव तेज हो गया है। खेत, घर और रास्ते गंगा में समा रहे हैं। प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस राहत योजना नहीं पहुंच सकी है, जिससे लोगों में गहरी नाराजगी है। प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि ज्वइनिया गांव में कटाव एवं बाढ़ पीड़ित को देखने के लिए हमारी टीम आई है । 20 जुलाई को जिला अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद के द्वारा सूचना दी गई थी। इसके बाद जिला प्रशासन को निर्देश दिया था कि बाढ़ पीड़ितों को राहत एवं बचाव कर पहुंचाई जाए। जिला प्रशासन में भी अपना काम अच्छा से किया है। बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कहते हैं कि बिहार के खजाने पर बाढ़/आपदा से पीड़ितों का पहला हक है।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस.सिद्धार्थ ने सभी जिलाधिकारियों को दिया जिम्मा

बिहार के 29 विद्यालयों में एक भी शिक्षक नहीं, 14213 स्कूलों में काम से ज्यादा हैं टीचर

एजेंसी/पटना

1111बिहार में बड़े पैमाने पर शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया है. इस वजह से कई ऐसे सरकारी विद्यालय हैं, जो शिक्षक विहीन हो गए हैं. वहां से सभी शिक्षकों ने अपना स्थानांतरण करा लिया. शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस.सिद्धार्थ की समीक्षा में पाया गा है कि 29 विद्यालय में एक भी शिक्षक कार्यरत्त नहीं हैं. 354 ऐसे विद्यालय हैं जहां मात्र एक शिक्षक हैं. शिक्षा विभाग ने जिलाधिकारियों से कहा है कि इन स्कूलों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति करें. शिक्षकों के स्थानांतरण से कई विद्यालय खाली हो गए हैं. बिना शिक्षक के स्कूल हो गए हैं. शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने समीक्षा में पाया है कि विशेष परिस्थिति के कारण हुए स्थानांतरण पदस्थापन की कार्रवाई से कुछ विद्यालय शिक्षक विहीन या एक-दो शिक्षक रह गए हैं. जबकि कुछ विद्यालयों में छात्र शिक्षा के अनुपात 40 से अधिक है. अपर मुख्य सचिव ने सभी जिला पदाधिकारी को लिखे पत्र में कहा है कि प्राथमिक विद्यालयों में कम से कम तीन शिक्षक की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी है. साथ ही मध्य विद्यालय एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विषय वार शिक्षकों को रखना है .ऐसे में आप अपने स्तर से इसकी समीक्षा करें एवं तत्काल अस्थाई प्रतिनियुक्ति के माध्यम से शिक्षक विहीन विद्यालय या जहां शिक्षक कम हैं उसमें शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें ।

14 हजार से अधिक विद्यालय में काम से ज्यादा शिक्षक

बता दें, जमुई में ऐसे चार स्कूल हैं जहां एक भी शिक्षक नहीं है. गोपालगंज में दो, गया में एक, बक्सर में एक, भोजपुर एक, बांका में तीन, औरंगाबाद में एक, मुंगेर में चार, मधुबनी में एक, नालंदा में एक, पश्चिम चंपारण में चार, पटना में एक, पूर्वी चंपारण में एक ,रोहतास में एक, शिवहर में एक और सीतामढ़ी में दो स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी शिक्षक नहीं है. इस तरह से बिहार के 29 ऐसे स्कूल हैं जो शिक्षकविहीन हो गए हैं. इसके साथ ही 354 विद्यालयों में मात्र एक-एक शिक्षक हैं. 2977 विद्यालयों में 2-2 शिक्षक हैं,जबकि 14213 विद्यालय ऐसे हैं जहां शिक्षक-छात्र अनुपात से अधिक शिक्षक पदस्थापित हैं. शिक्षा विभाग ने प्राथमिक विद्यालयों में कम से कम तीन शिक्षकों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। वहीं, मध्य एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की नियुक्ति के लिए भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारियों को भेजे गए पत्र में अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि वे अपने स्तर से इसकी समीक्षा करें और जिन स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं या जहां शिक्षकों की संख्या आवश्यकता से कम है, वहां अस्थाई प्रतिनियुक्ति के माध्यम से शिक्षकों की तैनाती सुनिश्चित करें।

शिबू सोरेन के निधन पर सीएम नीतीश कुमार ने जताया दुख

एजेंसी/पटना

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है. मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि शिबू सोरेन एक प्रख्यात राजनेता थे. वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे थे. झारखंड की राजनीति में उनका अहम योगदान रहा है. नीतीश कुमार ने कहा कि उनके निधन से न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है. मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर-शान्ति तथा उनके परिजनों एवं प्रशंसकों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

वैशाली के जंदाहा में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

पुलिस ने 5 अपराधियों को किया गिरफ्तार

- बिहार में बैठकर अमेरिकी नागरिकों से कर रहा था ठगी

एजेंसी/पटना

बिहार के वैशाली जिले में एक बड़े साइबर फ्रॉड सिंडिकेट का खुलासा हुआ है, जो सीधे अमेरिका के नागरिकों को निशाना बनाता था. यह गिरोह वैशाली के जंदाहा इलाके में चल रहा था और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है. सभी आरोपी पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं.गिरोह का मुख्य सरगना बिरजू सिंह फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से बाहर है. पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा, लेकिन वह पहले ही फरार हो चुका था. एसपी ललित मोहन शर्मा ने बताया कि बिरजू सिंह की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम लगातार छापेमारी कर रही है. उसके पकड़े जाने के बाद गिरोह की अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों की और जानकारी मिल सकती है.एसपी ने जानकारी दी कि यह गिरोह अमेरिकी नागरिकों को कॉल कर फर्जी समस्याएं बताकर उन्हें अपने जाल में फंसाता था. जब कोई व्यक्ति झांसे में आता, तो आरोपी उसके मोबाइल या लैपटॉप में एक सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करवा लेते थे. इसके बाद उनके डिवाइस का पूरा कंट्रोल गिरोह के पास चला जाता था और वे उसका डेटा चुराकर अपने सरगना को भेज देते थे, जो उस व्यक्ति के खाते से पैसे निकाल लेता था.यह ठग सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अमेरिका में अपने फर्जी टेक्निकल हेल्पलाइन नंबर और प्रचार सामग्री फ्लैश करते थे. जब कोई व्यक्ति संपर्क करता था, तो यही लोग खुद को सपोर्ट टीम बताकर उनकी जानकारी हैक कर लेते थे. पुलिस ने छापेमारी के दौरान मौके से पांच लैपटॉप, दर्जनों मोबाइल फोन, कई सिम कार्ड, क्रेडिट कार्ड और अमेरिका समेत अन्य देशों के नागरिकों के नंबर बरामद किए हैं. जिन लोगों से ठगी की गई है, उनकी संख्या और देशीयता की जानकारी जुटाई जा रही है. एसपी ने बताया कि यह गिरोह पहले अन्य जगहों से संचालन कर रहा था, लेकिन फरवरी 2025 से इन्होंने वैशाली के जंदाहा में इस फर्जी कॉल सेंटर की शुरूआत की थी. यहां से यह अमेरिकी नागरिकों को टारगेट कर साइबर ठगी को अंजाम दे रहे थे. गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ जारी है. पुलिस का मानना है कि इस गिरोह का नेटवर्क काफी बड़ा है और मास्टरमाइंड बिरजू सिंह की गिरफ्तारी के बाद इससे जुड़े और भी कई खुलासे हो सकते हैं. इस मामले के खुलासे के बाद वैशाली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान नंबर से आई कॉल पर सावधानी बरतें और किसी के कहने पर कोई सॉफ्टवेयर या लिंक डाउनलोड न करें।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान कोलकाता के थाना इन्टाली निवासी डानियाल अख्तर (पिता अखिल अख्तर), सैयद (पिता शादाब अली), नूर आलम (पिता शेख अब्दुल), मोहम्मद एहताशाम (पिता मोहम्मद फकुरूद्दीन) के रूप में हुई है। सभी आरोपी मूल रूप से कोलकाता के रहने वाले हैं। पुलिस ने गिरोह के ठिकाने से 10 मोबाइल फोन, 16 डेबिट कार्ड, 6 क्रेडिट कार्ड, 2 राउटर, 5 हेडफोन, 5 आधार कार्ड, 2 माउस, 2 वोटर आईडी कार्ड समेत साइबर ठगी से संबंधित कई अन्य सामग्री बरामद की है। जांच के दौरान पुलिस को कुछ अमेरिकी नागरिकों के साथ-साथ अन्य देशों के नागरिकों के मोबाइल नंबर भी मिले हैं, जिनसे यह गिरोह पहले ही ठगी कर चुका है। इन मामलों की जांच भी अब की जा रही है। एसपी ने कहा कि मास्टरमाइंड बिरजू सिंह की गिरफ्तारी के बाद इस अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह की पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी।

बारिश ने खोली पोल : बख्तियारपुर-मोकामा हाईवे का साइड स्लोप धंसा, डबल डेकर पुल की सड़क पर भी दिखे कई गड्ढे

एजेंसी/पटना

सीएम नीतीश कुमार ने जिस डबल डेकर पुल और बख्तियारपुर-मोकामा हाईवे का शुभारंभ किया था, उसकी गुणवत्ता पर अभी से ही सवाल उठने लगे हैं। बिहार के पहले डबल डेकर पुल की सड़क पर गड्ढे दिख रहे और बख्तियारपुर-मोकामा हाईवे साइड स्लोप धंस गया। इसके बाद पटना के लोग गड्ढे और धंसे हुए स्लोप की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर नीतीश सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों में नाराजगी है। बिहार के पहले डबल डेकर पुल की सड़क की गुणवत्ता की पोल बारिश ने खोलकर रख दी। 422 करोड़ की लागत से बनी डबल डेकर पुल पर बनी सड़क की परत उखड़ने लगी। स्थानीय लोगों ने कहा कि बारिश के कारण परत निकल गई। इससे कुछ जगह गड्ढे दिखने लगे। हालांकि पुल पूरी तरह सुरक्षित है। लेकिन, लोग सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाने लगे। इसके बाद बिहार राज्य पुल निर्माण निगम ने इस मामले को गंभीरता से लिया। कुछ ही घंटे में इसे ठीक करवा लिया। इसके बाद पुल निर्माण निगम की ओर से कहा गया कि डबल डेकर पुल के संबंध में विभिन्न चैनलों, सोशल मीडिया पर क्षतिग्रस्त होने की खबर चलाई जा रही है। इस संबंध में स्पष्ट करना है कि लगातार मूसलाधार बारिश के कारण अशोक राजपथ पर बने बिटुमिनस परत के एक छोटे हिस्से में आंशिक रूप से स्लीपैज है। पुल पूरी तरह से सुरक्षित है तथा पुल की संरचना पर इसका कोई असर नहीं है। वियरिंग कोर्स (बिटूमिनस लेयर) में हुए आंशिक स्लीपैज का मरम्मति करवा दी गई है। पटना जिले के मोकामा-बख्तियारपुर फोर लाइन का साइड स्लोप धंस गया है। जिससे एक किलोमीटर में कई मोटे दरारें भी आ गया है। दरअसल, कुछ महीने पहले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा इस सड़क का उद्घाटन किया गया था। उद्घाटन के कुछ महीने बाद ही पहली बारिश में सड़कों की हालत खस्ता हाल हो गया है। मोकामा बख्तियारपुर फोर लाइन के कई जगह पर साइड स्लोप धसने की बात सामने आ रही है। मोकामा से लेकर बख्तियारपुर तक कई जगह यही स्थिति देखने को मिल रहा है।

इंजीनियर और ठेकेदार जेल जाएंगे

वहीं स्थानीय मुखिया शशि भूषण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि साइड स्लोप धंस चुका है और रोड में दरारें भी आ चुकी है। सीएनसी कंपनी के भ्रष्टाचार को यह दिखाता है। वहां कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसके बारे में कंपनी के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दी गई है। वही बख्तियारपुर के पूर्व विधायक व भाजपा नेता रणविजय सिंह उर्फ लल्लू मुखिया ने कहा कि सरकार किसी को छोड़ने वाली नहीं है, इंजीनियर और ठेकेदार जेल जाएंगे। उनका लाइसेंस रद्द होगा, साइड सलोप में गड्ढे हुए हैं तो इस पर कार्रवाई होगी।

पटना सिविल कोर्ट में पेशी के दौरान कैदी फरार हथकड़ी सरकाकर पुलिस कर्मियों को दिया चकमा

एजेंसी/पटना

पटना सिविल कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया कैदी सुरेंद्र कुमार उर्फ छोटू फरार हो गया। सुरेंद्र नवादा जिले का रहने वाला है। चोरी के एक मामले में उसे गिरफ्तार किया गया था। जो पिछले 6 महीने से बेऊर जेल में बंद था।सोमवार को कोर्ट में पेशी के सिलसिले में सुरेंद्र को अउखट-4 कोर्ट में ले जाया जा रहा था। कोर्ट परिसर में पहुंचने के बाद, उसने कैदी वैन के पास अपनी चप्पल उतार दी और हथकड़ी सरकाते हुए फरार हो गया। जिसके बाद पुलिस कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। जिसके बाद पुलिस की टीम ने फरार कैदी की तलाश शुरू कर दी। सुरेंद्र को लेकर आ रहे सिपाही ने पीरबहोर थाने में आवेदन दिया है। टाउन अरढ-1 मोहिबुल्ला अंसारी ने बताया कि अभी तक इस मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है, लेकिन सर्च अभियान जारी है। गौरतलब है कि इससे पहले 18 जून को भी एक कैदी कोर्ट से फरार हो गया था। पालीगंज निवासी विकास नामक कैदी पेशी के लिए कोर्ट लाया गया था। शौच के बहाने बाथरूम गया और खिड़की की ग्रिल तोड़कर फरार हो गया। बाथरुम के बाहर पुलिस कर्मी उसका इंतजार कर रहे थे जब काफी देर तक वो बाहर नहीं आया तब पुलिस कर्मियों ने बाथरुम का दरवाजा खोला तो पैरों तले जमीन खिसक गई। कैदी खिड़की तोड़कर नौ दो ग्यारह हो गया। जिसके बाद पुलिस कर्मी ने पीरबहोर थाने में शिकायत दर्ज करायी थी। उस मामले में भी पुलिस की छानबीन जारी है और इस केस में भी पीरबहोर थाने की पुलिस जांच में जुटी है।

आशुतोष द्विवेदी ने संभाला राज्य परिवहन आयुक्त का कार्यभार

एजेंसी/पटना

भारतीय प्रशासनिक सेवा, 2018 बैच के अधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने सोमवार को बिहार के राज्य परिवहन आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण के अवसर पर परिवहन विभाग के पधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद परिवहन आयुक्त आशुतोष द्विवेदी ने विभागीय पदाधिकारियों के साथ पहली समीक्षा बैठक की, जिसमें विभाग की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और लंबित कार्यों की जानकारी ली गई। समीक्षा बैठक के दौरान परमिट प्रणाली, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन फिटनेस एवं सड़क सुरक्षा जैसे अहम विषयों पर भी चर्चा हुई। राज्य परिवहन आयुक्त आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि प्रवर्तन तंत्र को और सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

मंगलवार से मॉनसून के कमजोर होने की संभावना

बिहार में उफान पर नदियां, 5 जिलों भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी/पटना

बिहार में भारी बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं. पानी खतरे के निशान से ऊपर है. बीते रविवार (03 अगस्त, 2025) को अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश जारी किया गया. आज (सोमवार) भी राज्य के सभी जिलों में वर्षा की संभावना जताई गई है. पटना मौसम विभाग की ओर से आज राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है. मौसम विभाग की मानें तो आज पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण में बहुत ज्यादा भारी बारिश के संकेत हैं. शिवहर, गोपालगंज और सीवान में भारी वर्षा के आसार हैं. इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है. मेघ गर्जन और वज्रपात का भी अलर्ट है. मौसम विभाग की ओर से राज्य के सभी जिलों के लोगों को वज्रपात से अलर्ट रहने की सलाह दी गई है. अभी राज्य में वर्षा की स्थिति अगले पांच दिनों तक लगातार बनी रहेगी. हालांकि मंगलवार से मॉनसून के कमजोर होने की संभावना बन रही है. बीते रविवार की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के लगभग सभी जिलों में वर्षा हुई है. पटना सहित 13 जिलों में भारी वर्षा हुई है. सबसे अधिक मधुबनी में 171.2 मिलीमीटर, किशनगंज में 152, सीवान में 140.6 और पूर्णिया में 127.4 मिलीमीटर के साथ बहुत भारी बारिश का रिकॉर्ड दर्ज किया गया।

बारिश के चलते पटना का तापमान एक डिग्री गिरा

वर्षा के चलते राज्य के लगभग जिलों का तापमान गिरा है. रविवार को सबसे अधिक तापमान भागलपुर में 33.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तो सबसे कम तापमान सीवान के जीरादेई में 27.5 डिग्री सेल्सियस रहा. पटना का पारा एक डिग्री गिरा और अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस रहा. राज्य का औसत तापमान 30 डिग्री के करीब रहा।

सुभाषितम्

यदि एक बड़ा कदम उठाने की आवश्यकता है तो डरें नहीं, आप गहरी खाई को दो छोटी छलांग लगाकर पार नहीं कर सकते। -डेविड लाइड जॉर्ज

चुनाव आयोग पर वारः लोकतंत्र के लिये खतरे की घंटी

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और इस लोकतंत्र की चुनिंदा जिन संस्थाओं पर टिकी है, उनमें चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण, निष्पक्ष और प्रतिष्ठित मानी जाती है। किंतु लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले प्रमुख विपक्षी नेता श्री राहुल गांधी जैसे वरिष्ठ जनप्रतिनिधि जब चुनाव आयोग जैसी सर्वोच्च संवैधानिक संस्था पर वोट चोरी में शामिल होने एवं बिहार में मतदाता सूची में धांधली जैसे गंभीर, शरारत भरे, बेबुनियाद और गुमराह करने वाले आरोप सड़क से लेकर लोकसभा तक में लगाते हैं, तब यह केवल एक संवैधानिक संस्था पर नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर सीधा प्रहार है, यह दुर्भाग्यपूर्ण भी है और चिंताजनक भी। चुनाव आयोग का काम केवल चुनाव कराना नहीं है, बल्कि वह संस्था लोकतंत्र को पारदर्शिता, विश्वसनीयता और निष्पक्षता से चलाने की रीढ़ है। लाखों कर्मचारियों, सुरक्षा बलों और तकनीकी सहयोग के बीच करोड़ों मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में शामिल करना, भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, एक असाधारण कार्य है। चुनाव आयोग ने समय-समय पर खुद को दबावों से ऊपर उठकर न्यायप्रिय संस्था के रूप में सिद्ध किया है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (सर) का जबरदस्त विरोध करते हुए राहुल गांधी चुनाव आयोग एवं उनके अधिकारियों को डराने एवं धमकाने की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। राजनीति में जब हार की बौखलाहट हावी हो जाती है, तो ऐसे ही विकृत आरोपों और झूठे नैरेटिव को गढ़ा जाता है। श्री राहुल गांधी द्वारा हाल ही में चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोप इसी राजनीतिक हताशा का परिणाम प्रतीत होते हैं। वे चुनाव परिणामों या प्रक्रिया में किसी तकनीकी दोष को बजाय, सीधे आयोग की नीयत पर सवाल उठा रहे हैं, जो कि एक गंभीर लोकतांत्रिक अनाचार एवं अराजकता है। वे अपनी नाकामी का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं और वह भी भद्दे तरीके से। चूंकि उनके ऐसे पुराने आरोप ठहर नहीं रहे इसलिए वे कुंठित हो रहे हैं। वे हताशा में हद पार कर रहे हैं। उन्हें सोचना चाहिए कि वे नेता सदन हैं और उस कांग्रेस के नेता हैं, जिसने देश पर लंबे समय तक शासन भी किया और चुनाव प्रक्रिया में सुधार के कुछ कदम भी उठाए। क्या कांग्रेस के लिए यह शर्म की बात नहीं कि जिस ईवीएम का उपयोग उसके शासनकाल में शुरू हुआ, उसके पीछे उसके ही बड़े नेता पड़े हैं। हाल के वर्षों में ईवीएम के कथित दुरुपयोग के जो भी आरोप लगे, उन्हें तो सुप्रीम कोर्ट ने भी फर्जी पाया। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर लगाए गए आरोप भी फर्जी ही पाए गए। राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव आयोग के खिलाफ उलटा-सीधा नहीं, उलटा ही उलटा इसलिए बोला ताकि सांसद को मिले अधिकारों के तहत उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न हो सके। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के नितांत झूठे, बेबुनियाद, निराधार और भारतीय लोकतंत्र की छीछालेदर करने वाले आरोपों का कड़ा प्रतिवाद करने के साथ यह कहकर उन्हें बेनकाब भी किया कि वे किस तरह अपने आरोपों का जवाब सुनने या अपने आरोपों की सच्चाई प्रस्तुत करने आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। आरोपों में दम होता तो वे उपस्थित होते। चुनाव आयोग ने बार-बार उन्हें बुलाया, लेकिन लगता है कि वे खुद को इस संवैधानिक संस्था से भी ऊपर समझ रहे हैं। वे गांधी परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि वे जो मन में आये करते रहे कि आम जनता उनके शरारत भरे आरोपों को सच मान लेगी। जनता का उनके आरोपों पर भरोसा उठ चुका है, उनके आरोपों पर ही नहीं, उन पर भरोसा नहीं रहा तभी तो चुनावों में कांग्रेस की इतनी दुर्गति हो रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में सही कहा कि ऐसी हरकतों से कांग्रेस 30 साल तक विपक्ष में ही बैठी रहेगी। वोट चोरी के आरोप लगा रहे राहुल और उनके साथी यह क्यों भूल जाते हैं कि झारखंड और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव कौन जीता था? क्या यह उचित है कि जब तक चुनाव परिणाम अनुकूल हों तब तक चुनाव आयोग निष्पक्ष है, और जब हार हो जाए तो वही आयोग पक्षपाती हो जाए? क्या लोकतंत्र का सम्मान इस प्रकार के दोहरे मापदंडों से किया जा सकता है? राहुल गांधी को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे स्वयं उसी निर्वाचन प्रणाली से संसद पहुंचे हैं, जिसे अब वे झूठा और पक्षपाती बताने की कोशिश कर रहे हैं। यह जनता की समझ और चेतना का भी अपमान है। अब यह भी साफ है कि ऐसे लोग मतदाता सूचियों का सत्यापन नहीं होने देना चाहते।

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अतः उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और वह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शाश्वत हैं, कर्म शाश्वत नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं।

टैरिफ आर्थिक युद्ध नहीं, आत्मनिर्भर शांति का रास्ता

- ललित गर्ग

जब किसी वैश्विक ताकत के शिखर पर बैठा नेता व्यापार को भी सौदेबाजी और दबाव नीति का औजार बना ले, तब यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर देता है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत सिद्धांतों को भी चुनौती देता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर ऐसा ही एक आर्थिक आघात पहुँचाया है। इस टैरिफ का लक्ष्य स्पष्ट है, भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा को बाधित करना और अमेरिकी वर्चस्व की पुनः स्थापना करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की ट्रंपीय दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाजार में निरंतर अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है। लेकिन यह निर्णय केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। ट्रंप प्रशासन हमेशा से ही व्यापार संतुलन के मुद्दे को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर देखता रहा है। अमेरिका फर्स्ट की नीति का मुख्य हथियार रहा है, दूसरों को पीछे धकेलकर अमेरिका को आगे लाना। यह एकतरफा सोच व्यापार के मूल्यों और साझेदारी की भावना को कमजोर करती है। व्यापार समझौते पर 1 अगस्त की समय सीमा तक दोनों देशों के बीच जारी बातचीत किसी नतीजे पर न पहुंचने का बड़ा कारण भारत का अमेरिका की शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं होना रहा है। उसे आगे भी तैयार नहीं होना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि भारत अमेरिका से ऐसा व्यापार समझौता कर ले, जो केवल उसके हित में हो। इस तरह के समझौते तो तभी हो पाते हैं, जब दोनों पक्षों के हित सधते हैं। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना चाहिए और यह स्पष्ट करने में संकोच भी नहीं करना चाहिए कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव के आगे झुकने वाला नहीं। भारत को ट्रंप के मनमाने फैसलों से डरने की आवश्यकता इसलिए भी नहीं, क्योंकि वे अपने फैसलों से पीछे हटने और उन्हें पलटने के लिए जाने जाते हैं। उनके इस रवैये के कारण उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत भी हो रही है। उन्हें यह समझ आ जाए तो अच्छा कि आज का भारत पहले वाला भारत नहीं है और अमेरिका का भी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर दबाव डालो और झुकाओ पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और डीलमेकिंग की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया। भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ न केवल आर्थिक रूप से अनुचित है, बल्कि यह उभरते राष्ट्रों के आत्मनिर्भर बनने के अधिकार का भी हनन है। यह नव-उपनिवेशवाद का नया रूप है, जहाँ आर्थिक हथियारों से शक्तिशाली राष्ट्र, विकासशील देशों को नियंत्रित करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने भारत पर टैरिफ बढ़ाने और जुर्माना लगाने की जो घोषणा की, वह उनकी दबाव की राजनीति का ही हिस्सा है। इस राजनीति की पोल खुल चुकी है। अच्छा होगा कि इसे देश के विपक्षी दल भी समझें। इसलिए और भी समझें कि संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि सैन्य कार्रवाई को स्थगित किए जाने के सिलसिले में विश्व के किसी भी नेता की कहीं कोई भूमिका नहीं। स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को कथित तौर पर रोकने का ट्रंप का दावा फर्जी है। वास्तव में इसी कारण वे अपने इस थोथे दावे को बार-बार दोहरा रहे हैं। आज का भारत न केवल एक विशाल बाजार है, बल्कि एक नवाचारशील शक्ति भी है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, और विविधता से समृद्ध उत्पादन क्षमता भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर कर रही है। भारत अब निर्भरता की नीति से निकलकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप के टैरिफ का प्रभाव सीमित और अस्थायी होगा, लेकिन भारत की आर्थिक विकास यात्रा दीर्घकालिक और दृढ़ है। भारत के लिए यह चुनौती अवसर में बदलने का समय है, नए बाजारों की तलाश, घरेलू उत्पादन को और सशक्त बनाना, और वैश्विक साझेदारियों को नए रूप में ढालना। ट्रंप की दादागिरी भारत को झुका नहीं सकती। बल्कि यह भारत को और मजबूत और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे सकती है। यह समय है जब भारत को अपने उत्पादन, नवाचार, निर्यात और कूटनीति को और धार देने की आवश्यकता है। हमें यह समझना होगा कि शक्ति का उत्तर शक्ति से नहीं, दूरदृष्टि और नीति से दिया जाना चाहिए। ट्रंप का टैरिफ एक चुनौती है, लेकिन भारत की आत्मा में संघर्ष से जीतने का इतिहास है। हमने हर संकट को अवसर में बदला है, और इस बार भी हम यही करेंगे, न केवल अपनी अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए भी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आर्थिक चिंतन मूलतः 'आत्मनिर्भर भारत', 'विकास के साथ विश्वास', और 'समान साझेदारी' के सिद्धांतों पर आधारित रहा है। ये वैश्विक मंच पर भारत को एक समानाधिकार संपन्न राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं, न कि किसी बड़े राष्ट्र की कृपा पर चलने वाली व्यवस्था के रूप में।

दुनिया को डुबाने में लगे ट्रंप पर भारी पड़ेगा टैरिफ वार

- डॉ. हिदायत अहमद खान

किसी भी सेवक के लिए अपना राष्ट्र सर्वोपरी और सर्वप्रथम होना ही चाहिए। इसमें किसी को कोई आपत्ति भी नहीं होगी, लेकिन इसके नाम पर अन्य देशों को हीन और तुच्छ समझा जाना, उन्हें नीचा दिखाना उचित नहीं ठहराया जा सकता है। यहीं खुद लाभ कमाना और दूसरे को घाटे में डालना, ऐसी व्यापार-नीति अच्छी नहीं मानी जा सकती है। इसका दूरगामी परिणाम स्वयं के लिए भी घातक साबित होगा। कुछ ऐसा ही काम इन दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने फैसलों और बयानों के जरिए करते देखे जा रहे हैं। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी चिर-परिचित शैली में भारत सहित दुनियां के अनेक देशों पर 25 फीसद टैरिफ और रूस से व्यापार करने पर सख्त आर्थिक दंड लगाने की जो घोषणा की है, उससे एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल मच गई है। यह भी सही है कि ट्रंप अपने बयानों पर कायम नहीं रह पाते हैं, ऐसे में भरोसा भी नहीं होता कि वो कब क्या कहेंगे और कब क्या लागू करेंगे। इसलिए टैरिफ लगाने का यह फैसला जितना अचानक था, उससे कहीं अधिक राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को अस्थिर करने वाला भी साबित हो सकता है। खासकर तब जबकि दुनिया एक ओर मंदी के खतरे से जूझती नजर आ रही हो और दूसरी ओर अमेरिका खुद उच्च मुद्रास्फीति और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा हो। इसे लेकर कनाडाई कारोबारी और टेस्टबेड के चेयरमैन किर्क लुबिमोव ने ट्रंप नीति की तीखी आलोचना भी की है। उनका मानना है कि भारत को टैरिफ और जुर्माने के जरिए निशाना बनाना अमेरिका की रणनीतिक प्राथमिकताओं के खिलाफ जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा है, कि भारत आज सिर्फ एक तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि यह अमेरिका के लिए चीन के दबदबे को संतुलित करने की दिशा में एक संभावित साझेदार भी है। लुबिमोव की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जबकि भारत वैश्विक सप्लाई चेन में चीन के विकल्प के तौर पर तेजी से उभर रहा है। यह तो सभी जानते हैं कि चीन ने जिस तरीके से वैश्विक बाजार में अपनी पैठ बनाई है, उससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को खासा नुकसान पहुंचा है। चीन एवं अन्य ताकतवर देशों से आर्थिक तौर पर निपटने की बजाय ट्रंप ने टैरिफ नीति लॉन्च कर बतला दिया कि उन्हें इससे उबरना नहीं आ रहा है। इसलिए कमजोर को और कमजोर बनाने और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को कुचलने जैसे फैसले ले लिए गए हैं। वैसे अमेरिका के इस कदम से दुनियां में व्यापारनीति को लेकर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया जाने लगा है। नतीजे में डॉलर की जगह अन्य मुद्रा को मजबूत करने जैसी बातें भी होने लग गई हैं। ब्रिक्स ने इसकी शुरूआत भी कर दी है, जिसे लेकर ट्रंप भी चिंतित हैं, लेकिन चिंता का समाधान वो अपने सहयोगी देशों की पीठों पर कोड़े चलाकर निकालने का दुस्साहस कर रहे हैं। इससे यदि यह समझा जा रहा है कि अमेरिका अपने अंदरुनी संकट से उबर जाएगा तो यह सिरे से ही गलत है, क्योंकि समाधान वैश्विक स्तर पर ही संभव है। इसलिए टैरिफ वार रोक कर नए रास्ते खोजने होंगे। यह भी सोचने वाली बात है कि वैश्विक बाजार खत्म नहीं हो रहा है, बल्कि उसका उपयोग कौन कैसे करे इस पर विचार किया जाना चाहिए। बदलती रणनीति और वैश्विक स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत वर्तमान में रूस से कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन चुका है। देखने वाली बात है कि यूक्रेन युद्ध से पहले यह आयात नगण्य समान था, लेकिन अब यह भारत के कुल तेल आयात का 35 फीसद से अधिक हो गया है। ऐसे में अमेरिका की यह कोशिश कि भारत रूसी तेल से दूरी बनाए, न सिर्फ अव्यावहारिक है बल्कि संप्रभुता पर भी हस्तक्षेप करने जैसा है। इसके अलावा, एक तरफ तो ट्रंप भारत को अच्छा मित्र बताते हैं वहीं दूसरी तरफ वो डेड इकोनॉमी जैसा अपमानजनक टैग भी भारत को ही दे देते हैं। ये तो वो भी जानते हैं कि जो वो कह रहे हैं वो सिर्फ नारा है जो तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यूं कहा जाए कि यह भारत-अमेरिका संबंधों में खटास बढ़ाने जैसा है, तो गलत नहीं होगा। राष्ट्रपति ट्रंप के इस बयान के तुरंत बाद ही भारत सरकार की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में स्पष्ट किया कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और जल्द ही यह अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बनने की ओर अग्रसर है। इसी के साथ उन्होंने यह भी बतलाया कि भारत वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 16 फीसद तक का योगदान दे रहा है और यह 'डेड इकोनॉमी' नहीं बल्कि 'ग्रोथ इंजन' है। भारत के डिजिटल, वित्तीय और औद्योगिक सुधारों ने इसे वैश्विक निवेश का एक प्रमुख गंतव्य बना दिया है। यहां विचारणीय यह भी है कि अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने ट्रंप ने सबसे पहले अपने ही पड़ोसी मुल्कों को डराने और धमकाने का काम किया था, जिसे लेकर उन्हें उसी भाषा में जवाब भी मिला। इसके बाद उनकी नीतियां बदल गईं, लेकिन सुर वही रहे, उन्होंने कार्रवाई तो नहीं की लेकिन व्यंग्य करना नहीं छोड़ा। इसलिए ट्रंप ने यह पहली दफा किया हो ऐसा नहीं है, इससे पहले भी टैरिफ और व्यापार युद्धों के जरिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की कोशिश वो खूब कर चुके हैं। फिर चाहे वह चीन हो, यूरोपीय संघ हो या मेक्सिको। लेकिन इन प्रयासों का नतीजा अमेरिकी उपभोक्ताओं पर महंगाई के रूप में देखने को मिलता रहा है। अमेरिकी विशेषज्ञों ने भी पाया कि टैरिफ युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान अमेरिका की खुद की अर्थव्यवस्था को होता है, क्योंकि इससे आयात महंगा होता है, रोजगार पर असर पड़ता है और वैश्विक बाजारों में अमेरिकी उत्पादों की प्रतिस्पर्धा घटती है। कीमतों के बढ़ने के साथ ही वस्तु की मांग घट जाती है और इसका वैश्विक बाजार पर खासा असर होता है। इससे आखिर अमेरिका अछूता कैसे रह सकता है। कुल मिलाकर यह टैरिफ वार ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति का हिस्सा तो कतई नहीं हो सकता है, क्योंकि इससे लाभ की जगह नुकसान ज्यादा होने वाला है। वैसे भी दुनियां जब एक गांव में तब्दील हो चुकी हो तब ऐसे वैश्विक साझेदारी के युग में पुराने जमाने की नीति कैसे सफल हो सकती है? भारत जैसे महान लोकतांत्रिक, विशाल और उभरते बाजार को आंख दिखाना अमेरिका के लिए दीर्घकालिक कूटनीतिक और आर्थिक आत्मघात जैसा हो सकता है। इस नीति से भले ही ट्रंप ने चुनावी जनसमर्थन हासिल कर लिया हो, लेकिन यह अमेरिका को विश्व मंच पर एक गैर-विश्वसनीय और एकपक्षीय शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। दूसरी ओर भारत, अपनी आर्थिक प्रगति और वैश्विक संबंधों के प्रति संतुलित दृष्टिकोण के जरिए एक स्थिर और जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है। अंततः ट्रंप को समझना होगा कि मौजूदा सदी में दुनियां भू-राजनीति टैरिफ और धमकियों से नहीं, बल्कि आपसी साझेदारी और समझ से संचालित होती है, वर्ना यह टैरिफ वार उन्हीं पर भारी पड़ सकता है।

नौकरियों पर गिरी गाजः एआई से भारत के आईटी सेक्टर मे बदलाव

- ज्ञानू निगम

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने करीब 12हजार से ज्यादा नौकरियों को खत्म कर काम-काजी मध्यम वर्ग को सदमें में डाल दिया है। टीसीएस ने मिड और सीनियर मैनेजमेंट स्तर पर इन नौकरियों को खत्म करने का फैसला लिया है। इससे भारत के मध्यम वर्ग को जबरदस्त झटका लगा है। यह कदम न केवल एक कंपनी के आंतरिक पुनर्गठन का संकेत है, बल्कि एआई वाले इस युग में देश की समृद्ध होती मध्यम वर्गीय आकांक्षाओं पर खतरा मंडराने की गंभीर चेतावनी भी है। भारत की आईटी इंडस्ट्री, जो कभी करोड़ों युवाओं के लिए आशा की किरण मानी जाती थी, अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन के दबाव में ढल रही है। जहां पहले सॉफ्टवेयर कंपनियां वैश्विक ग्राहकों को कम लागत पर सेवाएं देकर तेजी से नौकरियां पैदा कर रही थीं, वहीं अब एआई तकनीक के आगमन ने अनेक प्रक्रियाओं को स्वचालित बना दिया है। परिणामस्वरूप, उन नौकरियों की आवश्यकता घटती जा रही है जो परंपरागत व्हाइट कॉलर वर्ग का आधार रही हैं। टीसीएस के इस फैसले से कंपनी के कुल वर्कफोर्स का दो प्रतिशत प्रभावित होगा, और यह केवल शुरूआत हो सकती है। स्टाफिंग फर्म 'टीमलीज डिजिटल' की सीईओ नीति शर्मा ने कहा है कि मैनेजर स्तर के कर्मचारियों को हटाया जा रहा है और सीधे काम करने वाले कर्मचारियों को बनाए रखा जा रहा है। वहीं नई तकनीकों जैसे एआई, क्लाउड, और डेटा सिक्योरिटी में भर्तियां बढ़ी हैं, लेकिन जिस अनुपात में पुराने कर्मचारी हटाए जा रहे हैं, उस अनुपात में नई नौकरियां नहीं आ रहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह ट्रेंड देश के स्किल गैप की ओर इशारा करता है। नैसकॉम के मुताबिक, 2026 तक भारत को 10 लाख एआई पेशेवरों की जरूरत होगी, लेकिन वर्तमान में केवल 20प्रतिशत आईटी कर्मियों के पास ही आवश्यक एआई स्किल मौजूद हैं। कंपनियां बड़े पैमाने पर ट्रेनिंग और री-स्किलिंग में निवेश कर रही हैं, परंतु जिन कर्मचारियों की भूमिका पुनर्परिभाषित नहीं हो पा रही, उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। इस ट्रेंड का असर न केवल कंपनियों तक सीमित रहेगा, बल्कि इसका सीधा प्रभाव भारत की उपभोक्ता अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। बीते वर्षों में आईटी सेक्टर ने एक नया मध्यम वर्ग खड़ा किया, जिसने शहरों में रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और एफएमसीजी जैसे क्षेत्रों को गति दी। परंतु जब स्थायी और आकर्षक नौकरियां ही सिकुड़ने लगेंगी, तब इस वर्ग की उपभोग शक्ति भी प्रभावित होगी, जिसका सीधा असर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। 2023-24 में ही भारत की छह प्रमुख आईटी कंपनियों में नई नियुक्तियों में 72% की गिरावट दर्ज की गई। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे आईटी हब में हजारों की संख्या में नौकरियां जा चुकी हैं। एक अनुमान के अनुसार, पिछले साल करीब 50,000 आईटी कर्मचारी अपनी नौकरियां गंवा चुके हैं। वहीं, अमेरिका में आईटी सेवाओं की मांग में गिरावट और वहां की संरक्षणवादी नीतियों ने भारतीय आईटी कंपनियों के राजस्व पर असर डाला है।

आज का राशिफल

राशि	फल
मेष	आज कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिससे मानसिक तनाव भी बढ़ेगा।
तुला	आज आपको शिक्षा या किसी प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त हो सकती है।
वृषभ	कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा चलेगा और लाभ कमाने के भी कई अवसर प्राप्त हो सकते हैं।
वृश्चिक	आज आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है। आपको लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होंगे।
मिथुन	अधिकारियों के सहयोग से किसी बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति को प्राप्त करने की इच्छा पूरी हो सकती है।
धनु	साधनों में वृद्धि होगी और अपने घर की जरूरत का सामान खरीदने पर भी धन खर्च कर सकते हैं।
कर्क	व्यापार के मामले में अचानक से बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है।
मकर	आज व्यापार के मामले में समय अनुकूल रहेगा, जिससे आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है।
सिंह	आज राजनीतिक क्षेत्र में अपने अपेक्षा से भी कई ज्यादा सफलता प्राप्त हो सकती है।
कुंभ	खर्चों में वृद्धि हो सकती है और जीवनसाथी को अचानक शरीर से जुड़ी समस्या हो सकती है।
कन्या	मेहनत और लगन से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ सकती है।
मीन	आज कामकाज के सिलसिले में आप किसी दूर या पास की यात्रा पर भी जा सकते हैं।

विशेष

बहस अधूरी रह गई जवाब नहीं मिला

ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर विपक्ष विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही थी। सरकार ने कहा मानसून सत्र में जवाब देंगे। विपक्ष को मानसून सत्र का इंतजार था। मानसून सत्र आ गया 28 जुलाई को सिंदूर पर चर्चा भी शुरू हो गई। 16-16 घंटे की बहस लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में हुई। विपक्ष सवालों के जवाब मांगता रह गया। बदले में सरकार 75 साल के इतिहास को बताती रह गई। जिन सवालों के जवाब का विपक्ष इंतजार कर रहा था। उसका जवाब तो मिला नहीं। हां भाषण सुनने को जरूर मिल गए। एक फायदा कांग्रेस को जरूर हुआ। गृहमंत्री रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री को जरूर जिम्मेदार ठहरा दिया। इस्तीफा भी मांग लिया। इस बहस में राहुल गांधी जी ने जिस तरह से कांग्रेस का पक्ष रखा।

मोदी का 100 मिनट का भाषण 14 बार नेहरु जी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर में चल रही चर्चा का समापन भाषण दिया। मोदी लगभग 100 मिनट सदन में बोले। इसमें उन्होंने 14 बार पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू जी का नाम लिया। अपने भाषण में नेहरू और इंदिरा की गलतियां गिनाते रहे। यह नहीं बता पाए पहलगाम में आतंकी कहां से आए, और कहां चले गए। ऑपरेशन सिंदूर को क्यों रोक दिया। पहलगाम पर्यटन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं थी। जब पाकिस्तान गिड़गिड़ा रहा था, उस समय पीओके, दाऊद इब्राहिम, तथा आतंकवादी संगठन के नेताओं को भारत ने क्यों नहीं मांगा। ट्रंप कह रहे हैं, उन्होंने सीज फायर कराया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1789 फ्रांस में जमींदारी प्रथा समाप्त हुई. 1845 प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और वकील फिरोजशाह मेरवानजी मेहता का जन्म. 1914 प्रथम विश्व युद्ध जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया और अमरीका ने तटस्थ रहने की बात कही. 1916 डेनमार्क ने अपने द्वीप अमरीका को ढाई करोड़ डॉलर में बेच दिए. 1929 लोकप्रिय गायक किशोर कुमार का जन्म खंडवा में हुआ. 1935 भारत सरकार अधिनियम को शाही स्वीकृति मिली. 1956 भारत की प्रथम परमाणु अनुसंधान भट्ठी अप्सरा ने काम करना शुरू किया. 1971 अमरीकी अपोलो 15 ने चांद से धरती के लिए यात्रा शुरू की थी. 1976 सरकार का तख्ता पलटने के आरोप में सूडान में 81 व्यक्तियों को मौत के घाट उतार दिया गया. 1986 ब्रिटेन की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की घोषणा.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.31 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	08.43 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.54 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.08 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.24 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.30 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.16 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.49 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.19 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	वृष	00.00 बजे से
		मिथुन	01.58 बजे से
		कर्क	04.11 बजे से

2025 वर्ष का 216 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास श्रावण पक्ष शुक्ल
तिथि दशमी 11.42 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 09.13 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 07.05 बजे को समाप्त।
करण गर 11.42 बजे तदन्तर वणिज 00.32 बजे रात को समाप्त।
चन्द्रायु 10.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 13'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872426
जूलियन दिन 2460891.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 09
विशेष श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभम श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शिबू सोरेन के निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक घोषित, मानसून सत्र स्थगित

रांची, एजेंसी। झामुमो सुप्रीमो दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ पड़ी है. देशभर से लोग उनको श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं. गुरु जी के निधन के बाद झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया है. साथ ही तीन दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है. झारखंड के भी तमाम नेता-मंत्री गुरु जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन को बड़ी क्षति बताते हुए दुःख व्यक्त किया और गुरु जी को श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा जनता, विशेषकर आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए किये उनके कामों को सदैव याद रखा जाएगा,

राज्यपाल ने अर्पित की श्रद्धांजलि– राज्यपाल संतोष गंगवार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है. राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा. शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें.

राहुल गांधी ने जताया दुःख– लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार सुनकर गहरा दुख हुआ. आदिवासी समाज की मज़बूत आवाज़, सोरेन जी ने उनके हक़ और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा. हेमंत सोरेन जी और पूरे सोरेन परिवार के साथ-साथ गुरुजी के सभी समर्थकों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं.

मल्लिकार्जुन खरगे ने अर्पित की श्रद्धांजलि– कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरु जी के निधन पर दुःख जताते हुए लिखा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, शिबू सोरेन जी के निधन से मैं दुःखी हूं. उन्होंने अलग झारखंड प्रदेश और वहां के लोगों के जल, जंगल, जमीन के अधिकार और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए आजीवन संघर्ष किया.

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवार दास ने दी श्रद्धांजलि

झारखंड की पूर्व मुख्यमंत्री रघुवार दास ने पोस्ट कर कहा झारखंड आंदोलन के अगुआ, दिशोम गुरु आदरणीय श्री शिबू सोरेन जी के निधन से मर्माहत हूं, स्तब्ध हूं. उनका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है. वह मेरा पिता तुल्य रहे हैं. सदैव उनका सानिध्य मुझे मिला. उनके मार्गदर्शन में मुझे उपमुख्यमंत्री के पद पर रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ.

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जताया दुःख

झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झामुमो के संरक्षक श्री शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है. उनका जाना झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है. मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं.

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने दी श्रद्धांजलि

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने पोस्ट कर कहा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक एवं आदिवासी समाज के जाने-माने दिग्गज नेता श्री शिबू सोरेन का आज इलाज के दौरान निधन हो जाने की खबर अति-दुखद. उनके पुत्र तथा वर्तमान में झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व उनके परिवार के साथ-साथ उनके समस्त समर्थकों एवं अनुयाइयों के प्रति मेरी गहरी संवेदना. कुदरत उन सबको इस दुख को सहन करने की शक्ति दें.

साकची में पार्किंग में खड़ी दो कारों से चोरी, टीवीएस शोरूम के पास खड़ी गाड़ियों ने नकद व सामान गायब

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के साकची थाना क्षेत्र में शनिवार की रात करीब 9 बजे टीवीएस शोरूम के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब पार्किंग में खड़ी दो कारों से चोरी की घटना सामने आई। अज्ञात बदमाशों ने दोनों कारों के शीशे तोड़कर अंदर रखे नकद रुपए, कपड़े और जरूरी दस्तावेज चुरा लिए। इस वारदात से स्थानीय लोगों में दहशत और नाराजगी का माहौल है।

घटना के शिकार गोलमुरी निवासी प्रशांत सुमन और सोनारी निवासी मेघा बताए गए हैं। दोनों शनिवार शाम शॉपिंग के लिए साकची पहुंचे थे और अपनी-अपनी कारें टीवीएस शोरूम के पास पार्किंग में खड़ी कर दी थीं। जब वे कुछ देर बाद वापस लौटे, तो देखा कि दोनों कारों के शीशे टूटे हुए हैं और कारों के अंदर रखा सामान गायब है।

प्रशांत सुमन ने बताया कि उनकी कार से नकद रुपए और हाल ही में खरीदे गए कपड़े चोरी हो गए हैं। वहीं मेघा की कार से जरूरी दस्तावेज और कीमती निजी सामान चुरा लिया गया। दोनों ने तुरंत साकची थाना पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही साकची थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने पार्किंग में काम करने वाले एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि चोरों की पहचान की जा सके।

यह इलाका शहर के सबसे व्ययस्तम क्षेत्रों में से एक है, जहां हमेशा भीड़ रहती है। इसके बावजूद यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि पार्किंग स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए और नियमित पुलिस गश्ती की व्यवस्था हो।

कानूनी पेशा समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर देता है: न्यायमूर्ति तरलोक सिंह

रांची, एजेंसी। लॉ कुछ और नहीं, बस कॉमन सेंस है। इसे एक साधारण व्यक्ति के नजरिए से समझेंगे, तो आसानी से समझ आएगा। यह पेशा समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर देता है, जो अत्यंत गौरवशाली है। यह बातें झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान ने कही। वे नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्ट्डी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची में नए सत्र के छात्रों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। सफल वही हैं जो लोगों की आशाओं पर खरा उतरे:बीए, एलएलबी के 134 छात्र, बीबीए, एलएलबी के 67 छात्र व एलएलएम के 67 छात्रों का स्वागत किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद शामिल हुए। मुख्य सचिव अलका तिवारी, महाधिवक्ता राजीव रंजन, विवि के कुलपति प्रो. अशोक आर. पाटिल मौजूद थे।

प्रेमी-प्रेमिका की हत्या कर कुएं में फेंका शव, ऑनर किलिंग की आशंका, कई हिरासत में

पलामू ।जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के टरिया में एक कुएं से एक युवक और एक युवती की लाश बरामद की गई। दोनों प्रेमी और प्रेमिका बताए जा रहे हैं। दोनों के शरीर पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। पुलिस ने दोनों का शव बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला ऑनर किलिंग का लग रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया है।

दरअसल, पलामू के तरहसी थाना क्षेत्र के भंडरा गांव निवासी कारू मेहता नामक युवक शनिवार से लापता था। इसी क्रम में रविवार की रात तरहसी पुलिस को सूचना मिली कि तरिया स्थित एक कच्चे कुएं में युवक और युवती का शव पड़ा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद तरहसी थाना प्रभारी आनंद राम के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। युवक और युवती के शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। बाद में युवक की पहचान कारू मेहता जबकि युवती की पहचान विभा कुमारी के रूप में हुई। जिस कुएं से दोनों के शव बरामद किए गए, वह विभा कुमारी के घर से 100 मीटर की दूरी पर है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया है।

तरहसी थाना प्रभारी आनंद राम ने बताया कि हत्या के बाद शव फेंके गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रेम प्रसंग के चलते हत्या की बात सामने आई है। सभी एंगल से जांच की जा रही है। दरअसल, युवक की आंख बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है जबकि शरीर का आगे और पीछे का हिस्सा जला हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

आपकी कार से धुंआ निकल रहा है, कह- युवती को डराकर अपराधी उड़ा ले गए पर्स

रांची, एजेंसी। राजधानी के अरगोड़ा इलाके में अजीबोगरीब स्थिति पैदा कर एक युवती का पर्स कुछ अपराधियों ने उड़ा लिया। चार से पांच अपराधियों ने युवती की कार से धुंआ निकलने की बात कह उसे बातों में उलझाए रखा इसी बीच एक अपराधी कार में रखा पर्स लेकर गायब हो गया।

क्या है पूरा मामला– फार्मा कंपनी में काम करने वाली रूबी ने बताया कि वह अपनी कार से अरगोड़ा थाना क्षेत्र के कडरू से गुजर रही थी, उसी दौरान एक लड़का उनकी कार के पास आया और बोला कि कार से धुंआ निकल रहा है। लेकिन इस बात पर रूबी ने कोई ध्यान नही दिया। थोड़ी देर में एक और युवक उनकी कार के पास से गुजरा और उसने भी धुंआ निकलने की बात कही, लेकिन रूबी को उसपर विश्वास नहीं हुआ। लेकिन तभी एक बुजुर्ग ने भी कार से धुंआ निकलने की बात कही, जिसके बाद उन्होंने अपनी कार को रोक दिया।

बोनट पर मोबिल ऑयल फेंका गया था– जब वह कार से बाहर निकलीं तो देखा कि उनकी कार पर काला काला कुछ लगा हुआ है। जिसके बाद उन्हें लगा कि लगता सब सही बोल रहे हैं। इस दौरान जब रूबी ने अपनी कार का बोनट खोला तो एक युवक ने वहां आकर बोनट खोलने में मदद भी की। जैसे ही बोनट खुला पास में खड़ा युवक फरार हो गया। उसके बाद रूबी ने देखा कि उनके बोनट पर मोबिल ऑयल फेंका हुआ है। रूबी जब कार में बैठी तब उन्होंने देखा कि उनका पर्स गायब है।

नया तरीका आया सामने– रूबी कुमारी ने बताया कि कार में बैठने के बाद उन्हें समझ में आया कि मोबिल ऑयल फेंक कर, कार से धुंआ निकलने की बात बोलकर असल में उन्हें उलझा कर रखा गया। यह सिर्फ इसलिए किया गया ताकि उनकी कार से चोरी की जा सके। पर्स गायब होने के बाद रूबी अरगोड़ा थाना पहुंची और एफआईआर दर्ज करवाई। रूबी के अनुसार उनके पर्स में कुछ पैसे और जरूरी कागजात भी थे।

जांच में जुटी पुलिस– डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि धुंआ निकलने की बात कह कर कार से पर्स गायब करने वाले अपराधियों की तलाश शुरू कर दी गई है। मामले में अरगोड़ा थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रामदास सोरेन के गांव में छाई उदासी, अपने माझी बाबा की सलामती के लिए पूजा-अर्चना कर रहे लोग

जमशेदपुर, एजेंसी। उम्मीद की एक टिमटिमाती लौ के सहारे हजारों आंखें दिल्ली की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन शनिवार को हुए ब्रेन हेमरेज के बाद जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है और वे कौमा में हैं।

जैसे ही यह खबर उनके पैतृक गांव घोड़ाबांधा पहुंची, मानो वहां की हवाओं में उदासी घुल गई। अपने प्रिय नेता के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए पूरा गांव जाहेरथान में पूजा-अर्चना के लिए जुट गया। बताते चलें कि रामदास सोरेन गांव के माझी बाबा और नायके (पुजारी) भी हैं।

दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम उनके उपचार में लगी है, वहीं सैकड़ों किलोमीटर दूर जमशेदपुर के घोड़ाबांधा स्थित उनके आवास पर सन्नाटा पसरा हुआ है। रविवार को यहां कार्यकर्ताओं का तांता लगा रहा। हर कोई अपने नेता की सलामती की खबर के लिए बेचैन दिखा।

सबकी जुबान पर एक ही सवाल था- दादा कैसे हैं? कार्यकर्ताओं का दर्द उनके चेहरों पर साफ झलक रहा

था। एक कार्यकर्ता, प्रकाश सहाय ने भारी मन से कहा कि उनका पूरा जीवन दादा के संघर्षों को देखते हुए बीता है और आज उन्हें इस हाल में देखकर दिल बैठा जा रहा है।

यह पीड़ा सिर्फ कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे घोड़ाबांधा गांव का यही हाल है। रामदास सोरेन का इस गांव से गहरा और आत्मीय रिश्ता है, वे यहां के माझी बाबा (ग्राम प्रधान) और नायके भी हैं। यही वजह है कि रविवार को गांव के बड़े-बुजुर्ग, युवा और महिलाएं, सभी अपने पारंपरिक पूजा स्थल जाहेरथान पर एकत्र हुए।

उन्होंने अपने आराध्य, मारंग बुरु और जाहेर आयो की विधि-विधान से पूजा कर अपने नेता के जीवन की कामना की। हवा में घुली अगरबत्ती की सुगंध और प्रार्थना के स्वर गांव वालों की अपने नेता के प्रति गहरी आस्था और जुड़ाव को बयां कर रहे थे।

दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल ने बताया है कि सोरेन की हालत अत्यंत गंभीर है और उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली (लाइफ सपोर्ट) पर रखा गया है। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रविवार को चेन्नई से भी डाक्टरों की एक टीम दिल्ली पहुंची और उनके स्वास्थ्य का जायजा लिया।

शनिवार तड़के अपने आवास के बाथरूम में गिरने के बाद उन्हें ब्रेन हेमरेज हुआ था। जिसके बाद उन्हें पहले टाटा मोटर्स अस्पताल ले जाया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए एयर एंबुलेंस से दिल्ली स्थानांतरित किया गया।

इस मुश्किल घड़ी में, जहां एक ओर चिकित्सा विज्ञान अपना काम कर रहा है, वहीं दूसरी ओर उनके समर्थकों और ग्रामवासियों की दुआओं और प्रार्थनाओं का दौर भी अनवरत जारी है। सभी को उम्मीद है कि उनका प्रिय नेता इस जंग को भी जीतेंगे और जल्द स्वस्थ होकर उनके बीच लौटेंगे।

मां ने दो बच्चों को मारा, फिर की खुदकुशी

आर्थिक तंगी और घरेलू विवाद में परेशान थी

रांची, एजेंसी। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित लटमा रोड के एक फ्लैट में एक मां ने अपने दो मासूम बच्चों के साथ फांसी लगाकर जान दे दी। मृतकों की पहचान संयुक्ता सिंह उर्फ संध्या सिंह (35), आरव सिंह (12) और आराध्या सिंह (11) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, संयुक्ता ने पहले अपने दोनों बच्चों को दुपट्टे से एक साथ फांसी पर लटकाया और फिर खुद भी दुपट्टे के सहारे जान दे दी।

यह घटना तब सामने आई, जब शनिवार की शाम संयुक्ता का पति ब्रजेश कुमार सिंह फ्लैट पर पहुंचे। दरवाजा नहीं खुलने पर जगन्नाथपुर पुलिस को सूचना दी। उसने कहा कि वह बच्चों से मिलना चाहता है। लेकिन, न दरवाजा खुल रहा है और न ही कोई फोन उठा रहा है। शनिवार रात करीब 8 बजे पुलिस ब्रजेश के साथ फ्लैट पहुंची। दरवाजा खटखटाने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो भीतर का दृश्य बेहद दर्दनाक था।

संयुक्ता का पति ब्रजेश सिंह निजी कंपनी में कार्यरत हैं और बाहर रहते हैं। दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। यही वजह थी कि वे अलग-अलग रह रहे थे। संयुक्ता दोनों बच्चों के साथ लटमा स्थित फ्लैट में अकेली रहती थी। बताया जा रहा है कि आर्थिक तंगी के कारण वह मानसिक रूप से परेशान रहने लगी थी। बच्चों की फीस तक भरने के पैसे नहीं थे। इस कारण उसने बच्चों को स्कूल से निकाल लिया था। संयुक्ता का फ्लैट उसी के नाम पर था, लेकिन आय का कोई निश्चित स्रोत नहीं था। बैंक खाते में जो थोड़े-बहुत पैसे थे, वे भी खर्च हो चुके थे। वह हमेशा अपने बच्चों को साथ लेकर ही घर से निकलती थी। उन्हें कभी अकेला नहीं छोड़ती थी।

मौत से पहले पुलिस से जताया था डर– आत्महत्या से करीब एक सप्ताह पहले संयुक्ता जगन्नाथपुर थाना पहुंची थी। उसने शिकायत की थी कि पति उसका पीछा करता है।

मामा ने कहा: पति से रिश्ता खराब होने के बाद तनाव में थी, किसी का दोष नहीं

मामा बैजनाथ सिंह ने पुलिस को बताया कि संयुक्ता के माता-पिता का निधन पहले ही हो चुका था। उन्होंने ही उसकी शादी कराई थी। संयुक्ता और ब्रजेश के बीच विवाद चल रहा था। इस कारण वह तनाव में रहने लगी थी। उसकी मानसिक स्थिति भी खराब थी। रिम्स में इलाज करवाने की कोशिश की गई थी। इस घटना के लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है।

पड़ोसियों ने सुध नहीं ली, समाज की संवेदनहीनता भी उजागर

जिस अपार्टमेंट में यह परिवार रहता था, वहां एक ही फ्लोर पर चार फ्लैट हैं। दो दिन तक संयुक्ता का दरवाजा नहीं खुला, पर पड़ोसी ने सुध नहीं ली। दुर्गंध फैलने लगी, तब भी किसी ने पुलिस को सूचना नहीं दी। पड़ोसियों ने बताया कि बालकनी में कपड़े टंगे देखकर उन्हें लगा कि परिवार घर में ही है।

22 अगस्त से रांची में अग्निवीर भर्ती रैली, झारखंड के युवाओं के लिए सुनहरा मौका

रांची, एजेंसी। झारखंड के युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होने का सुनहरा अवसर आ रहा है। सेना भर्ती कार्यालय, रांची द्वारा आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली 2025-26 का आयोजन 22 अगस्त से 4 सितंबर 2025 तक खेलगांव स्टेडियम, रांची में किया जाएगा। यह रैली झारखंड के मूल निवासी युवाओं के लिए आयोजित की जा रही है।

भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन पास करना आवश्यक था। जिन उम्मीदवारों ने परीक्षा पास कर ली है, उनके एडमिट कार्ड भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से उनके पंजीकृत खाते पर उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त एडमिट कार्ड पंजीकृत ईमेल आईडी पर भी भेजे गए हैं।

भर्ती रैली में भाग लेने के लिए ऑनलाइन जनरेटेड रंगीन एडमिट कार्ड अनिवार्य है। बिना एडमिट कार्ड किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। रैली स्थल पर प्रत्येक अभ्यर्थी को एडमिट कार्ड में लिखे दिन और समय के अनुसार पहुंचना होगा।

अफीम तस्करों के पास कहां से आए 33 लाख रुपये, कई रडार पर, जब्त होगी संपत्ति

पलामू, एजेंसी। 25 जुलाई को पलामू पुलिस ने इंटरस्टेट अफीम तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई में पुलिस ने अफीम तस्करों के घर से 33 लाख रुपए कैश बरामद किए थे। अफीम तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान लापरवाही बरतने के आरोप में थाना प्रभारी को भी निलंबित किया गया। वहीं, बरामद 33 लाख को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने पलामू के पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के रहने वाले डब्लू यादव, पिंटू कुमार यादव, रिंकू कुमार के घर से यह रकम बरामद किए थे। सभी पैसे को बैग में खास तरीके से छिपाकर रखे गए थे। अब पुलिस पूरे मामले में गिरफ्तार तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने वाली है और उनकी संपत्ति की जांच शुरू की गई है। तीनों के परिजनों से नोटिस जारी कर संपत्ति के बारे में जानकारी मांगी जा रही है। जबकि गिरफ्तार तीनों आरोपियों के बैंक खाते को भी सीज किया गया है। पुलिस को आशंका है कि अफीम कारोबार से लाखों रुपए की संपत्ति अर्जित किया गया है। जिस इलाके में अफीम तस्करों का घर मौजूद है, उस इलाके में बेहद ही कम आबादी रहती है और इलाका जंगल है। जंगल वाले इलाके में आलीशान घर बनाकर रखा गया था। जहां से अफीम से जुड़े कारोबार हो रहे थे।

पलामू एसपी रिष्मा रमेशन ने बताया कि बरामद 33 लाख को लेकर पुलिस ने कई बिंदुओं पर अनुसंधान शुरू किया है। गिरफ्तार आरोपियों की संपत्ति का आकलन किया जा रहा है और उनसे नकद के बारे में जवाब भी मांगा गया है। पुलिस को आशंका है कि अफीम के कारोबार में संपत्ति को अर्जित किया गया है। पूरे मामले में पुलिस की स्पेशल टीम कार्रवाई कर रही है।

बिजली उत्पादन और ट्रांसमिशन की तैयारी पूरी, व्यावसायिक उत्पादन जल्द

रांची, एजेंसी। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) से 800 मेगावाट बिजली उत्पादन की दिशा में अंतिम तैयारी रविवार को पूरी कर ली गई। पतरातू से कटिया ग्रिड तक 400 केवी की डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन को रविवार के दिन बिना लोड के सफलतापूर्वक चार्ज कर लिया गया। एनटीपीसी और जेबीवीएनएल की संयुक्त उपक्रम वाली इस यूनिट से 15 अगस्त के बाद अब किसी भी दिन व्यावसायिक उत्पादन आरंभ किया जा सकता है। उत्पादन की तैयारी के साथ-साथ ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर भी पूरा कर लिया गया है।

पतरातू से कटिया ग्रिड तक 400 केवी की डबल सर्किट क्वाड मूस ट्रांसमिशन लाइन को बिना लोड के सफलतापूर्वक चार्ज कर लिया गया है। सर्किट-1 को 17 : 40 बजे और सर्किट-2 को 17 : 42 बजे चार्ज किया गया। इस 6.6 किलोमीटर लंबी लाइन की कुल लागत 64.51 करोड़ है। यह लाइन पतरातू ग्रिड को कटिया ग्रिड से जोड़ती है, जिससे झारखंड ऊर्जा संचरण

निगम (जेयूएसएनएल) के माध्यम से हटिया और अन्य ग्रिडों को बिजली आपूर्ति की जा सकेगी।

प्लांट के शुरू हो जाने से उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिल सकेगी। वर्तमान में जेवीवीएनएल सेंट्रल सेक्टर से 5 रुपया से 6 रुपया तक बिजली खरीद रहा है, मगर पतरातू से जेवीवीएनएल को 5 प्रति यूनिट के करीब बिजली मिलेगी। इससे जेवीवीएनएल को फायदा होगा। मालूम हो कि पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एनटीपीसी और जेवीवीएनएल का ज्वाइंट वेंचर कंपनी है जिससे कुल उत्पादित बिजली का 85 प्रतिशत बिजली झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को मिलना है।

तीसरा और अंतिम ट्रायल रन छह को

छह अगस्त को तीसरा और अंतिम ट्रायल रन प्रस्तावित है। उत्पादन की तैयारी के साथ-साथ ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर भी लगभग पूरा हो चुका है। पीवीयूएनएल के पहले चरण में 800 मेगावाट की तीन यूनिटों में से पहली यूनिट पूरी तरह तैयार है। इससे पूर्व दो सफल ट्रायल रन हो चुके हैं। इस यूनिट से उत्पादित बिजली का 85प्रतिशत हिस्सा झारखंड को मिलेगा। जबकि 15प्रतिशत बिजली केंद्र को जाएगी। अनुमान है कि लगभग 680 मेगावाट बिजली झारखंड को प्राप्त होगी।

रक्षाबंधन पर अपने नाखूनों को दें न्यू लुक

रक्षाबंधन के मौके पर अगर अपने नाखूनों को न्यू लुक देना चाहती हैं तो इस आर्टिकल की मदद से आप ऐसा कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ नेल आर्ट डिजाइन दिखा रहे हैं जो नाखूनों को न्यू लुक देने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। वहीं इस तरह से नेल आर्ट डिजाइन आप आपने आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं और इस तरह के नेल आर्ट डिजाइन आपके नाखूनों को स्टाइलिश और न्यू लुक भी देंगे।

लीव्स डिज़ाइन नेल आर्ट

इस तरह का नेल आर्ट आप अपने नाखूनों पर बनवा सकती हैं। यह नेल डिजाइन आपके नाखूनों को न्यू लुक देंगे साथ ही अपने नाखून काफू खूबसूरत भी नजर आएंगे। इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आप दो से तीन नेल पोलिश की मदद से बनवा सकती है।

ओम्ब्रे पिंक क्लाउड डिजाइन नेल आर्ट

इस तरह का ओम्ब्रे पिंक क्लाउड डिजाइन नेल आर्ट भी आपके नाखूनों को न्यू लुक देगा। इस नेल आर्ट में पिंक नेल पोलिश साथ ही वाइट कलर की नेल पोलिश लगाई गई है जो आप घर पर बना सकती हैं।

ग्लिटर नेल आर्ट

इस तरह का ग्लिटर नेल आर्ट भी नाखूनों पर बनाया जा सकता है। अगर आप डार्क कलर का आउटफिट पहन रही हैं तो आप इस तरह का नेल आर्ट डिजाइन आपके आउटफिट के साथ परफेक्ट मैच करेगा। इस नेल आर्ट को आप 2 नेल पोलिश साथ ही ग्लिटर की मदद से बना सकती हैं।

ग्लिटर स्ट्रिप्स नेल आर्ट

यह नेल आर्ट भी आप अपने आउटफिट के हिसाब से बनवा सकती हैं। यह नेल आर्ट डिजाइन लाइट कलर के आउटफिट के साथ स्टाइल करने के लिए बेस्ट है और इस तरह के नेल आर्ट को आप 2 नेल पोलिश की मदद से बना सकती हैं।

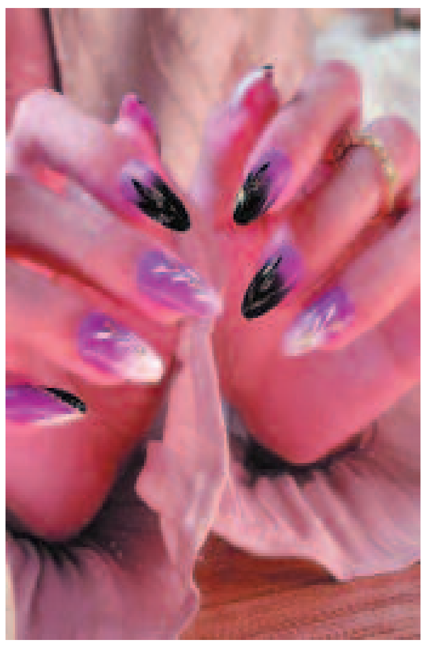

क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में रखें

इन जरूरी बातों का ध्यान

आजकल हर बैंक बहुत आसानी से क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराता है। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अगर ठीक तरीके से किया जाए तो इससे ना सिर्फ आपको मुश्किल वक्त से उबरने में मदद मिलती है, साथ ही आपको अपनी वित्तीय जरूरतों के लिए किसी और पर निर्भर होने की जरूरत भी नहीं पड़ती। अगर आप पहली बार क्रेडिट कार्ड लेने जा रही हैं तो इसके इस्तेमाल को लेकर आप एक्साइटेड होंगी।

क्रेडिट कार्ड का यूज करते हुए आपको कई तरह के एक्साइटिंग ऑफर मिलते हैं। आप जितना खर्च करती हैं, उतनी ही तरह के लाभ आप पा सकती हैं। लेकिन क्रेडिट कार्ड जितनी सहूलियत देता है, बेहिसाब खर्च होने पर उतना ही नुकसानदेह भी साबित हो सकता है। अगर आप इसके इस्तेमाल में लापरवाह हुए तो फायदे के बजाय आपको इससे बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसीलिए आपको इसका इस्तेमाल करते हुए काफी होशियारी से काम लेना होगा। आइए जानें कि आप अपना पहला क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हुए किन बातों का ध्यान रखें-

क्रेडिट कार्ड पर लगने वाली फीस की करें तुलना

सभी क्रेडिट कार्ड पर अलग तरह से फीस और इंट्रस्ट रेट लगते हैं और इन पर बेनिफिट भी अलग होते हैं। जिस क्रेडिट कार्ड पर सबसे कम फीस वसूली जा रही हो, सबसे कम इंट्रस्ट देना पड़ता हो और ऐसे बेनिफिट्स मिलें, जिससे आपकी जरूरतें पूरी हो जाएं, वही आपके लिए बेस्ट है। हो सकता है कि अलग-अलग क्रेडिट कार्ड में इस तरह की सुविधाएं मिल रही हों, ऐसे में आप इन कार्ड्स से मिलने वाले ऑफर और उन पर लगने वाली फीस का कंपेरिजन कर लें तो अपने लिए सही विकल्प चुन सकती हैं।

क्रेडिट कार्ड है एक बड़ी जिम्मेदारी

क्रेडिट कार्ड आसानी से मिल जाता है। जरूरत पड़ने पर आप क्रेडिट कार्ड से पैसे भी उधार ले सकते हैं, लेकिन एक्सपेंडिचर लिमिट खत्म होने या फिर एक निश्चित अवधि के बाद आपको खर्च की गई रकम को वापस करना होता है। अगर इसमें देरी होती है या फिर आप उधार लिए पैसे देने में फेल होती हैं, तो इस पर इंट्रस्ट की दरें काफी ज्यादा होती हैं। इसीलिए क्रेडिट कार्ड से खर्च बहुत ज्यादा जरूरी चीजों पर ही करें और यह सुनिश्चित करें कि तय समय में कार्ड की ईएमआई चुका दी जाए।

बिलिंग साइकिल से पहले चुकाएं बकाया राशि

अगर आप क्रेडिट कार्ड पर लगने वाले भारी-भरकम लेट चार्जेज से बची रहना चाहती हैं तो आपके लिए बेहतर यही रहेगा कि आप बिलिंग साइकिल की तारीख से पहले ही अपनी बकाया राशि चुका दें। मसलन अगर आपकी बिलिंग साइकिल महीने की 7 तारीख को होती है तो आप 6 तारीख तक अपनी खर्च की हुई रकम वापस कार्ड के खाते में जमा कर दें।

बुद्धिमानी से इस्तेमाल करें इस्तेमाल

आप सोच रही होंगी कि क्रेडिट कार्ड को सिर्फ इमरजेंसी में ही इस्तेमाल किया जाए तो बेहतर रहेगा। लेकिन अगर आप कार्ड को नियमित रूप से नहीं इस्तेमाल करेंगी, तो उस पर भी चार्ज लग सकते हैं। ऐसे में आप उससे छोटे-छोटे खर्च करें, जिन्हें आसानी से चुकाया जा सके। इससे आपको अतिरिक्त चार्ज नहीं देने पड़ेंगे।

एक क्रेडिट कार्ड रखने में है समझदारी

जब आप क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई करेंगी तो आपके पास कई बैंकों से ऑफर आ सकते हैं। लेकिन इसका अर्थ ये नहीं कि आप वो सभी ऑफर स्वीकार कर लें। पहली बार कार्ड लेते हुए एक कार्ड को बुद्धिमानी से इस्तेमाल करने में समझदारी है। अपनी जरूरत के हिसाब से सही क्रेडिट कार्ड लें। ध्यान रखें कि जितने ज्यादा क्रेडिट कार्ड आपके पास होंगे, आप पर कर्ज उतना ही ज्यादा बढ़ता जाएगा।

लो क्रेडिट लिमिट वाला कार्ड चुनें

क्रेडिट कार्ड से खर्च करते हुए नए-नए ऑफर्स का लाभ उठाने में काफी मजा आता है, लेकिन इसी मजे के चक्कर में कई बार खर्च आवश्यकता से ज्यादा हो जाता है। कई बार इस पैसे को बैंक को चुकाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में क्रेडिट लिमिट आपकी मदद कर सकती है। अगर आपकी क्रेडिट लिमिट कम है तो आप उस लिमिट से ज्यादा खर्च नहीं करेंगी और उस राशि को समय रहते चुकाने में भी कामयाब होंगी।

इन 5 जगह पर क्रेडिट कार्ड से करें

भुगतान, होगा फायदा

आज के समय में सब कुछ डिजिटल हो गया है। अब ना आपको बैंक में जाने की जरूरत है ना ही हमेशा पर्स उठाकर चलने की। डिजिटल पेमेंट करने के कई फायदे भी होते हैं। कुछ जगह पर क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर आपको कैशबैक जैसे कई लाभ मिलते हैं। हम आज आपको ऐसी 5 जगहों के बारे में बताएंगे जहां क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर आपको फायदा मिलेगा।

ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त

ऑनलाइन शॉपिंग करते वक्त क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने से कई फायदे मिलते हैं। दरअसल आजकल हर प्लेटफार्म पर कार्ड से भुगतान करने पर कुछ प्रतिशत ऑफ मिलता है। वहीं अगर कैश भुगतान करें तो किसी तरह का ऑफ नहीं मिलता। इसके अलावा बहुत बार क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर कैशबैक भी मिलता है। ऐसे में अगर आप भी कुछ ऑनलाइन ऑर्डर कर रहे है तो क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करें ताकि आप कुछ परसेंट ऑफ और कैशबैक का फायदा उठा सकें।

इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीदने के लिए

इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदते वक्त क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर हमें एक्स्ट्रा प्वाइंट्स मिलते हैं जो क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने में बहुत मदद करते हैं। बहुत से शोरूम में कार्ड से भुगतान करने पर 5 से 10 प्रतिशत तक का ऑफ भी मिलता है जो आपके टोटल बिल में कटौती कर सकता है। इतना ही नहीं बहुत बार क्रेडिट कार्ड से ट्रांजेक्शन करने पर एक्सटेंडेड वारंटी भी मिलती है।

ट्रैवल के भुगतान के लिए करें इस्तेमाल

टैक्सी से लेकर एयर टिकट की बुकिंग के लिए भी क्रेडिट कार्ड यूज करना फायदेमंद रहता है। अगर आपके कार्ड के टोटल प्वाइंट ज्यादा है तो आपकी टिकट की कीमत में भी कटौती हो सकती है। एयर टिकट ही नहीं टैक्सी आदि के भुगतान के वक्त भी क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर कुछ परसेंट ऑफ मिलता है। बहुत बार ओला और उबर जैसी कंपनी भी अपने यात्रियों को ऑनलाइन भुगतान करने पर 50 प्रतिशत तक का ऑफ देती है।

मॉल से शॉपिंग करते वक्त

मॉल में अक्सर अलग-अलग क्रेडिट कार्ड के लिए कोई ना कोई ऑफर चल रहा होता है। कई बार ऐसे भी ऑफर होते हैं कि 5000 का सामान खरीदकर कार्ड से भुगतान करने पर 2000 रुपए की कटौती हो जाती है। ऐसे ऑफर का फायदा उठाने के लिए आप भी मॉल में भुगतान करते वक्त कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं।

होटल में करें भुगतान

मॉल की तरह होटल में भी कार्ड से भुगतान करने पर ऑफ मिलता है। बहुत बार क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर कैशबैक प्वाइंट भी मिलते हैं। आजकल ज्यादा कैश लेकर चलना सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर कुछ फायदे भी मिलते हैं। इन फायदों को उठाने के लिए आप भी क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं।

बारिश की वजह से दीवारों और सीढ़ियों पर जम गई है गहरी काई? झटपट हटाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बारिश के मौसम में दीवारों और सीढ़ियों पर काई जम जाती है, जिसे जड़ से हटाना काफी मुश्किल होता है। ये दरअसल, घर की सुंदरता को खराब करता है और यह फिसलन की वजह से दुर्घटना का कारण भी बन सकती है। ऐसे में, नजरअंदाज करने के बजाय कुछ असरदार और आसान तरीकों से आप इसे झटपट हटा सकते हैं।

बारिश का मौसम दिखने में जितना सुहावना होता है, उतना ही अपने साथ कई परेशानियां भी लेकर आता है। इन्हीं में से एक बड़ी समस्या है- दीवारों, सीढ़ियों और छत की फर्श पर गहरी काई का जमना। यह फिसलन भरी काई बच्चे, बड़े और बूढ़े हर किसी के लिए मुसिबत होते हैं। यह न सिर्फ आपके घर की सुंदरता को प्रभावित करती है, बल्कि इस पर पैर पड़ने से गंभीर चोट लगने का खतरा भी बना रहता है। अगर आप भी बारिश की वजह से इस जिद्दी काई से परेशान हैं और इसे हटाने का कोई आसान और कारगर तरीका ढूंढ रही हैं, तो अब आपको और परेशान होने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको ऐसे तीन असरदार घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप इस काई को मिनटों में साफ कर सकते हैं। ये तरीके सस्ते और बेहद प्रभावी भी हैं। इनके इस्तेमाल से आपकी दीवारों और फर्श को कोई नुकसान भी नहीं होगा। इस आर्टिकल में दिए गए 3 असरदार तरीकों को अपनाकर आप इसे आसानी से और झटपट हटा सकते हैं।

सख्त ब्रश और खुरचने वाले औजार

एक सख्त ब्रश या खुरचने वाले औजार से रगड़कर काई को हटाने की कोशिश करें। अगर फिर भी ये नहीं हट रहे हैं, तो इन जगहों पर नमक और पानी का घोल डालें और इसे मोटे पेपर से रब करें। आप चाहें तो इसे अच्छी तरह से खुरचने के लिए बालू का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह रखेपन से जल्दी छूटेगा और आपकी बालकनी, सीढ़ियां और दीवारें भी काई से मुक्त हो जाएंगे। काई हटाने के बाद, भविष्य में इसे फिर से जमने से रोकने के लिए उस जगह को पूरी तरह सूखने दें। अगर संभव हो तो उस जगह पर पानी जमा न होने दें और सूरज की रोशनी पड़ने दें।

ब्लीच और पानी का घोल

काई हटाने का यह सबसे प्रभावी और सस्ता तरीका है। ब्लीच में मौजूद रसायन काई और फफूंदी को जड़ से खत्म कर देते हैं। एक बाल्टी में 1 भाग ब्लीच और 3 भाग पानी मिलाएं। इस घोल को सीधे काई वाली जगह पर स्प्रे करें या ब्रश की मदद से लगाएं। इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें। एक सख्त ब्रश से रगड़कर साफ करें और फिर पानी से धो लें। ब्लीच का इस्तेमाल करते समय दस्ताने जरूर पहनें।

बेकिंग सोडा, सिरका और पानी का घोल

अगर आप ब्लीच का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, तो सिरका एक प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प है। सिरके में मौजूद एसिड काई को ढीला कर देता है। एक स्प्रे बोतल में बराबर मात्रा में बेकिंग सोडा, सफेद सिरका और पानी मिलाएं। घोल को काई वाली सतह पर अच्छी तरह से स्प्रे करें। इसे 30 मिनट से 1 घंटे तक लगा रहने दें। फिर एक सख्त ब्रश से रगड़कर साफ करें और पानी से धो लें।

पेरासिटामोल समेत 35 दवाएं हुईं सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मरीजों को बड़ी राहत देते हुए कई दवाओं की कीमत कम कर दी है। नैशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 35 जरूरी दवाओं के दाम घटा दिए हैं। इनमें पेरासिटामोल, एटोरवास्टेनिन और एमोक्सिसिलिन जैसी दवाएं शामिल हैं जो हार्ट, डायबिटीज और सायकायट्रिक के मरीजों के लिए जरूरी हैं। अब ये दवाइयां कम

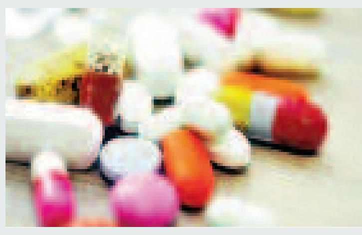

कीमत पर मिलेंगी। इससे खासकर उन मरीजों को काफी राहत मिलेगी जो लंबे समय से बीमारियों से जूझ रहे हैं।

नई कीमत

अकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स कंपनी एसीक्लोफेनाक-पैरासिटामोल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन की एक टैबलेट बनाती है। इसे डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज बेचती है। अब इसकी कीमत 13 रुपये तय की गई है। वहीं, कैडिला फार्मास्यूटिकल्स इसी दवा को 15.01 रुपये में बेचेगी। इसी तरह दिल की बीमारियों में काम आने वाली एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम और क्लोपिडोग्रेल 75 मिलीग्राम की एक टैबलेट अब 25.61 रुपये में मिलेगी। बच्चों के लिए पेरासिटामाल के ओरल सस्पेंशन (घोल) भी सस्ते किए गए हैं। विटामिन डी की कमी दूर करने के लिए ड्रॉप्स और डाइक्लोफेम इंजेक्शन भी सस्ते हुए हैं।

तुमसे न हो पाएगा... भारत-चीन की दुकान बंद करने चले थे ट्रंप

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के देशों पर टैरिफ लगाया है। हालांकि फार्मा को इससे अलग रखा गया है लेकिन ट्रंप ने इस पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इसकी वजह यह है कि ट्रंप ने फार्मा कंपनियों को अमेरिका में दवा बनाने की क्षमता का विस्तार करने को कहा है। भारत और जापान अमेरिका को जेनरिक दवाओं के सबसे बड़ा सप्लायर हैं। मतलब साफ है कि ट्रंप दवाओं के मामले में अमेरिका को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियों ने अमेरिका में अपनी कैपेसिटी बढ़ाने की बात कही है। लेकिन जानकारों का कहना है कि

एक्सपर्ट्स ने बता दी औकात

अमेरिका के लिए दवा सेक्टर में आत्मनिर्भर बनना आसान नहीं है। ट्रंप की दवाओं के आयात पर टैरिफ लगाने की धमकी के बाद कई दवा कंपनियों ने अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस बढ़ाने की बात कही है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एस्ट्राजेनेका ने अमेरिका में 50 अरब डॉलर, जॉनसन एंड जॉनसन ने 55 अरब डॉलर और एली लिली ने 27 अरब डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। कुल मिलाकर दवा कंपनियां अमेरिका में 250 अरब डॉलर का निवेश करने जा रही हैं। ट्रंप

का कहना है कि यह देश के राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। साथ ही उन्होंने दवा कंपनियों से कीमत में कमी की भी मांग की है।

कई देशों से जुड़े हैं तार

लेकिन जानकारों का कहना है कि दवा कंपनियों के इस निवेश के बावजूद अमेरिका की विदेश पर निर्भरता में कमी आने की उम्मीद नहीं है। दवा बनाने में काम आने वाले कच्चे माल के लिए अमेरिका को विदेशों पर ही निर्भर रहना होगा। साथ ही अमेरिका के लोगों के लिए दवा की कीमत में कमी आने की भी उम्मीद नहीं है। इसकी वजह यह है कि फार्मा इंडस्ट्री के तार दुनिया के कई देशों से जुड़े हैं। अमेरिका और विदेशी कंपनियां भी लंबे समय से कई दवाएं अमेरिका में ही बना रही हैं। एनालिस्ट्स का कहना है कि ट्रंप की धमकी के बाद कुछ कंपनियां अमेरिका में प्रॉडक्शन बढ़ा सकती हैं। लेकिन जेनरिक दवा बनाने वाली कंपनियों ने ऐसा कोई वादा नहीं किया है। इसकी वजह यह है कि वे इस तरह का जोखिम नहीं ले सकती हैं क्योंकि उनका मार्जिन बहुत कम होता है। कुछ जेनरिक दवाएं अमेरिका में ही बनाई जाती हैं। इनमें स्टेराइल इंजेक्टेबल ड्रग्स, ओरल लिक्विड मेडिकेशन और कंट्रोल्ड सब्सटेंसेज शामिल हैं। लेकिन अधिकांश दवाएं और कैप्सूल विदेशों खासकर भारत में बनती हैं।

जेनरिक दवाएं

दो कंपनियों ने अमेरिका में जेनरिक दवाओं का प्रॉडक्शन बढ़ाने के लिए निवेश की घोषणा की है। लेकिन बाकी कंपनियां आगे आने को तैयार नहीं हैं। इसकी वजह यह है कि इसमें मार्जिन बहुत कम हैं और कंपनियों को संदेह है कि शायद उन्हें अपने निवेश पर रिटर्न नहीं मिल पाएगा। अमेरिका में डॉक्टरों की पर्चीं में 90 फीसदी हिस्सा जेनरिक दवाओं का होता है। इसमें से ज्यादातर दवाएं विदेशों से आती हैं। अमेरिकी सांसद कई बार यह चिंता जता चुके हैं कि भूराजनीतिक संकट के समय इन दवाओं का सप्लाई बाधित हो सकती है। जानकारों का कहना है कि अगर सरकार ने स्थानीय कंपनियों को इंसेंटिव नहीं दिया तो अमेरिका में जेनरिक दवाओं के प्रोडक्शन में तेजी आने की उम्मीद नहीं है। अगर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ऐसा करना जरूरी है तो इसके लिए अमेरिका को भारी कीमत चुकानी होगी। अभी यह साफ नहीं है कि फार्मा इंडस्ट्री पर कितना टैरिफ लगेगा।

लोगों पर बोझ

लेकिन जानकारों का कहना है कि नई फैसिलिटी बनाने में तीन से पांच साल का समय लग सकता है। उसके बावजूद भी दवा कंपनियों के लिए लॉन्ग टर्म निवेश पर कोई फैसला करना आसान नहीं होगा। अमेरिका में दवा बनाने से वे टैरिफ से तो बच जाएंगे लेकिन इसका कच्चा माल विदेशों से मंगाने के लिए उन्हें टैरिफ देना होगा। अमेरिका में दवा बनाने का यह मतलब नहीं है कि वे सस्ती होंगी। अमेरिका में उत्पादन की लागत ज्यादा होती है। अंत में इसका बोझ आम लोगों पर ही पड़ेगा।

टैरिफ के प्रभाव पर चर्चा करेगा कपड़ा मंत्रालय

- केंद्रीय मंत्री करेंगे उद्योगपतियों से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी निर्यात पर निर्भर देश के कपड़ा उद्योग ने भी टैरिफ के प्रभाव का आकलन करना शुरू कर दिया है। इसे लेकर कपड़ा मंत्रालय ने भी कमर कस ली है। टैरिफ

के बारे में जल्द ही केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह बड़े उद्योगपतियों से मुलाकात करेंगे। इसमें उद्योगपतियों से टैरिफ के प्रभाव के बारे में बात की जाएगी। इस मुलाकात में भारत-ब्रिटेन एफटीए को लेकर भी चर्चा होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत से किए जाने वाले आयातों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का आदेश सात अगस्त से प्रभावी होगा। समाचार एजेंसी पीटीआई को कपड़ा मंत्रालय के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार अमेरिकी टैरिफ के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। सरकार और उद्योग का लक्ष्य 2030 तक 100 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात करना है। सूत्रों ने कहा कि टैरिफ को लेकर घरेलू कपड़ा निर्यातकों को समर्थन देने के लिए विचार किए जा रहे हैं किसी भी उपाय के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी, लेकिन सरकार उद्योग की प्रतिक्रिया जानना चाहती है।

7 साल तक सुपरवाइजरी करने के बाद उठाया बड़ा कदम

शुरू किया ये काम, अब 15 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के एक युवा ने अपनी मेहनत से बड़ा कारोबार खड़ा कर दिया है। उनका नाम शिवम त्यागी है। शिवम ने 2013 में गाजियाबाद की एक दवा कंपनी के गोदाम में काम करना शुरू किया था। वह वहां ऑपरेशन सुपरवाइजर थे। सात साल बाद उन्होंने नौकरी छोड़ दी। फिर अपना बिजनेस शुरू किया। आज उनकी कंपनी फायटिका हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स ब्यूटी, वेलनेस और डाइटरी सप्लीमेंट बनाती है। इसमें न्यूट्रास्यूटिकल्स और इम्युनिटी बूस्टर भी शामिल हैं। पिछले साल कंपनी ने 15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। शिवम त्यागी ने यह सब अपनी मेहनत और लगन से किया है। उन्होंने दिखा दिया कि अगर मन में कुछ करने की ठान ली तो उसे पूरा किया जा सकता है। आइए, यहां शविम त्यागी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

साल 2013 में ग्रेजुएशन करने के बाद शिवम त्यागी ने अपने पिता की सलाह पर एक दवा कंपनी

के गोदाम में काम करना शुरू किया। वहां उन्हें फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री के बारे में प्रैक्टिकल जानकारी मिली।

सामने आईं कई चुनौतियां

फायटिका का सफलता का सफर चुनौतियों से भरा रहा है। त्यागी को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। साथ ही ग्राहकों को अपने उत्पादों के फायदों के बारे में शिक्षित करने में काफी मेहनत करनी पड़ी। इन चुनौतियों के बावजूद उनकी कंपनी लगातार बढ़ी। आज फायटिका के 23 से ज्यादा प्रोडक्ट बाजार में उपलब्ध हैं। उप अब मैग्नीशियम जैसे नए प्रोडक्ट और डायबिटीज तथा कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने वाले जूस की रेंज भी बढ़ाना चाहते हैं। शिवम त्यागी ग्राहकों को बनाए रखने और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने पर लगातार काम कर रहे हैं ताकि उनकी कंपनी की ग्रोथ जारी रहे।

कम हो सकती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें!

ओपेक+ देशों ने हर दिन 547000 बैरल तेल उत्पादन पर जताई सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल निर्यातक देशों के समूह ओपेक+ गठबंधन के सदस्य देशों ने तेल उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। अब ओपेक देश हर दिन 547000 बैरल तेल उत्पादन बढ़ाएंगे। ओपेक देशों के इस कदम से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आ सकती है।

ओपेक देशों के समूह ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को एक वर्चुअल बैठक की। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि समूह के आठ सदस्य देश सितंबर में प्रतिदिन 547,000 बैरल तेल उत्पादन बढ़ाएंगे। तेल उत्पादन बढ़ाने वाले देशों में सऊदी अरब, रूस, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कजाकिस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं।

अभी तक ये देश अपनी मर्जी से कम तेल उत्पादन कर रहे थे। उन्होंने यह कम उत्पादन नवंबर 2023 में शुरू किया था, जिसे सितंबर 2026 तक चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना थी। लेकिन अब यह फैसला किया गया है कि वे स्वैच्छिक उत्पादन कटौती को तय समय से पहले ही समाप्त कर देंगे।

स्मॉल बैंक के क्यू1 नतीजों से निवेशक हुए निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में जिन कंपनियों की हालत खराब है उन कंपनियों की लिस्ट में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक भी है। कंपनी के शेयरों में 8 प्रतिशत की गिरावट आज देखने को मिली है। कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग 2023 में हुई थी। मौजूदा समय में कंपनी के शेयरों का भाव इश्यू प्राइस से भी कम का है।

52 वीक लो लेवल पर भाव

बीएसई में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर 21 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों भाव 8 प्रतिशत टूटने के बाद 20.09 रुपये के लेवल पर आ गया। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल है। इस कंपनी का मार्केट कैप 2221.95 करोड़ रुपये का है।

60 प्रतिशत तक टूट चुका है शेयर- कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग 25 रुपये पर हुई थी। उसकी तुलना में भी यह स्टॉक और नीचे लुढ़क चुका है। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का 52 वीक हाई 51.40 रुपये (बीएसई में) है। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है। बता दें, इस साल यह स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर 41 प्रतिशत गिर चुका है।

आरबीआई अगस्त एमपीसी में वित्त वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति लक्ष्य कम कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आगामी अगस्त एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) की बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति के लक्ष्य को घटा सकता है। केयरएज रेटिंग्स की एक हालिया रिपोर्ट में यह कही गई है। भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी की बैठक 4 अगस्त से 6 अगस्त 2025 के बीच हो रही है। इसमें लिए गए फैसलों का एलान 6 अगस्त को होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 26 में औसतन 3.1 प्रतिशत के आसपास रह सकती है, जो आरबीआई के मौजूदा 3.7 प्रतिशत के अनुमान से काफी कम है। वित्त वर्ष 26 के कम आधार प्रभाव के कारण, वित्त वर्ष 27 में मुद्रास्फीति लगभग 4.5 प्रतिशत पर उच्च रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है, एमपीसी मुद्रास्फीति लक्ष्य कम

रिपोर्ट में किया गया दावा

करेगी...वित्त वर्ष 26 में सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन लगभग 3.1 प्रतिशत रहेगी। वित्त वर्ष 26 के निम्न आधार को देखते हुए, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 27 में औसत सीपीआई मुद्रास्फीति अधिक, लगभग 4.5 प्रतिशत रहेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, जून में मुख्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति तेजी से घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई, जो उम्मीद से कम है और जनवरी 2019 के बाद से सबसे निचला स्तर है। मुद्रास्फीति में यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में निरंतर नरमी और पिछले वर्ष के अनुकूल आधार प्रभाव के कारण हुई।

आंकड़ों की बात करें तो सीपीआई श्रेणी में, खाद्य और पेय पदार्थ की कीमतों में कमी आई है। यह जून में साल-दर-साल आधार पर 0.2 प्रतिशत घटी। इसकी वजह सब्जियों (-19 प्रतिशत), दालों (-12 प्रतिशत), मसालों (-3 प्रतिशत) और मांस (-1.6 प्रतिशत) की कीमतों में भारी गिरावट रही।

भविष्य की ओर देखते हुए, रिपोर्ट में बताया गया है कि बेहतर कृषि उत्पादन और निरंतर आधार प्रभाव समर्थन के कारण खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रित रहने की उम्मीद है। इस बीच, जून में मुख्य मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई, लेकिन रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि यह वृद्धि व्यापक आधारित नहीं थी और मुख्य रूप से कीमती धातुओं की ऊंची कीमतों के कारण थी।

टैक्स बचाने के साथ बेहतरीन रिटर्न भी

लंबे समय तक बाजार में निवेशित बने रहना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। निवेश की दुनिया में रिटर्न या परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप न होने की भावना अक्सर निराशा के रूप में प्रकट होती है। यही निराशा निवेशकों को बाजार का समय जानने की कोशिश करने के लिए प्रेरित करती है। बाजार का समय तय करने की प्रक्रिया में किसी प्रतिभूति की कीमत में संभावित वृद्धि या गिरावट का अनुमान लगाना और उसके अनुसार प्रतिभूति खरीदना या बेचना शामिल है। सोशल मीडिया पर यही विषय इस समय चर्चा में है। हाल में पिरामल फाइनेंस के प्रबंध निदेशक जयराम श्रीधरन ने एक पोस्ट में बताया, कैसे बाजार का समय तय करने से बेहतर फायदा हो सकता है। कैसे कभी-कभी

अधिक समय तक बने रहना बाजार का समय तय करने की कोशिश का बेहतर तरीका हो सकता है। कैसे उनका 10,100 रुपये का निवेश 25 वर्षों में 7.9 लाख रुपये में बदल गया।

श्रीधरन ने पोस्ट में बताया कि 1998 में नौकरी ज्वाइन करने के तुरंत बाद उन्होंने निवेश का सफर शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने पहले निवेश के तहत 1999 में 10,100 रुपये में ईएलएसएस यूनिट्स खरीदी थीं। 25 वर्षों में इस निवेश की कीमत बढ़कर 7,90,457 रुपये हो गई है।

श्रीधरन ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल की ईएलएसएस टैक्स सेवर ग्रोथ स्कीम की यूनिट्स खरीदी थी। यह निवेश 19.05 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ा है। यानी 7,726 फीसदी फायदा।

इसी अवधि में सेंसेक्स ने 12.15 फीसदी और निफ्टी-50 इंडेक्स ने 12.48 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न दिया है।

बेहतर रिटर्न के लिए लंबे समय तक निवेश जरूरी

उभरते बाजारों में आमतौर पर तेज वृद्धि देखी जाती है। पिछले 25 वर्षों में प्रमुख सूचकांकों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि, श्रीधरन के निवेश को देखकर हम समझ सकते हैं कि इस वृद्धि का अधिकतम लाभ उठाने के लिए बाजार में निवेशित बने रहना जरूरी है। ईएलएसएस में सबसे बड़ा फायदा मिलता है कि इससे टैक्स बचाने में भी मदद मिलती है। इसमें निवेश कर सालाना आप 1.5 लाख तक की छूट प्राप्त कर सकते हैं। ईएलएसएस शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका मतलब है कि यहां रिटर्न की संभावना अधिक होती है। हालांकि इसमें जोखिम भी होता है, लेकिन यदि आप लंबी अवधि तक निवेश करते हैं, तो यह आपको बेहतर रिटर्न दे सकता है।

दोगुना से ज्यादा बढ़ा मुनाफा, रॉकेट बन गया शेयर, पहुंचा 500 रुपये के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स के शेयरों में सोमवार को तूफानी तेजी आई है। सारदा एनर्जी के शेयर सोमवार को 20 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 527.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जबरदस्त नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल आया है। पहली तिमाही में सारदा एनर्जी का मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 565.55 रुपये है। वहीं, सारदा एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 244.75 रुपये है।

118 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा सारदा एनर्जी का प्रॉफिट- सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 118.53 पर्सेंट बढ़कर 434.36 करोड़ रुपये पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का प्रॉफिट 198.76 करोड़ रुपये था। अप्रैल-जून 2025 तिमाही में सारदा एनर्जी की सेल्स सालाना आधार पर 77.86 पर्सेंट बढ़कर 1625.50 करोड़ रुपये रही है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की सेल्स 913.91 करोड़ रुपये थी। पहली तिमाही में कंपनी का इबिटडा बढ़कर 617 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 261 करोड़ रुपये था। पहली तिमाही में कंपनी का मार्जिन बढ़कर 37.8 पर्सेंट पहुंच गया है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 28.1 पर्सेंट था।

छंटनी के दौर में वित्तीय स्थिरता और जरूरी खर्चों के लिए ऐसे करें तैयारी; निवेश, आपातकालीन फंड बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। टीसीएस ने हाल ही में 12,000 से अधिक कर्मचारियों को बाहर निकालने की घोषणा की है। कई

अन्य कंपनियों भी छंटनी की तैयारी में हैं। इससे पूरे आईटी क्षेत्र में नौकरियों पर संकट मंडराने लगा है। नौकरी जाना हमेशा कठिन होता है। यह न सिर्फ आपकी वित्तीय स्थिरता की राह में चुनौती खड़ा कर सकता है, बल्कि रोजमर्रा के जरूरी खर्चों पर भी असर डालता है। लेकिन, कुछ समझदारी भरे कदमों से यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि छंटनी का आर्थिक रूप से आप पर ज्यादा असर न पड़े।

मजबूत आपातकालीन फंड बनाएं - यह फंड वित्तीय सुरक्षा देता है।

हेल्थ इंश्योरेंस कराएं

नौकरी जाने पर नियोक्ता से मिला हेल्थ इंश्योरेंस भी छिन जाएगा। इस दौरान कोई भी मेडिकल इमरजेंसी आपकी बचत खत्म कर सकती है। इसलिए, अपने और परिवार के लिए एक अलग हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी जरूर खरीदें।

मौजूदा स्थिति का जायजा लें - अपने नियोक्ता से पिछला वेतन, बची छुट्टियों का भुगतान सहित सभी बकाया राशि वसूलने से शुरुआत करें। फिर अपनी बचत, निवेश और आपातकालीन फंड का जायजा लें। यही वह पैसा है, जो आगे में आपके खर्चों को प्रबंधित करने में मदद करेगा। पुनर्भुगतान में मुश्किल तो बैंक से बात करें - अगर आपको ईएमआई या क्रेडिट कार्ड बिल चुकाने में मुश्किल हो रही है, तो अपने बैंक से संपर्क करें। कर्ज का बोझ घटाने के विकल्पों के बारे में पूछें। उदाहरण के लिए, आप अपनी ईएमआई कम करने के लिए कर्ज की अवधि बढ़ा सकते हैं।

जसप्रीत बुमराह को लगी एक और चोट

टीम से बाहर होते ही आई बुरी खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ओवल टेस्ट में नहीं खेले और इसकी वजह अब सामने आई है. ऐसा माना जा रहा था कि बुमराह को आराम दिया गया है लेकिन रिपोर्ट्स हैं कि वो चोटिल हो गए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को इस बार घुटने में चोट लगी है. बता दें 31 जुलाई को जब ओवल टेस्ट का आगाज हुआ था उसी दिन बुमराह को टीम इंडिया से रिलीज कर दिया गया था. बीसीसीआई ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी थी. लेकिन अब उन्हें रिलीज करने की वजह सामने आ गई है.

बुमराह को लगी चोट गंभीर?

रिपोर्ट के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को घुटने में चोट लगी. अच्छी बात ये है कि बुमराह की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और उसकी सर्जरी नहीं होगी. हालांकि बुमराह के घुटने का स्कैन कराया गया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम को उनकी स्कैन रिपोर्ट्स का इंतजार है. ऐसी खबर है कि 31 साल का ये गेंदबाज बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के लिए जाएगा. वहां उनपर काम किया जाएगा ताकि वो भविष्य में होने वाले मैचों के लिए फिट हो सकें. हालांकि ऐसी खबरें भी हैं कि बुमराह एशिया कप नहीं खेलेंगे. एहतियातन उन्हें आराम दिया जाएगा.

बुमराह के लिए इंग्लैंड दौर अच्छा नहीं रहा

जसप्रीत बुमराह के लिए इंग्लैंड का दौरा औसत रहा. ये खिलाड़ी सीरीज में 3 टेस्ट मैच खेला जिसमें उन्होंने 14 विकेट हासिल किए. बड़ी बात ये है कि बुमराह ने दो टेस्ट मैचों में पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया लेकिन इसके बावजूद वो 14 ही विकेट हासिल कर सके. इसकी बड़ी वजह उन्हें चोट का भी डर रहा. मैनचेस्टर टेस्ट में तो बुमराह ने 140 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार भी बमुश्किल हासिल की. बुमराह की ऐसी फिटनेस से फैंस भी काफी निराश हैं क्योंकि ओवल टेस्ट में वो नहीं खेले जब टीम को उनकी काफी जरूरत थी.

ओवल टेस्ट जीता भारत सीरीज 2-2 से बराबर

लंदन, एजेंसी। भारत ने द ओवल टेस्ट के आखिरी दिन 4 विकेट लेकर 6 रन से मैच जीत लिया। इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी भी 2-2 से बराबर करा ली। मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर मैच पलटा और टीम को रोमांचक जीत दिलाई। सोमवार को मुकाबले के आखिरी दिन इंग्लैंड को 35 रन बनाने थे और 4 विकेट बाकी थे। मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट लेकर जीत भारत की झोली में डाल रही। द ओवल में गुरुवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। पहली पारी में भारत ने 224 और इंग्लैंड ने 247 रन बनाए। 23 रन से पिछड़ने के बाद भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बना दिए। इंग्लैंड को 374 रन का टारगेट मिला। टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर 300 रन बना दिए थे। तभी हैरी ब्रूक सेंचुरी लगाकर आउट हो गए। यहां से भारत ने 354 तक इंग्लैंड के 8 विकेट गिरा दिए। गस एटकिंसन और जोश टंग ने आखिर में टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन सिराज ने आखिरी विकेट लेकर भारत को करीबी जीत दिला दी। इंजर्ड क्रिस वोक्स भी लेफ्ट हैंड से बैटिंग करने उतरे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

भारतीय तीरंदाजी संघ ने तीरंदाजी लीग के पहले सत्र की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, हमें यकीन है कि तीरंदाजी लीग से हम युवा तीरंदाजों को और मौके देकर उनके सपने पूरे कर सकेंगे । हम सभी को मिलकर इस लीग के जरिये देश में खेल को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है।भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने सोमवार को पहली तीरंदाजी लीग की घोषणा की जिसमें दुनिया भर के महिला और पुरूष रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में भाग लेंगे। लीग का पहला सत्र दिल्ली के यमुना खेल परिसर में अक्टूबर में आयोजित हो सकता है जो

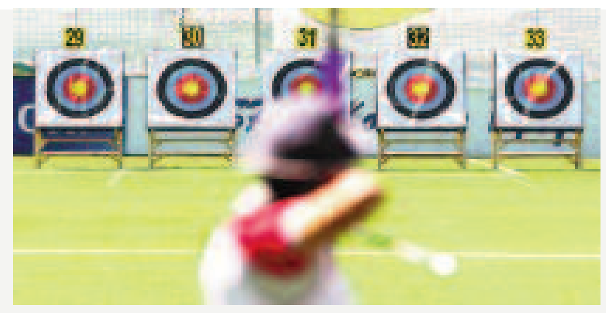

11 दिन तक चलेगा । इसे विश्व तीरंदाजी, विश्व तीरंदाजी एशिया और खेल मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी है। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, हमें यकीन है कि तीरंदाजी लीग से हम युवा तीरंदाजों को और मौके देकर उनके सपने पूरे कर सकेंगे । हम सभी को मिलकर इस लीग के जरिये देश में खेल को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है। विश्व तीरंदाजी के महासचिव टॉम डीलेन ने कहा ,'' इस पहल से भारतीय और विदेशी तीरंदाजों में प्रतिस्पर्धी भावना विकसित होगी और उनके प्रदर्शन में और निखार आयेगा । इससे वे भविष्य में बेहतर तीरंदाज बन सकेंगे ।''

इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी चोटिल

अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हुए; नेक्शाका के खिलाफ मैच में चोट लगी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटर मियामी के कप्तान लियोनल मेसी को दाहिने पैर की मांसपेशियों में चोट लगने के कारण अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की है। यह चोट मेसी को शनिवार को मेक्सिको की टीम नेक्शाका के खिलाफ लीग्स कप मैच के दौरान लगी। मेसी की चोट के बावजूद, इंटर मियामी ने नेक्शाका के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत हासिल की। मेडिकल रिपोर्ट में मांसपेशियों में हल्की चोट की पुष्टि मेसी को केवल 11वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि वे खुद अपने पैरों पर चलकर लॉकर रूम तक गए, लेकिन चोट की गंभीरता को देखते हुए उनका मेडिकल परीक्षण किया गया। इंटर मियामी के बयान के अनुसार,रिपोर्ट में मेसी के दाहिने पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट की पुष्टि हुई

है। उन्हें खेलने की अनुमति उनकी मेडिकल स्थिति और उपचार पर प्रतिक्रिया के आधार पर दी जाएगी। मेसी स्स्स् 2025 के टॉप गोल स्कोरर मेसी इस सीजन में इंटर मियामी के लिए 18 मैचों में 18 गोल और 9 असिस्ट कर चुके हैं। वह स्स्स् (मेजर लीग शॉकर) के टॉप स्कोरर की सूची में फिलहाल पहले स्थान पर हैं। इंटर मियामी की स्थिति इंटर मियामी वर्तमान में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में 12 जीत, 4 हार और 6 ड्रॉ के साथ 42 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। वे शीर्ष पर मौजूद फिलाडेल्फिया से 8 अंक पीछे हैं, लेकिन उनके पास तीन अतिरिक्त मैच बाकी हैं। लीग्स कप क्वालिफिकेशन के लिए स्स्स् स्टैंडिंग में इंटर मियामी 5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए उन्हें बुधवार को ह्रूपुमास के खिलाफ जीत की जरूरत है।

कैनेडियन ओपनः

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बेन शेल्टन, डी मिनौर से होगा सामना

टोरंटो । बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के राउंड ऑफ 16 में फ्लावियो कोबोली को 6-4, 4-6, 7-6(1) से हराकर अपने टूर-स्तरीय करियर की 100वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब अगले दौर में शेल्टन का सामना ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। अपने टूर-स्तर के करियर में अब 100-69 का रिकॉर्ड रखते हुए, शेल्टन 21वीं सदी में जन्मे आठवें और 100 जीत का आंकड़ा छूने वाले नौवें सक्रिय अमेरिकी खिलाड़ी हैं। शेल्टन लगातार तीसरे टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह विंबलडन में क्वार्टर फाइनल और पिछले हफ्ते वॉशिंगटन डीसी में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी स्टैट्स के मुताबिक, इस साल हार्ड कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड 16-7 का है,

जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक का सफर भी है। पहले सेट में अपनी धाक जमाने के बाद, शेल्टन को दूसरे और तीसरे सेट में परेशानी का सामना करना पड़ा। इटैलियन खिलाड़ी ने अपनी सर्विस का अच्छा बचाव करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी की मजबूत सर्विस पर दबाव बनाया। कोबोली ने दूसरा सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में 5-4 की बढ़त पर मैच के लिए सर्विस की, लेकिन वहीं से चौथे वरीय शेल्टन ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 12वें गेम में मैच के लिए एक और ब्रेक का मौका बनाया। इसके बाद टाईब्रेक में कोबोली के सभी सर्विस प्वाइंट जीत लिए। जीत के बाद शेल्टन ने कहा, मुझे लगता है कि मैच के अंत में मैंने रैली करने और रिटर्न को कोर्ट में लाने का अच्छा काम किया। मैं अपनी दो सबसे बड़ी ताकत, सर्विस और फर्स्ट-बॉल फोरहैंड के साथ जूझ रहा था, लेकिन आखिर में जीत हासिल करना मेरी मानसिक दृढ़ता और ऐसे पल में लड़ने की क्षमता को दर्शाता है, बजाय इसके कि मैंने कितना अच्छा खेल दिखाया।

विश्व चैंपियनशिप ट्रायल्स में अंतिम पंघाल आसानी से जीतीं, वैष्णवी और मनीषा भी भारतीय टीम में

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतिम ने रविवार को आईजी स्टेडियम में हुए ट्रायल्स के दौरान अपनी रणनीति के साथ आक्रामक रुख अपनाया। पूजा के खिलाफ उनकी रणनीति कारगर रही। अंतिम ने पहले ही मौके पर 'फितले' का इस्तेमाल किया। महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने रविवार को विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल्स में 53 किग्रा भार वर्ग में बिना किसी परेशानी के भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली जबकि वैष्णवी पाटिल (65 किग्रा) और मनीषा भानवाला (62 किग्रा) ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ क्वालिफाई किया। अंतिम 20 साल की उम्र में सीनियर विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश की पूजा और गुजरात की हिनाबेन को बिना एक भी अंक गंवाए हराया और विजेता बनीं। अंतिम ने 2022 में देश की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन बनकर सुर्खियां बटोरी थीं और 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई किया था। लेकिन वह ओलंपिक में विवादों में घिर गई थीं। पेरिस में मैट में उनका प्रदर्शन फीका रहा और उन्होंने अपनी बहन को अपने मान्यता कार्ड पर खेल गांव भेजकर बड़ा विवाद भी खड़ा कर दिया था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया लेकिन ऐसा नहीं किया।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्टः

93 साल में पहली बार! एक सीरीज में पांच भारतीयों के 400+ रन, शुभमन ने 59 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन, एजेंसी। गिल एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज (चौके-छक्के) लगाने वाले भारतीय भी बन गए। उन्होंने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर 97 बाउंड्रीज लगाईं। इनमें 85 चौके और 12 छक्के शामिल हैं। भारत ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पहली बार किसी टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल शामिल रहे। वहीं, गिल ने वेस्टइंडीज के महान सर गैरी सोबर्स का 59 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार - टीम इंडिया 1932 से

टेस्ट क्रिकेट खेल रही है और 93 साल में पहली बार एक टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400+ रन बनाए हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे रहे शुभमन गिल, जिन्होंने 10 पारियों में 754 रन ठोके। उनके बाद केएल राहुल ने 10 पारियों में 532 रन, रवींद्र जडेजा ने 516 रन, ऋषभ पंत ने सिर्फ सात पारियों में 479 रन और यशस्वी जायसवाल ने 10 पारियों में 411 रन बनाए। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय बल्लेबाजों की निरंतरता और सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। भारत ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ विरोधी टीम पर दबाव बनाया, बल्कि यह दिखाया है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती लगातार सातवीं टी20 सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। इस टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में सोमवार को खेले गए तीसरे टी20 मैच को 13 रन से अपने नाम किया। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को लगातार सातवीं बार टी20 सीरीज में मात दी है। पाकिस्तान ने साल 2011 में वेस्टइंडीज का दौरा किया, जिसमें मेहमान टीम इकलौते टी20 मैच को गंवा बैठी। इसके बाद साल 2013 में पाकिस्तान ने इस टीम के विरुद्ध सीरीज के दोनों मैच अपने नाम किए। 2016/17 में पाकिस्तान ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया, जबकि साल 2017 में सीरीज 3-1 से अपने नाम की। पाकिस्तान की टीम

ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध एक बार फिर 3-0 से क्लीन स्वीप किया। साल 2021 में टी20 सीरीज चार मुकाबलों की थी, लेकिन सीरीज के तीन मुकाबले बेनतीजा रहे। शेष इकलौते मैच को पाकिस्तान ने सात रन से अपने नाम कर सीरीज 1-0 से जीती। 2021/22 में पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इसके बाद अमेरिका में उसने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीत ली है। फ्लोरिडा में चार अगस्त को खेले गए मुकाबले की बात करें, तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए चार विकेट खोकर 189 रन बनाए। साहिबजादा फरहान और सईम अयूब ने पहले विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी की। फरहान 53 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सईम अयूब ने 49 गेंदों में दो छक्कों और चार चौकों के साथ 66 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से जेसन होल्डर, रोस्टन चेज और शमर जोसेफ ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर 176 रन ही बना सकी। टीम के लिए एलिक एथनाज ने 40 गेंदों में 60 रन की पारी खेली, जबकि शेरफन रदफोर्ड ने 35 गेंदों में 51 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। पाकिस्तान के लिए हसन अली, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ, सईम अयूब और सुफियान मुकीम ने एक-एक शिकार किया।

पाकिस्तानी रेस्टोरेंट इवेंट में शामिल होने को लेकर मिली धमकी

विवादों में फंसे Kartik Aaryan

अपनी फिल्मों और इवेंट्स को लेकर अक्सर सुर्खियों में बने रहने वाले एक्टर कार्तिक आर्यन विवाद इन दिनों विवादों में हैं. हालांकि, ये विवाद उनके एक पाकिस्तानी इवेंट में शामिल होने से जुड़ा है, लेकिन इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने से पहले ही फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने एक्टर को एक चेतावनी भरा लेटर लिखा है, उनका कहना है कि ऐसे कार्यक्रमों में हिस्सा लेना भारत सरकार के नियमों के खिलाफ है. ऐसे में आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है. दरअसल, कार्तिक के ह्यूस्टन में एक पाकिस्तानी रेस्टोरेंट द्वारा आयोजित एक इवेंट में शामिल होने की खबरें थी, जो 15 अगस्त को अमेरिका में होने वाला है और एक्टर इसमें बतौर गेस्ट शामिल होने वाले थे.

ऐसे में FWICE ने पत्र लिखकर उनसे अपना नाम वापस लेने के लिए कहा है. FWICE द्वारा लिखे पत्र में कहा गया है कि, यह कार्यक्रम आगा रेस्टोरेंट एंड कैटरिंग द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो एक पाकिस्तानी मूल के मालिक श्री शौकत मारेडिया के स्वामित्व में है. यही रेस्टोरेंट पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर होने वाले जश्न-ए-आजादी कार्यक्रम को भी प्रमोट कर रहा है, जिसमें पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम शामिल होंगे.

तुरंत नाम वापस लेने की कही बात

लेटर में आगे लिखा, आपका इस कार्यक्रम से जुड़ना, चाहे अनजाने में ही क्यों न हो राष्ट्रीय भावनाओं को आहत करता है और उद्योग में पहले से लागू निर्देशों के खिलाफ है. यह भी कहा कि, हमारा मानना है कि आप ऑर्गेनाइजर्स के बैकग्राउंड के बारे में पूरी तरह से नहीं जानते होंगे. अगर ऐसा है, तो हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप इस इवेंट से अपनी भागीदारी तुरंत वापस ले लें. हालांकि, अगर आप ऑर्गेनाइजर्स के बैकग्राउंड के बारे में जानते थे, तो यह और भी अधिक चिंता की बात है और हम क्लेरिफिकेशन की अपेक्षा करते हैं तथा ऐसे ऑर्गेनाइजेशन से तत्काल दूरी बनाए रखने की अपेक्षा करते हैं.

तमन्ना भाटिया ने बाहुबली में अवंतिका के उस सीन का किया बचाव

● बोलीं- सबसे पवित्र चीज को लोग गंदी नजर से देखते हैं

बाहुबली साउथ सिनेमा की सबसे शानदार फिल्म कही जाती है। इसमें प्रभास से लेकर तमन्ना भाटिया तक ने दमदार एक्टिंग की थी। पर एक सीन था, जिसको लेकर विवाद हुआ था। इस पर तमन्ना ने बचाव किया है। उनका कहना है कि जब लोग आपको कंट्रोल नहीं कर पाते हैं तो वो आपको शर्म और गिल्टी महसूस करवाते हैं।

एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली ने देश-दुनिया में तहलका मचा दिया था। इसने ना सिर्फ भारतीय सिनेमा के, बल्कि साउथ इंडियन सिनेमा का स्तर भी बहुत ऊंचा कर दिया था। इसमें प्रभास से लेकर तमन्ना भाटिया तक ने अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में दोनों के बीच एक सीन था, जिसमें प्रभास एक-एक कर अवंतिका (तमन्ना का किर बदन से कपड़े हटाते हैं और उनका मेकअप करते हैं। ऐसा करके वो उन्हें याद दिलाते हैं कि वो एक औरत हैं, जिसे वो भूल चुकी थीं। इस सीन को लेकर विवाद हुआ था, जिसका तमन्ना ने बचाव किया है। तमन्ना भाटिया ने द लल्लनटॉप को इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने बाहुबली के उस विवादित सीन पर अपनी राय रखी। द रेप ऑफ अवंतिका टाइटल से पब्लिश हुए एक आर्टिकल पर उन्होंने कहा, ये मेरा विचार है। जब लोग आपको कंट्रोल नहीं कर सकते। वो एक टेक्नीक का इस्तेमाल करते हैं और वो है- शर्म और गिल्टी। क्योंकि वो हमेशा आपको ऐसा महसूस कराते हैं कि आप जो भी करें, उसके बारे में आपको शर्मिंदा होना चाहिए। जब भी आपको महसूस करा सकते हैं, वो आप पर कंट्रोल पा सकते हैं।

तमन्ना ने सोच को लेकर कही ये बात

उन्होंने आगे कहा, हमारे देश में लोग उस प्रोसेस को तुच्छ समझते हैं, जिसके जरिए आप में आज यहां हैं। अगर हमारे पैरेंट्स साथ ना दें तो मुझे नहीं लगता कि आप यहां होते। ना मैं होती, ना ही कोई और। और हम इसे बहुत तुच्छ समझते हैं। हम बहुत दबे हुए हैं।

प्योर चीज को गंदी नजर से देखते हैं

वो आगे कहती हैं, जो इतनी प्योर चीज है, उसी को हम सबसे गंदी नजर से देखते हैं। वो नजरिया जो है, वो हम सबको ऐसा महसूस कराते हैं कि हमें अपने जीवन के उस पहलू के बारे में शर्मिंदा होना चाहिए, उसे छुपाना चाहिए और उस पर चर्चा नहीं करनी चाहिए, वरना हम उस बातचीत के बारे में खुलकर बात नहीं कर सकते।

लोग महसूस कराना चाहते हैं कि आपने कुछ गलत कर दिया

तमन्ना ने आगे कहा, लोग हमेशा आपको महसूस कराना चाहते हैं कि आपने कुछ गलत कर दिया। लेकिन ये सबसे बेसिक चीज है लाइफ की। इसलिए आज हम हैं। ये मुझे आज तक बात समझ में नहीं आई कि लोग क्यों- जब आपक एक फिल्म देखते हैं- वो एक डायरेक्टर का विजन होता है।

राजामौली को लेकर कही ये बात

तमन्ना ने उस पल को याद किया, जब एसएस राजामौली उन्हें उस सीक्वेंस के बारे में समझा रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे याद है, जब राजामौली सर मुझे वो पूरा सीक्वेंस समझा रहे थे तो उन्होंने कहा था- वो एक दिव्य स्त्री है, जो घायल है। वो सुंदर है। वो स्त्री है। वो प्यार पाना चाहती है। लेकिन वो अपनी लाइफ में मुश्किलों से गुजरी है कि उसे लगता है कि उसे हर किसी को दूर धकेलने की जरूरत है। वो किसी को भी अंदर नहीं आने दे सकती, क्योंकि वे हमेशा उसका फायदा उठाएंगे। लेकिन यहां एक युवक है, जो उसे ये दिखाने के लिए सिर्फ उसे लुभाने की कोशिश कर रहा है कि वो कितनी सुंदर है।

उस सीन पर ये बोलीं

वो बोलीं, अगर आपको ये विजुअली दर्शाना पड़े तो कुछ बाली (ईयरिंग्स) शिफ्ट हो जाती है, बिंदी लग जाती है, जब अपने आप को देखती है... अपना खुद का चेहरा देखती है। वो देखती है अरे मुझे हमेशा से लगता था कि मैंने... अपने आप को इतना स्ट्रॉन्ग कर दिया था कि अपनी जो नरमता है वो कहीं ना कहीं गुम हो गई थी।

इमरान के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए खास पल

अदिवि शेष और इमरान हाशमी फिल्म गुडाचारी 2 में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अदिवि ने इमरान के साथ काम करने को लेकर अपनी राय पेश की है। अदिवि ने कहा कि मैं इमरान हाशमी के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं हमेशा से उनका फैन रहा हूं। मैं थिएटर में उनकी शानदार मौजूदगी और जोश देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता था। अब उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए खास पल है। बता दें कि हैदराबाद में गुडाचारी 2 के एक एक्शन सीन की शूटिंग करते वक्त इमरान घायल हो गए थे। उनकी गर्दन में चोट लग गई थी। दरअसल, इमरान जंप सीक्वेंस के दौरान घायल हुए थे, जिससे उनकी गर्दन पर गहरा कट लग गया था। गुडाचारी 2 एक थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में अदिवि और इमरान लीड रोल प्ले कर रहे हैं। जबकि इससे पहले इमरान, सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 में नजर आ चुके हैं, जिसमें उन्होंने विलन का रोल प्ले किया था।

'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए नेशनल अवॉर्ड पाकर गदगद रानी

फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड पाकर रानी मुखर्जी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वह अपने इस अवॉर्ड को दुनिया भर की मांओं को समर्पित करती हैं। रानी मुखर्जी अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहती हैं, 'फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में अपनी एक्टिंग के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतकर मैं काफी खुश हूं। यह मेरे 30 साल के करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड है। एक कलाकार के तौर पर मैं लकी रही हूं कि कुछ कमाल की फिल्में की हैं। मुझे उन फिल्मों के लिए बहुत प्यार मिला है। फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में मेरे काम को सम्मानित करने के लिए मैं नेशनल अवॉर्ड ज्यूरी का धन्यवाद करती हूं। मैं इस पल को फिल्म की पूरी टीम, मेरे प्रोड्यूसर निखिल आडवाणी, मोनिशा और मधु, डायरेक्टर आशिमा छिब्बर के साथ शेयर करती हूं। यह अवॉर्ड 30 साल के मेरे काम, मेरे डेडिकेशन और सिनेमा के लिए मेरे जुनून का सबूत है।'

रानी मुखर्जी आगे कहती हैं, 'मैं अपना नेशनल अवॉर्ड दुनिया की सभी मांओं को समर्पित करती हूं। हमारी फिल्म में एक मां की ही कहानी है, जिसने अपने बच्चों को पाने के लिए सबकुछ कुर्बान कर दिया। इस कहानी ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया था। सच में, एक मां का अपने बच्चे के लिए प्यार बिना शर्त का होता है। इस बात का अहसास मुझे तब हुआ जब मेरा अपना बच्चा हुआ। इसलिए यह नेशनल अवॉर्ड, यह फिल्म बेहद इमोशल, पर्सनल है। हमने फिल्म के जरिए यही दिखाने की कोशिश की कि एक मां अपने बच्चों के लिए पहाड़ भी हिला सकती है। दुनिया को एक बेहतर जगह भी बना सकती है।'

नेशनल अवॉर्ड पाकर गदगद रानी मुखर्जी अपने फैंस को भी नहीं भूलती हैं। वह फैंस का भी शुक्रिया अदा करती हैं। रानी कहती हैं, 'दुनिया भर के अपने सभी फैंस का एक बार फिर शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। 30 साल के मेरे करियर वे साथ रहे। आपका बिना शर्त का प्यार, सपोर्ट ही मेरे लिए सब कुछ है। इस बात से मुझे काम करने की, एक्टिंग करने की इंस्पिरेशन मिलती है। आप लोगों ने मुझे हर रोल, हर कहानी में अपनाया है, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।

सीरीज मंडला मर्डर्स के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलीं वाणी

वाणी कपूर ने साल 2013 में फिल्म शुद्ध देसी रोमांस से इंडस्ट्री में डेब्यू किया। तब से उन्होंने कई ग्लैमरस रोल किए हैं। अब इस साल उन्होंने ओटीटी डेब्यू किया है और पहली सीरीज से ही वे छा गई हैं। सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर यशराज फिल्म्स की वेब सीरीज मंडला मर्डर्स में वाणी के काम की काफी तारीफें हो रही हैं, जो बीते हफ्ते नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। अभिनेत्री ने बताया कि यह रोल करते हुए वे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलीं, जो आसान नहीं था।

वाणी सीरीज में सीबीआई ऑफिसर रिया थॉमस के रोल में दिखी हैं। मंडला मर्डर्स के जरिए वाणी ने करियर के नए चैप्टर की शुरुआत की है। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में अपने संघर्ष के दौर के बारे में बात की। बॉलीवुड फिल्मों में कई वर्ष से ग्लैमरस और रोमांटिक रोल करने वाली वाणी मंडला मर्डर्स में एक अलग अवतार में नजर आई हैं। उनका कहना है कि यह बदलाव उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। मनीकंट्रोल के साथ बातचीत के दौरान जब वाणी से इस किरदार का चयन करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह उनके पिछले हर किरदार से अलग था। रिया ने कहा कि उन्हें यह किरदार बिना इमोशन और लंबे-लंबे डायलॉग और नाटकीय हाव भाव के सिर्फ आंखों के जरिए अदा करना था। ऐसा करना इमोशनली और मेंटली थका देने वाला था, लेकिन इस चुनौती ने उन्हें आकर्षित किया। वाणी कपूर ने मंडला मर्डर्स के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने की कोशिश की। वे बताती हैं कि निरंतरता सबसे मुश्किल हिस्सा था। आप किरदार के डिजाइन से बाहर नहीं निकल सकते।

एल्विश के हाथ लगा एक और रियलिटी शो

इस वक्त एल्विश यादव के करियर के सितारे बुलंदियों पर हैं। वह जिस भी चीज में हाथ डाल रहे हैं, वहां से विनर बनकर निकल रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 और रोडीज के बाद एल्विश यादव ने लाफ्टर शेफ्स 2 जीता, और अब वह एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। एल्विश यादव जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग भोपाल में चल रही है। एल्विश ने शूटिंग भी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने बताया कि एल्विश यादव काफी समय से एक्टिंग की दुनिया में उतरने का मन बना रहे थे, और यह प्रोजेक्ट उनके विजन के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। एल्विश अभी भोपाल में शूटिंग कर रहे हैं, और बेहद एक्साइटेड हैं। एल्विश यादव एक पॉपुलर यूट्यूबर रहे हैं, और वहीं से उन्हें बिग बॉस ओटीटी में जाने का मौका मिला था। उन्होंने बतौर वाइल्ड कार्ड शो में एंट्री की थी, और विनर बनकर इतिहास रच दिया था। इसके बाद एल्विश यादव की पॉपुलैरिटी और बढ़ गई।

आयुष्मान खुराना करेंगे मोहम्मद रफी की बायोपिक में लीड रोल?

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के दिग्गज सिंगर मोहम्मद रफी वो आवाज हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी अपना जादू बिखेर रहे हैं। उनकी आवाज और गाने आज भी उतने ही पसंद किए जाते हैं, जितने उनके दौर में किए जाते थे। इस मौके पर रफी साहब के बेटे शाहिद रफी से बात की। इस खास बातचीत में शाहिद ने पिता से जुड़ी यादें साझा कीं। साथ ही उनकी बायोपिक के बारे में भी जानकारी दी।

बायोपिक के निर्माता हैं शाहिद रफी

ओह माय गॉड जैसी फिल्में बना चुके निर्देशक उमेश शुक्ला ने घोषणा की है कि वे रफी साहब की बायोपिक पर काम कर रहे हैं। अब रफी के बेटे शाहिद रफी ने इस फिल्म को लेकर कई जरूरी बातें साझा कीं। शाहिद ने बताया कि वो खुद इस फिल्म से बतौर निर्माता जुड़े हैं। उन्होंने कहा, मैंने यह तय किया था कि अब्बा की बायोपिक तभी बननी चाहिए, जब इसे सच्चाई और ईमानदारी से बनाया जाए। मेरे लिए यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि मेरे अब्बा की जिंदगी को दुनिया के सामने लाने का जरिया है। जब डायरेक्टर उमेश शुक्ला से मेरी बातचीत हुई तो मुझे उनके काम करने का तरीका और सोच समझ आई। मुझे लगा कि वही इस कहानी को सही तरीके से दिखा सकते हैं।'

शाहिद ने आगे बताया कि उमेश जी थिएटर से आए हैं, इसलिए उन्हें किरदारों को महसूस करने का हुनर आता है। वो सिर्फ सीन नहीं बनाते, वो किरदार के भीतर जाते हैं। रफी साहब जैसे इंसान को समझने के लिए यह बहुत जरूरी है। उनकी पहले की फिल्मों में भी मैंने यह दिल से जुड़ी समझ देखी है। वे इस फिल्म के सह-निर्माता भी हैं।

जो उन्होंने जिया, वही फिल्म में दिखेगा

जब पूछा गया कि फिल्म में रफी साहब की जिंदगी के कौन-कौन से हिस्से शामिल होंगे, तो शाहिद ने बताया कि मेरे अब्बा की जिंदगी एक खुली किताब जैसी थी। मैं चाहता हूं कि लोग उन्हें सिर्फ गायक के तौर पर नहीं, इंसान के रूप में भी जानें। कई बार फिल्मों में सच्चाई से हटकर बातें जोड़ दी जाती हैं या बदल दी जाती हैं। मैंने शुरू से साफ कहा कि जो जैसा था, वैसा ही दिखाया जाए। हमें कुछ भी छुपाने या बदलने की जरूरत नहीं है।

फिल्म में मोहम्मद रफी का किरदार कौन निभाएगा? इस पर अभी कोई पक्की जानकारी तो नहीं है पर इंडस्ट्री में आयुष्मान खुराना को इस किरदार के लिए संपर्क किया गया है। इस बारे में शाहिद ने कहा कि हमारी कुछ बड़े नामों से बातचीत चल रही है। दो-तीन एक्टर्स से संपर्क भी हुआ है, लेकिन अभी तक कुछ फाइनल नहीं हुआ है। जब सब तय होगा, तब हम खुद इसकी जानकारी देंगे।

शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद

शाहिद ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और अब आगे की तैयारी चल रही है। वे इस साल नवंबर या दिसंबर तक इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। सब कुछ सही रहा, तो यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में आ सकती है।

आतंकवादियों से लोहा लेते दिखे जॉन अब्राहम, तेहरान का ट्रेलर रिलीज

अगस्त के महीने में कई दिलचस्प फिल्में थिएटर्स में रिलीज होने जा रही हैं। वहीं, ओटीटी पर भी बहार रहेगी। इस महीने ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों में जॉन अब्राहम की तेहरान का नाम भी शामिल है। इसी फिल्म का 01 अगस्त को ट्रेलर रिलीज किया गया है, जो सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है। फिल्म तेहरान 14 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज होगी। इसे जी5 पर देखा जा सकेगा। जी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। जॉन अब्राहम आतंकवादियों के मंसूबों को नाकाम करते दिख रहे हैं। वे पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता एक्शन अवतार में दिख रहे हैं। फिल्म तेहरान को सच्ची घटना पर आधारित बताया जा रहा है। ट्रेलर की शुरुआत में आवाज आती है, ये इंटरनेशनल मैटर है, तीन देशों में ब्लास्ट हुआ है। ये आतंकवादियों का काम है और हमें इन्हें बेनकाब करना होगा।

साभार एजेंसी